राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 आज सूर्यकुमार और गंभीर के नए युग में दबदबा बरकरार रखने के ...

एएसईएएन भारत की एक्ट ईस्ट नीति का आधार, लाओस ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 106 | नई दिल्ली, शनिवार, 27 जुलाई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम अधिकतम तापमान 31°C
न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

अग्निपथ का लक्ष्य सेनाओं को युद्ध के लिए निरंतर योग्य बनाकर रखना है : मोदी

प्रात: किरण

करगिल/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अग्निपथ योजना को सेना द्वारा किए गए आवश्यक सुधारों का एक उदाहरण बताया और विपक्ष पर सशस्त्र बलों में औसत आयु वर्ग को युवा रखने के उद्देश्य से शुरू की गई इस भर्ती प्रक्रिया पर राजनीति करने का आरोप लगाया। मोदी ने करगिल युद्ध में जीत की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर यहां आयोजित करगिल विजय दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि कुछ लोग राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े एक संवेदनशील मुद्दे पर भी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि पेंशन के पैसे बचाने के लिए अग्निपथ योजना शुरू की गई थी। उन्होंने कहा, अग्निपथ का लक्ष्य सेनाओं को युवा बनाना है, अग्निपथ का लक्ष्य सेनाओं को युद्ध के लिए निरंतर योग्य बनाकर रखना है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इस तरह के संवेदनशील मुद्दे को कुछ लोगों ने राजनीति का विषय बना दिया है। कुछ लोग सेना के इस सुधार पर भी अपने व्यक्तिगत स्वार्थ में झूठ की राजनीति कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने अग्निपथ योजना के माध्यम से इस चिंता का समाधान किया है। प्रधानमंत्री ने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि पेंशन के पैसे बचाने के लिए अग्निपथ योजना शुरू की गई थी। उन्होंने कहा, कुछ लोग ऐसा भ्रम फैला रहे हैं कि सरकार पेंशन के पैसे बचाने के लिए ये योजना लेकर आई। मुझे ऐसे लोगों की

सोच पर शर्म आती है लेकिन ऐसे लोगों से पूछा जाना चाहिए, जरा कोई मुझे बताये आज मोदी के शासनकाल में जो भर्ती होगा क्या आज ही उसको पेंशन देनी है? उन्होंने कहा, उसको पेंशन देने की नौबत 30 साल के बाद आएगी। और तब तो मोदी 105 साल का हो गया होगा और तब भी क्या मोदी की सरकार होगी? क्या मोदी जब 105 साल का होगा? 30 साल के बाद जब पेंशन बनेगी, उसके लिए ये मोदी ऐसा राजनीतिज्ञ है जो आज गाली खाएगा?प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके लिए दल नहीं बल्कि देश सर्वोपरि है। उन्होंने कहा, आज गर्व से कहना चाहता हूं सेनाओं द्वारा लिए गए फैसले का हमने सम्मान किया है। हम राजनीति के लिए नहीं राष्ट्रनीति के लिए काम करते हैं। हमारे लिए राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि है। हमारे लिए 140 करोड़ की शांति, ये सबसे पहले है।

पीएम ने कारगिल युद्ध स्मारक पर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री मोदी आज सुबह द्रास पहुंचे और 1999 में युद्ध के दौरान शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। सेना के दिग्गजों ने भी कारगिल युद्ध स्मारक पर वीरों को श्रद्धांजलि दी।

पीएम ने शिंकुन ला सुरंग के निर्माण के लिए किया पहला विस्फोट : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश और केंद्र-शासित प्रदेश लद्दाख के बीच हर मौसम में संपर्क सुविधा प्रदान करने वाली सुरंग के निर्माण के लिए पहला विस्फोट किया। मोदी ने शिंकुन ला सुरंग के निर्माण की शुरूआत करते हुए लद्दाख के द्रास से कुछ दूरी से पहला विस्फोट किया। शिंकुन ला सुरंग परियोजना में 4.1 किलोमीटर लंबी दोहरी-ट्यूब सुरंग शामिल है, जिसका निर्माण लेह को सभी मौसम में संपर्क प्रदान करने के लिए निमू-पदुम-दारचा रोड पर लगभग 15,800 फुट की ऊंचाई पर किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

एमएसपी कानून बनाने से सरकार का इनकार किसानों के साथ विश्वासघात: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संसद में किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य कानून नहीं बनाने का ऐलान कर दिया है और यह मोदी सरकार का किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शुक्रवार को यहां संसद भवन परिसर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार किसानों के लिए एमएसपी कानून नहीं बना रही है और इसकी घोषणा श्री चौहान ने संसद में स्पष्ट रूप से कर दी है। उन्होंने इसे भाजपा की किसान विरोधी मानसिकता का परिणाम बताया और कहा कि उसकी यह मानसिकता आज उस समय सदन में देखने का मिली जब कृषि मंत्री ने किसानों के लिए एमएसपी कानून बनाने से साफ इंकार कर दिया। यह वही कृषि मंत्री हैं, जिन्होंने मंदरसौर में किसानों के खून से होली खेली थी। कांग्रेस नेता ने आज के दिन को किसानों के लिए काला दिन करार दिया और कहा कि सरकार ने किसानों के लिए एमएसपी कानून बनाने से साफ इनकार कर देश के अन्नदाता के साथ धोखा किया है।

करगिल युद्ध में भारत के वीर सपूतों ने अदम्य साहस का परिचय दिया: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय सेना के जवानों ने करगिल युद्ध के दौरान हिमालय की दुर्गम पहाड़ियों में अदम्य वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन की सेना को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। अमित शाह ने कहा कि करगिल विजय दिवस सेना के बहादुर जवानों की वीरता के अटूट संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, करगिल के युद्ध में वीर जवानों ने हिमालय की दुर्गम पहाड़ियों में पराक्रम की पराकाष्ठा का परिचय देते हुए दुश्मन की सेना को घुटने टेकने पर मजबूर किया और करगिल में पुनः तिरंगा लहराकर देश को गौरवान्वित किया। गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय सैनिकों के त्याग, समर्पण व बलिदान को कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं पाएगा। शाह ने कहा, आज करगिल विजय दिवस पर इस युद्ध में अपने साहस से मातृभूमि की रक्षा करने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं। भारतीय सेना ने लद्दाख में स्थित करगिल की बर्फीली चोटियों पर लगभग तीन महीने तक चले युद्ध में जीत हासिल करते हुए 26 जुलाई 1999 को ऑपरेशन विजय की सफल समाप्ति का ऐलान किया था।

विप की सदस्यता समाप्त किये जाने का प्रस्ताव सदन में ध्वनिमत से पारित

राजद एमएलसी सुनील सिंह की सदस्यता रद्द

प्रात : किरण

पटना। बिहार विधानमंडल में मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी करना राजद के एमएलसी सुनील कुमार सिंह को भारी पड़ गया। इसके चलते एमएलसी सुनील कुमार सिंह की विधान परिषद से सदस्यता रद्द कर दी गई है। सिंह की विधान परिषद की सदस्यता समाप्त किये जाने का प्रस्ताव शुक्रवार को सदन में ध्वनिमत से पारित किया गया। इससे पहले गुरुवार को विधान परिषद की आचार समिति ने उनके खिलाफ रिपोर्ट तैयार कर दी थी और अब आज इसकी घोषणा कर दी गई।

समिति ने कहा था कि सुनील कुमार सिंह ने सदन के सदस्य बने रहने की पात्रता खो दी है। समिति ने अपनी 112 पन्नों की रिपोर्ट दी है। राजद नेता सिंह पर 13 फरवरी को सदन के भीतर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ कुछ अपमानजनक और असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल करते हुए नारे लगाए जाने का आरोप था। इस दौरान उनके साथ उनकी पार्टी के एक और एमएलसी कारी सोहैब भी साथ थे। ऐसे में दोनों के इस आचरण

को अनुचित मानते हुए यह मामला विधान परिषद की आचार समिति के पास भेजा गया था। हालांकि, बाद में कारी सोहैब ने गलती मान ली थी लेकिन सुनील सिंह ने गलती मानने से इंकार कर दिया था। इसके बाद सुनील सिंह के खिलाफ आचार समिति ने जांच रिपोर्ट तैयार की और उनपर अनुशासनिक कार्रवाई के तहत सदस्यता समाप्त करने की सिफारिश की।

समिति का प्रतिवेदन कल ही सदन में रख दिया गया था, जिसपर आज अंतिम मुहर लग गई। राजद ने इस कार्रवाई को अनुचित करार दिया है। खुद की बर्खास्तगी पर प्रतिक्रिया देते हुए सुनील कुमार सिंह ने कहा कि सदस्यता समाप्त होने का पहले से ही मैच फिक्स है। जिस तरह देश में पेपर लीक का तार नालंदा से जुड़ा है, मेरी बर्खास्तगी का भी तार भी नालंदा से जुड़ा है। इस बीच, सिंह के खिलाफ कार्रवाई के बाद बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि यह लोकतंत्र की हत्या है और इतिहास में एक काला अध्याय है।

बिस्कोमान अध्यक्ष पद से भी हटाए गए

पटना। सुनील सिंह को बिस्कोमान अध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। इस संबंध में भारत सरकार ने पत्र जारी किया है। भारत सरकार के पत्र में लिखा है कि बिहार राज्य सहकारी विपणन संघ लिमिटेड बिहार एवं झारखंड में प्रशासक की नियुक्ति के संबंध में, चूंकि बिस्कोमान की चुनाव प्रक्रिया को सहकारी चुनाव प्राधिकरण द्वारा आदेश संख्या सीईए- 12011/ 36/ 2024 दिनांक 22 जुलाई 2024 (संलग्न) के तहत रद्द कर दिया गया है। सहकारी चुनाव प्राधिकरण ने एमएससीएस अधिनियम की धारा 123(1) के तहत बिस्कोमान में प्रशासक की नियुक्ति के लिए आगे की सिफारिश की है, क्योंकि बिस्कोमान के पिछले निदेशक मंडल का कार्यकाल 24 जून को समाप्त हो गया है और आज की तारीख तक कोई बोर्ड मौजूद नहीं है। बिस्कोमान एमएससीएस अधिनियम, 2002 की धारा 122 के तहत एक निर्दिष्ट बहु-राज्य सहकारी समिति है। त्र में लिखा है कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के मद्देनजर और उपरोक्त बहु-राज्य सहकारी समिति में निदेशक मंडल के चुनाव के स्वतंत्र और निष्पक्ष संचालन के हित में, जिसमें इसके स्वस्थ कामकाज भी शामिल हैं, केंद्र सरकार तत्काल प्रभाव से कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव (आईएएस-2010) सेवानिवृत्त को नियुक्त करती है. एमएससीएस अधिनियम की धारा 123(1) के तहत प्रशासक के रूप में, इस आदेश के जारी होने की तारीख से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए सोसायटी के मामलों का प्रबंधन करने और एमएससीएस अधिनियम और नियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार सोसायटी के चुनाव कराने के लिए नियुक्त किया गया है।

शोभन में ही बनेगा दरभंगा एम्स, केन्द्र सरकार की मंजूरी

एम्स का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा : संजय झा

प्रात : किरण

पटना। दरभंगा के शोभन में एम्स बनने का रास्ता साफ हो गया है। केन्द्र सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। अब एम्स का निर्माण शोभन एकमी बायपास के पास प्रस्तावित जमीन पर ही बनेगा। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बिहार सरकार को पत्र लिखकर जल्द से जल्द जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। राज्य सभा सांसद सह जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि अब दरभंगा के शोभन में जल्द ही एम्स का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। जदयू सांसद ने अपने पोस्ट में कहा है कि दरभंगा में एम्स निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा शोभन-एकमी बाईपास के निकट प्रस्तावित भूमि का सर्वेक्षण करने केंद्र सरकार की तकनीकी टीम 18-19 मार्च को दरभंगा आई थी। केंद्र सरकार की तकनीकी टीम ने अपनी रिपोर्ट में उक्त भूमि को एम्स निर्माण के लिए उपयुक्त बताया है। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने प्रस्तावित भूमि पर एम्स के निर्माण को मंजूरी दे दी है। अब दरभंगा में एम्स का निर्माण जल्द शुरू होगा। श्री झा ने इस मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा डी तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार प्रकट किया है। श्री झा ने आगे कहा कि प्रस्तावित भूमि पर एम्स निर्माण की मंजूरी मिल जाने के बाद अब राज्य सरकार जल्द ही 150 एकड़ से अधिक प्रस्तावित जमीन केंद्र को निःशुल्क हस्तांतरित कर देगी। साथ ही, अपने संसाधनों से उक्त स्थल पर बिजली और पानी की आपूर्ति की व्यवस्था करने तथा वहां तक फोर लेन कनेक्टिविटी देने के लिए भी जरूरी कदम उठाएगी। झा ने कहा कि एम्स का निर्माण शहर की सीमा पर स्थित शोभन के पास होगा तो दरभंगा शहर को एक नया विस्तार मिलेगा और नये क्षेत्रों का तेजी से विकास होगा। इससे नये क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही, राज्य सरकार दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल का भी पुनर्विकास करा रही है। वहां 2500 बेड का नया अस्पताल बनाने के लिए 2742.04 करोड़ की योजना पर काम चल रहा है। दोनों सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों का निर्माण हो जाने पर दरभंगा केवल उत्तर बिहार के लिए ही नहीं, नेपाल तक के लिए भी एक बड़ा केंद्र बन जाएगा।

कांवड़ यात्रा : सुप्रीम कोर्ट ने नाम प्रदर्शित करने के आदेश पर अंतरिम रोक बढ़ाई

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को भाजपा शासित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश द्वारा जारी उन निदेर्शों पर रोक लगाते हुए 22 जुलाई के अपने अंतरिम आदेश को बरकरार रखने का निर्देश दिया, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्गों पर स्थित भोजनालयों को मालिकों, कर्मचारियों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के लिए कहा गया था। हिंदू कैलेंडर के श्रावण महीने के दौरान शिवलिंगों पर जलाभिषेक करने के लिए विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में भक्त गंगा से पवित्र जल की कांवड़ लेकर आते हैं। कई श्रद्धालु इस महीने में मांस खाने से परहेज करते हैं, जिसे वे पवित्र मानते हैं। कई लोग तो प्याज और लहसुन युक्त भोजन भी नहीं खाते। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने कहा कि वह 22 जुलाई के आदेश पर कोई स्पष्टीकरण जारी नहीं करेगी, क्योंकि हमने अपने 22 जुलाई के आदेश में जो कुछ कहा जाना था, वह कह दिया है। हम किसी को नाम उजागर करने के लिए बाध्य नहीं कर सकते। पीठ ने मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों से उनके संबंधित निदेर्शों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने याचिकाकताओं को राज्य सरकारों के जवाबों पर प्रत्युत्तर दाखिल करने की अनुमति दी और मामले की अगली सुनवाई पांच अगस्त के लिए तय की। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों के अलावा मध्य प्रदेश के उज्जैन में भाजपा शासित नगर निकाय ने भी दुकान मालिकों को इसी तरह का निर्देश जारी किया था। उज्जैन में भगवान शिव का प्रसिद्ध महाकाल मंदिर है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि उन्होंने अपना जवाब दाखिल कर दिया है और उनका कहना है कि संबंधित निर्देश कानून के तहत अनिवार्य हैं। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि इस मामले पर अगले सोमवार को सुनवाई की जाए, अन्यथा यह मुद्दा निरर्थक हो जाएगा। सोमवार को शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ होती है, खासकर श्रावण के महीने में। उन्होंने कहा, हमें एकपक्षीय आदेश का सामना करना पड़ा और बिना सुनवाई के आदेश पर रोक लगा दी गई। उन्होंने कहा कि अदालत द्वारा पारित अंतरिम आदेश केंद्रीय कानून के अनुरूप नहीं है। पीठ ने कहा कि यदि भोजनालयों और दुकानों को नियंत्रित करने वाला कोई कानून है तो राज्य को अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी क्षेत्रों में इसे लागू करना चाहिए।

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात झा का निधन, अंतिम संस्कार आज

प्रात : किरण

भोपाल/नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पार्टी की मध्यप्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष प्रभात झा का शुक्रवार को तड़के दिल्ली में एक अस्पताल में उपचार के दौरान देहांत हो गया। पूर्व राज्यसभा सांसद श्री झा कुछ समय से अस्पताल में भर्ती थे। कल उनके जन्म स्थान बिहार के सीतामढ़ी जिले स्थित पुश्तैनी गांव कोरियाही में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार श्री झा अपने व्यस्त समय के बीच भी लेखन के लिए भरपूर समय निकाल लेते थे। अपने प्रियजनों और कार्यकताओं को हर अहम अवसरों पर स्वयं के लिखे पत्र भेजने की विशेषता उनके व्यक्तित्व को अलग बनाती थी। वे अक्सर कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाने और उनसे संवाद स्थापित करने के लिए उन्हें पत्र भेजा करते थे। लगभग ढ़ाई साल मध्यप्रदेश भाजपा के अध्यक्ष

रहे श्री झा राज्यसभा सांसद रहने के साथ पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और सचिव भी रहे।

राज्यसभा सासंद रहने के दौरान उन्हें ग्रामीण विकास संबंधी स्थायी समिति और संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति का भी सदस्य बनाया गया। उन्होंने पार्टी के मुखपत्र कमल संदेश के संपादक के तौर पर भी काम किया। मध्यप्रदेश भाजपा में उन्होंने मीडिया प्रभारी और प्रवक्ता का भी दायित्व निभाया। तत्कालीन समय में कांग्रेस की दिग्विजय सिंह सरकार थी, ऐसे में उनका मीडिया प्रभारी का दायित्व बेहद चुनौतीपूर्ण और संघर्षपूर्ण रहा, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया।

पीएम, शाह, नड्डा, सिंधिया ने शोक जताया: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद प्रभात झा के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। मैंने उनकी कार्यशैली को बहुत करीब से देखा है कि संगठन को सशक्त बनाने में उन्होंने किस प्रकार सक्रिय भूमिका निभाई। जनसेवा के अपने कार्यों के साथ ही उन्होंने पत्रकारिता और लेखन के क्षेत्र में भी अमूल्य योगदान दिया। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और प्रशंसकों को मेरी संवेदनाएं। ओम शांति! भाजपा अध्यक्ष श्री नड्डा ने एक्स पर अपने शोक संदेश में लिखा, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष प्रभात झा जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उनका संपूर्ण जीवन जनसेवा और संगठन को समर्पित रहा। उनका जाना भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।

मुख्यमंत्री ने प्रभात झा के निधन पर जताया शोक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं मध्य प्रदेष भाजपा के पूर्व अध्यक्ष प्रभात झा के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि स्व प्रभात झा एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी थे। वे मूल रूप से बिहार के सीतामढ़ी जिला के कोरियाही गांव के रहनेवाले थे। वे राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके थे। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति एवं उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

समझौता **भारत मंडपम में आयोजित 46वें विश्व धरोहर समिति की बैठक में समझौतें पर हस्ताक्षर**

भारतीय पुरावशेषों की तस्करी रोकने के लिए भारत और अमेरिका के बीच समझौता

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को सांस्कृतिक संपत्तियों की बहाली एवं सुरक्षा तथा चुराई गई भारतीय पुरावशेषों की तस्करी को रोकने के लिए पहली बार द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। यहां भारत मंडपम में आयोजित 46वें विश्व धरोहर समिति की बैठक में आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर के अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सचिव गोविंद मोहन और भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गासेटी उपस्थित थे।

इस मौके पर खुशी जाहिर करते हुए केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि यह समझौता एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा हमारी कलाकृतियों और सांस्कृतिक विरासत

को वापस लाने के लिए अपनाए गए सक्रिय दृष्टिकोण को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि आज का दिन इतिहास में सुनहरे अक्षरों से लिखा जाएगा। हम भारतीय धरोहर की सुरक्षा और हमारी ऐतिहासिक धरोहरों को घर वापस लाने की दिशा में महत्वपूर्ण समझौता कर रहे हैं। भारत और अमेरिका ने आज सांस्कृतिक संपत्तियों की बहाली और सुरक्षा तथा चुराई गई भारतीय पुरावशेषों की तस्करी को रोकने के लिए पहले द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के बाद से वहां से 262 पुरावशेष भारत लाए गए हैं। भारत सरकार के लिए विरासत के संरक्षण का काम प्राथमिकताओं में से एक है। आने वाले समय में अमेरिका से 297 पुरावशेष लाए जाएंगे। इस मौके पर भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गासेटी ने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि भारत एक शानदार देश है। मानव संस्कृति को समझने के लिए भारत की संस्कृति को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समझौता न्याय के बारे में है। बौद्धिक संपदा के संरक्षण के बारे में है। इस मौके पर संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने कहा कि आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण दिन है। आज दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच समझौता हुआ है। यह बड़ा दिन है, दोनों देशों के बीच समझौता होने से पुरावशेषों की तस्करी को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कारगिल में युद्ध के साथ सत्य की भी जीत हुई : पीएम

कारगिल/एजेंसी। पच्चीसवें कारगिल विजय दिवस पर शुक्रवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर कारगिल युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस गवाह है कि राष्ट्र के लिए दिए गए बलिदान अमर हैं। कारगिल में हमने केवल युद्ध नहीं जीता था। सत्य की भी जीत हुई थी। उस समय भारत शांति के लिए कार्य कर रहा था। पाकिस्तान ने विश्ववासघात किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 26 जुलाई, 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। आज लद्दाख की ये महान भूमि कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ की गवाह बन रही है। मुझे याद है कि किस तरह हमारी सेनाओं ने इतनी ऊंचाई पर इतने कठिन युद्ध ऑपरेशन को अंजाम दिया। मैं देश को विजय दिलाने वाले ऐसे सभी शूरवीरों को आदरपूर्वक प्रणाम करता हूं।

नीति आयोग की 9वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक आज, प्रधानमंत्री करेंगे अध्यक्षता

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। नीति आयोग की 9वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक की इस वर्ष की थीम विकसित भारत@2047 है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। प्रधानमंत्री नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। अन्य उपस्थित लोगों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल, पदेन सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष और सदस्य शामिल होंगे। नीति आयोग ने शुक्रवार को बताया कि गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विकसित भारत @2047 पर विजन डॉक्यूमेंट के लिए दृष्टिकोण पत्र पर चर्चा की जाएगी। बैठक का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहभागी शासन और सहयोग को बढ़ावा देना, सरकारी हस्तक्षेपों के वितरण तंत्र को मजबूत करके ग्रामीण और शहरी दोनों आबादी के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है। बैठक में विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में राज्यों की भूमिका पर भी विस्तृत विचार-विमर्श होगा। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, जिसकी जीडीपी 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर चुकी है और 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचने की आकांक्षा है। 2047 तक विकसित भारत के विजन को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी।

संक्षिप्त समाचार

कांवड़ मेले में सक्रिय हुए नशा तस्कर, गांजे की हो रही तस्करी

हरिद्वार, एजेंसी। कांवड़ मेले की शुरुआत होने से पहले ही नशा तस्कर सक्रिय हो गए और लगातार धर्मनगरी में गांजे की तस्करी शुरू कर दी गई। कांवड़ मेले में भीड़ के बीच पुरुषों के साथ ही महिलाएं भी गांजे की तस्करी कर रही हैं। गांजा तस्करी की तस्दीक खुद पुलिस के आंकड़े कर रहे हैं। 10 दिन के अंदर पुलिस ने एक महिला सहित 10 तस्करों को गिरफ्तार कर सवा कुंतल से ज्यादा गांजा जब्त किया गया है। ये वो तस्कर हैं जो पुलिस के हत्थे चढ़ गए, लेकिन इससे हटकर भी तमाम नशा तस्कर भीड़ के बीच सक्रिय होकर धंधे को अंजाम दे रहे हैं। धर्मनगरी में हर साल कांवड़ मेले में करोड़ों शिवभक्तों की भीड़ पहुंचती है। ऐसे में तमाम लोग गांजे का नशा करते हैं। इसलिए मेले की भीड़ के बीच नशा तस्कर सक्रिय हो जाते हैं। घूम-घूमकर भीड़ के बीच गांजा बेचने का काम करते हैं। यूपी के बिजनौर, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ सहित कई जिलों से नशा तस्कर धर्मनगरी का रुख करते हैं। इस साल भी गांजा तस्करी तेजी से चल रही है, लेकिन पुलिस तस्करों के मंसूबों को नाकाम भी कर रही है। पुलिस के आंकड़ों पर गौर करें तो 17 जुलाई से लेकर 24 जुलाई तक सिडकुल, ज्वालापुर और शहर कोतवाली पुलिस ने एक महिला सहित 10 गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर करीब सवा कुंतल गांजा जब्त किया है। इसके अलावा भी पुलिस ने छोटी मात्रा में भी गांजा बरामद करते हुए तस्करों को दबोचकर जेल भेजा है। तस्करों ने पुलिस की पूछताछ में खुद कबूला है कि वह कांवड़ मेले में गांजा बेचकर मोटा मुनाफा कमाने के लिए आए थे।

ग्रामीण बैंक दिउली में नहीं लिया जाता एक रुपये का छोटा सिक्का

ऋषिकेश, एजेंसी। उत्तराखंड ग्रामीण बैंक दिउली भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों का पालन नहीं कर पा रहा है। बैंक में एक रुपये का छोटा सिक्का नहीं लिया जाता है। ऐसे में दुकानदार और वाहन चालक भी एक रुपये के छोटे सिक्के को लेने से इन्कार कर रहे हैं। यमकेश्वर विकासखंड के दिउली में उत्तराखंड ग्रामीण बैंक की शाखा है। इस बैंक में करीब 25 से अधिक गांवों के लोगों के बैंक खाते हैं। जमा की जाने वाली धनराशि में बैंक कर्मचारी एक रुपये के छोटे सिक्के अलग करवा देते हैं। एक रुपये का छोटा सिक्का न लेने का स्पष्ट कारण भी नहीं बताते। दिउली बाजार के दुकानदारों ने बताया कि एक रुपये का सिक्का ग्राहक लेने से मना करते हैं। जिस कारण वह भी ग्राहकों से एक रुपये का छोटा सिक्का नहीं लेते। दिउली बाजार में खरीददारी करने पहुंचे एक पंडितजी ने बताया कि पूजन में यजमान चढ़ावे में एक रुपये के छोटे सिक्के चढ़ाते हैं। दुकानदार और बैंक वाले लेने से इन्कार करते हैं। यह सिक्के हमारे किसी काम के नहीं होते।

कूड़ा करकट के बदले अब दिखेगा सुंदर नजारा

ऋषिकेश, एजेंसी। एयरपोर्ट-थानो मार्ग पर वन विभाग ने दो स्थानों पर व्यू प्वाइंट बनाए हैं। दोनों स्थानों पर दो छोटी पहाड़ियां बनाकर रंग बिरंगे पौधे लगाए गए हैं। अब लोगों को कूड़ा करकट के बदले सुंदर नजारा दिखाई देगा। रानीपोखरी पुल के पास एयरपोर्ट के टी प्वाइंट और थानो भूमिया मंदिर के पास टी प्वाइंट पर इन दोनों व्यू प्वाइंट को थानो वन विभाग के अधिकारियों ने तैयार कराया है। इन दोनों स्थानों पर पहले लोग कूड़ा करकट आदि फेंक देते थे। वन विभाग को इन दोनों स्थानों पर बार-बार सफाई अभियान चलाना पड़ता था। व्यू प्वाइंट तैयार करने के लिए पहले दोनों स्थानों पर मिट्टी डालकर छोटी पहाड़ियां तैयार कराई गई। उसके बाद इन छोटी पहाड़ियों की तारबाड़ कराई गई। गोबर और जैविक खाद डालने के बाद रंग बिरंगे पौधे लगाए गए। जिससे इन दोनों स्थानों की खूबसूरती में चार चांद लग गए हैं। बृहस्पतिवार को क्षेत्रीय विधायक बृजभूषण गैरोला ने भी व्यू प्वाइंट जाकर सौंदर्यीकरण के कार्यों को देखा। देहरादून एयरपोर्ट से भानियावाला या ऋषिकेश जाते हुए रानीपोखरी पुल से पहले यात्री और दूसरे लोग एक व्यू प्वाइंट को देख सकेंगे। वहीं एयरपोर्ट से रायपुर की तरफ जाते हुए लोग थानो भूमिया मंदिर के पास व्यू प्वाइंट को निहारते हुए आगे बढ़ सकेंगे। व्यू प्वाइंट में डोरेंटा, लाल बांस, हैच, सफेद चांदनी, चंपा, गुलाब, फटकेरिया, स्फाइडर लीली, फाइकस, जोनीपटस, जामिया, साइकस आदि के पौधों को लगाया गया है।

फैक्टरीकर्मी पर हमले के मामले में सात पर मुकदमा दर्ज

हरिद्वार, एजेंसी। सिडकुल थाना क्षेत्र में एक फैक्टरी कर्मचारी को रास्ते में रोककर लाठी-डंडों से हमला करने के मामले में पुलिस सात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, शाहबाद अली पुत्र अहमद हसन निवासी ग्राम मुकर्रबपुर पिरान कलियर ने शिकायत दी। बताया कि उसका भाई शहजाद अली सिडकुल से लौट रहा था। डैंसो चौक पर उसकी बाइक रुकवाकर हेलमेट छीन लिया गया और सिर पर वार कर दिया। उसकी पिटाई कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। शहजाद की हड्डी टूट गई और उसका ऑपरेशन किया। थाना प्रभारी मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी अमन, परिक्षित, साजन खान, अरुण, मोहित शर्मा, अजय, पिंटू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

33 आदमखोर के शिकार के बाद बदला कॉर्बेट का हृदय

फिर 221 एकड़ जमीन खरीदकर 40 परिवारों को बसाया

नैनीताल, एजेंसी। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् और शिकारी जेम्स (जिम) कॉर्बेट की जयंती पर सब उनको याद कर रहे हैं। जिम कॉर्बेट ने कालाढूंगी में 221 एकड़ जमीन खरीदकर 40 परिवारों को बसाया था।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् और शिकारी जेम्स (जिम) कॉर्बेट की जयंती पर सब उनको याद कर रहे हैं। जिम कॉर्बेट ने कालाढूंगी में 221 एकड़ जमीन खरीदकर 40 परिवारों को बसाया था। जिम कॉर्बेट की ख्याति इस कदर रही कि वर्तमान में रामनगर से लेकर कालाढूंगी तक कई लोग उनके नाम से रोजगार चला रहे हैं।

25 जुलाई 1875 को नैनीताल में जन्मे जेम्स कॉर्बेट क्षेत्र में प्रसिद्ध शिकारी के रूप में जाने जाते थे जो बाद में संरक्षणवादी बन गए। भारत में आज भी कई राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य उनके नाम से जाने जाते हैं। 33 आदमखोर तेंदुओं और बाघों का शिकार करने के बाद कॉर्बेट का हृदय परिवर्तित हो गया और उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के लिए कार्य करना शुरू किया। जिम कॉर्बेट ने वर्ष 1915 में कालाढूंगी के छोटी हल्द्वानी में एक स्थानीय व्यक्ति से जमीन खरीदकर मकान बनाया जहां पर वह सर्दियों में रहते थे जबकि गर्मियों में नैनीताल चले जाया करते थे लेकिन वर्ष 1922 से कालाढूंगी में ही आकर रहने लगे। इसके बाद कालाढूंगी के छोटी हल्द्वानी में उन्होंने 221 एकड़ जमीन खरीदकर 40 परिवारों को यहां पर बसाया।

कॉर्बेट ने अपने सहयोगियों के लिए भी घर बनवाए और जमीन को जंगली जानवरों से

बचाने के लिए नौ किमी लंबी और छह फीट ऊंची दीवार का निर्माण भी कराया जो आज भी छोटी हल्द्वानी में मौजूद है। कॉर्बेट शाम के समय चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुना करते थे। उनके द्वारा बनाई गई धरोहर आज भी कालाढूंगी में मौजूद है।

विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क देश-विदेश में बाघों के घनत्व के साथ ही अन्य वन्यजीवों के लिए चर्चित है। एडवर्ड जेम्स कॉर्बेट को दुनिया से गए आज 68 साल हो गए हैं। उनकी हमदर्दी और ख्याति से प्रभावित लोग आज भी उन्हें आदर के साथ याद करते हैं। कॉर्बेट साहब की ख्याति का ही असर है कि रामनगर से लेकर कालाढूंगी तक कई लोग उनके नाम का इस्तेमाल कर अपनी रोजी-रोटी चला रहे हैं। यही नहीं पर्यटकों की बुकिंग करने वाले लोगों ने अपनी साइटों का नाम भी कॉर्बेट के नाम पर ही रखा हुआ है।

धनगढ़ी गेट, जिम कार्बेट संग्रहालय, कालाढूंगी, कार्बेट वन्यजीय प्रशिक्षण केंद्र और कालागढ़ में एडवर्ड जिम कार्बेट की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई। धनगढ़ी गेट पर स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान स्कूली बच्चों को कार्बेट इन्टरप्रिटेशन सेंटर का शैक्षिक भ्रमण कराने के साथ ही जिम कार्बेट की ओर से लिखी गई छह पुस्तकों की जानकारी दी गई। राइंका की छात्राओं में ममता भारती, इच्छा आर्या, ज्योति आर्या ने जिम कार्बेट पर आधारित गीत पेश किया।

इधर कालाढूंगी स्थित जिम कार्बेट म्यूजियम में आयोजित कार्यक्रम में विधायक बंशीधर भगत ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। छात्र-छात्राओं को जिम कार्बेट के जीवन पर आधारित शॉर्ट फिल्म कार्बेट लीगेसी दिखाई गई। कार्बेट वन्यजीव प्रशिक्षण केंद्र कालागढ़ में हुए कार्यक्रम के दौरान वन दरोगा प्रशिक्षुओं के बीच बाघ संरक्षण तथा आर्थिक विकास में संतुलन क्या हम सतत सह-अस्तित्व प्राप्त कर सकते हैं विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता कराई गई।

प्रतियोगिता में ऋषभ कुमार प्रथम, जितेंद्र सिंह द्वितीय और अभिषेक सजवाण, भुवन चंद्र, महेंद्र सिंह, पंकज सिंह, प्रवीण असवाल, ऋषभ चंद्र रमोला, शूरवीर सिंह चौहान व सुमित राणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहां कॉर्बेट पार्क के उपनिदेशक दिगांथ नायक, आकाश गंगवार, प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा, पार्क वार्डन अमित कुमार ग्वासीकोटी, एसडीओ किरन शाह, डॉ. शालिनी जोशी, मयंक तिवारी, एजी अंसारी आदि थे।

कालाढूंगी में खुलेगी जंगल सफारी - भगत

कॉर्बेट म्यूजियम में आयोजित कार्यक्रम में विधायक बंशीधर भगत ने कॉर्बेट की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। विधायक ने कहा कि कॉर्बेट विलेज छोटी हल्द्वानी धीरे-धीरे पर्यटन के मानचित्र पर चमक रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही यहां जंगल सफारी भी खुलने जा रही है। इसके लिए ग्रामीणों ने विधायक भगत और प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत का आभार जताया। कार्यक्रम में डीएफओ दिगांत नायक, रेंजर ललित चौहान, समिति अध्यक्ष राजकुमार पांडे, भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम जतवाल, हरीश मेहरा, गोपाल बुधलकोटी आदि थे।

हाड़ी अंग्रेज - जिम कॉर्बेट पुस्तक का विमोचन

प्रसिद्ध प्रकृतिविद, शिकार कथाओं के लेखक एवं नरभक्षी संहारक एडवर्ड जेम्स कॉर्बेट की 149वीं जयंती पर बृहस्पतिवार को वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक प्रयाग पांडे की ओर से लिखित पुस्तक पहाड़ी अंग्रेज - जिम कॉर्बेट का विमोचन किया गया। पांडे की यह छठी किताब है। इससे पहले उनकी पांच किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं।

राज्य अतिथि गृह में हुए कार्यक्रम में डीएसबी पत्रकारिता एवं जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रो. गिरीश रंजन तिवारी ने कहा कि जिम कॉर्बेट पर अब तक लिखी अधिकांश पुस्तकें अंग्रेजी भाषा में थीं लेकिन यह पुस्तक हिंदी में है। यह किताब कार्बेट में गाइडिंग करने वाले लोगों, पाठकों, पर्यावरण समेत इससे संबंधित विषयों पर शोध करने वालों के लिए बहुपयोगी साबित होगी। विमोचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिम कॉर्बेट के निकटतम सहयोगी रहे स्व. बाबू जगत सिंह नेगी के पौत्र रवींद्र सिंह नेगी थे।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार गणेश पाठक रहे। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक जगमोहन रौतेला ने पुस्तक के बारे में परिचयात्मक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार ओपी पांडे, विजय तड़ागी, पूर्व दायित्वधारी डॉ. रमेश पांडे, डॉ. दुर्गा तिवारी, प्रभात ध्यानी, गणेश रावत, मोहन पांडे, भगवान सिंह गंगोला, हंसी वृजवासी, सीपी वृजवासी, जयवर्धन कांडपाल आदि ने विचार रखे। इससे पूर्व जिम कॉर्बेट की प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती जलाकर केक काटा गया। कार्यक्रम में तारा पांडे, गोपाल रावत, मनोज जोशी, केपी उपाध्याय, बीपी बहुगुणा, निरंजन भट्ट, शैलेंद्र नौडियाल, त्रिभुवन फर्त्याल, वीरेंद्र रावत, शिवानंद भट्ट, बर्थवाल, गोविंद पाटनी आदि थे। संचालन डॉ. विपिन चंद्रा ने किया।

जोशीमठ का नाम बदलकर हुआ ज्योतिर्मठ, चमोली के डीएम ने जारी किया आदेश

गोपेश्वर, एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित जोशीमठ नगर फिर से ज्योतिर्मठ के नाम से जाना जाएगा। चमोली के जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने इस संबंध में बुधवार को विधिवत आदेश जारी कर दिया, जिसमें कहा गया है कि आदेश के राजपत्रित अधिसूचना के दिन से जोशीमठ को ज्योतिर्मठ नाम से जाना जाएगा।

स्थानीय जनता लंबे समय से जोशीमठ को ज्योतिर्मठ नाम दिए जाने की मांग कर रही थी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने भी यह मांग प्रमुखता से उठाई गई थी, जिसके मद्देनजर पिछले साल उन्होंने चमोली जिले में एक कार्यक्रम के दौरान नाम परिवर्तन की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप इस संबंध में प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को भेजा गया था, जिसे जून में मंजूरी दी गई थी।

मान्यता है कि आठवीं सदी में आदि गुरु शंकराचार्य इस क्षेत्र में आए थे और कल्पवृक्ष के नीचे तपस्या की थी, जिससे उन्हें दिव्य ज्ञान की ज्योति की प्राप्ति हुई। दिव्य ज्ञान ज्योति और ज्योतेश्वर महादेव की वजह से इस स्थान को ज्योतिर्मठ कहा गया लेकिन बाद में यह जोशीमठ के नाम से प्रचलित हो गया।

टिहरी में शहीद श्रीदेव सुमन को श्रद्धांजलि देते हुए मनाया गया सुमन दिवस, स्कूली बच्चों ने निकाली रैली

टिहरी, एजेंसी। उत्तराखंड के टिहरी में बीते दिन गुरुवार को राजशाही से आजादी दिलाने वाले अमर शहीद श्रीदेव सुमन के बलिदान दिवस को सुमन दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान जिले के अलग-अलग स्थानों में श्रीदेव सुमन को श्रद्धांजलि देते हुए ये बलिदान दिवस मनाया गया। वहीं इस मौके पर नई टिहरी में स्कूली बच्चों के द्वारा रैली निकाल कर श्रीदेव सुमन की शहादत को याद किया।

सूचना के मुताबिक, जिला मुख्यालय स्थित जिला कारागार के समीप अमर शहीद श्रीदेव सुमन कक्ष, श्री देव सुमन सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय मुख्यालय बादशाहीथौल, सुमन पार्क चंबा, श्री देव सुमन के पैतृक गांव जौल सहित जनपद में सुमन जी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर

श्रद्धांजलि दी गई और उनके त्याग और बलिदान को याद किया गया। नई टिहरी में स्कूली बच्चों द्वारा रैली निकाली गई और श्रीदेव सुमन को श्रद्धांजलि देने के साथ ही उनकी बेड़ियों के भी दर्शन किए गए। सुमन दिवस पर नई टिहरी जेल आम पब्लिक के देखने के लिए खोली जाती है। वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार सोम्बारी लाल सकलानी निशांत ने श्रीदेव सुमन को श्रद्धांजलि दी। साथ ही कहा कि राजशाही के खिलाफ सुमन जी ने अहिंसात्मक आंदोलन चलाया था, जो विचारधारा और सिद्धांत के द्वारा चलाया गया आंदोलन था। इसी के साथ श्री देव सुमन विवि. के कुलपति प्रो एनके जोशी ने कहा कि श्री देव सुमन के जौला गांव को विवि. ने गोद लिया है। विवि. द्वारा वहां पर कई तरह की गतिविधियां चलाई जा रही। इस मौके पर डीएम ने कहा कि श्रीदेव सुमन ने जो 84 दिन का अनशन कर टिहरी वासियों के लिए बलिदान दिया, उससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

हल्द्वानी में बवाल- धार्मिक स्थल की मरम्मत पर तीन घंटे हंगामा, दो पक्ष आमने-सामने आए; आलाधिकारी मौके पर पहुंचे

नैनीताल, एजेंसी।
हल्द्वानी के काठगोदाम क्षेत्र में सड़क किनारे समुदाय विशेष के धार्मिक स्थल की मरम्मत पर हिंदूवादी संगठन के लोग भड़क गए। उन्होंने प्रशासन पर समुदाय विशेष के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया।

हल्द्वानी के काठगोदाम क्षेत्र में सड़क किनारे समुदाय विशेष के धार्मिक स्थल की मरम्मत पर हिंदूवादी संगठन के लोग भड़क गए। उन्होंने प्रशासन पर समुदाय विशेष के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। बाद में प्रशासनिक अधिकारियों ने हिंदूवादी संगठनों से वार्ता कर मौके पर यथास्थिति बनाने के निर्देश दिए।

काठगोदाम नरीमन चौराहे से रेलवे स्टेशन तक सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। सड़क चौड़ीकरण के दौरान रेलवे की चाहरदीवारी को तोड़ा था। इस दौरान रेलवे कॉलोनी की ओर मजार नजर आई जो झाड़ियों से छुपी हुई थी। मजार का कुछ हिस्सा चौड़ीकरण की जद में आ रहा था। पिछले दिनों प्रशासन ने मजार के उस हिस्से को तुड़वा दिया था। तोड़फोड़ के दौरान मजार का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। बृहस्पतिवार को समुदाय विशेष के लोग मौके पर क्षतिग्रस्त मजार की मरम्मत कर रहे थे। मामले की जानकारी हिंदूवादी संगठनों को हो गई। शाम चार बजे हिंदूवादी संगठनों से जुड़े लोग मौके पर जमा हो गए और नारेबाजी करने लगे। लोगों का आरोप था कि वर्षों पुरानी मजार को प्रशासन न केवल

नया रूप दे रहा है बल्कि धार्मिक स्थल की लंबाई-चौड़ाई भी बढ़ा दी है।

इसे लेकर तीन घंटे तक हंगामा और नारेबाजी होती रही। काठगोदाम पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन लोगों का गुस्सा देख पुलिस बैकफुट पर रही। प्रशासन-पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। दूसरे थानों से भी फोर्स बुलाई गई। रेलवे कॉलोनी के लोगों का कहना था कि उन्होंने इस मजार में कभी किसी को आते-जाते नहीं देखा है। भाजपा नेता सचिन साह समेत अन्य लोगों का आरोप था कि प्रशासन मजार को नया रूप दे रहा है। इसी दौरान सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी, एसडीएम परितोष वर्मा, तहसीलदार सचिन कुमार, एसपी सिटी प्रकाश चंद्र, सीओ नितिन लोहनी समेत कई अधिकारी पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। वार्ता के बाद अधिकारियों ने मौके पर यथास्थिति बनाने के निर्देश दिए। तब जाकर हंगामा शांत हुआ। प्रदर्शनकारियों में सचिन साह, योगेंद्र राणा, सचिन कुमार, मनोज रावत, पंकज खत्री, लोकेश यादव आदि थे।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने चिकित्सा में योग की भूमिका पर किया मंथन

ऋषिकेश, एजेंसी। जापान के शीर्ष अनुसंधान विश्वविद्यालयों में शामिल सुकुबा विश्वविद्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस दौरान अनुसंधान, नवाचार और शिक्षक एवं छात्र विनिमय कार्यक्रम की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। सुकुबा विश्वविद्यालय जापान के अंतरराष्ट्रीय रणनीति के कार्यकारी अधिकारी डॉ. ओनेदा ओसामु के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माना से औपचारिक भेंट की। चिकित्सा शिक्षा और मरीजों की देखभाल में योग की भूमिका पर चर्चा की गई। डॉ. विजय धस्माना ने बताया की विश्व में अधिकांश लोग साइकोसोमेटिक डिसऑर्डर से जूझ रहे हैं। बदली जीवनशैली के चलते योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाना आवश्यक हो गया है। डॉ. ओनेदा ओसामु ने भी योग के महत्व पर सहमति व्यक्त की। एसआरएचयू के कुलपति डॉ. राजेंद्र डोभाल ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। कहा कि भारत के आयुर्वेद और योग के पारंपरिक ज्ञान को जापान की उन्नत तकनीकी क्षमताओं के साथ जोड़कर, हम गैर-संचारी रोगों के प्रसार का मुकाबला करने के लिए नवीन दृष्टिकोण विकसित कर सकते हैं। इस दौरान महानिदेशक शैक्षणिक विकास डॉ. विजेंद्र चौहान, एचआईएमएस के प्रधानाचार्य डॉ. अशोक कुमार देवराड़ी, डॉ. रणदीप रखवाल, कुलसचिव डॉ. मुकेश बिजल्वाण, डॉ. सुनील सैनी, डॉ. रेनू धस्माना आदि मौजूद रहे।

अलग-अलग जगहों से तीन बाइकें चोरी, मुकदमा दर्ज

हरिद्वार, एजेंसी। सिडकुल थाना क्षेत्र में अलग-अलग जगहों से तीन मोटरसाइकिलें चोरी हो गईं। पुलिस ने तीनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर वाहन चोरों की तलाश शुरू कर दी है। धर्मेंद्र निवासी डेंसो चौक ने शिकायत देकर बताया कि वह बाइक से मेट्रो हॉस्पिटल में अपने चचेरे भाई देखने गया था। बाइक बाहर खड़ी की थी। जहां से बाइक चोरी हो गई। संदीप चौहान ने शिकायत दी कि 20 जुलाई को शराब की दुकान के पास गया था, जहां से उसकी बाइक चोरी कर ली गई। नितिन निवासी मजलिसपुर मुजफ्फरनगर हाल पता जमालपुर कलां ने बताया कि एकम्स कंपनी के बाहर बाइक खड़ी कर प्लांट में काम करने चला गया था। जब वापस लौटकर आया तो बाइक गायब मिली। एसओ मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि जल्द वाहन चोरी का खुलासा कर दिया जाएगा।

सिडकुल थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में एक किशोरी लापता हो गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। नवाबपुरा मुरादाबाद हाल सिडकुल निवासी व्यक्ति ने शिकायत देकर बताया कि उसकी 17 वर्षीय पुत्रीय 21 जुलाई को घर से बिना बताए कहीं निकल गई थी।

नैनीताल के मेजर राजेश की वीरगाथा, दिखाया था अदम्य साहस

नैनीताल, एजेंसी।
शहर निवासी महावीर चक्र विजेता मेजर राजेश अधिकारी ने कारगिल युद्ध में अदम्य साहस व वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन को देश की सीमा से खदेड़ दिया था। मेजर राजेश के नेतृत्व में 14 मई 1999 को सैनिकों की तीन टोलियों ने पाकिस्तान के घुसपैठियों को मार गिराया था। इस दौरान उन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया।

25 दिसंबर 1970 को नैनीताल में जन्मे मेजर राजेश अधिकारी 1993 में आइएमए देहरादून से पास आउट हुए थे। कारगिल जंग में मेजर राजेश को तोलोलिंग चोटी से पाकिस्तानी घुसपैठियों को भगाने की जिम्मेदारी दी गई। इसके लिए मेजर अधिकारी ने तीन टीमें तैयार करें। यूनिवर्सल मशीनगन के साथ उन्होंने दुश्मनों को कमजोर करते हुए बाहर निकाल

दिया। उन्होंने तुरंत राकेट लांचर टुकड़ी को दुश्मन से लोहा लेने के निर्देश दिए और बिना प्रतीक्षा किए वहां पहुंच गए। करीब चौथाई लड़ाई में दो घुसपैठियों को मार गिराया। मेजर राजेश ने अपनी मशीनगन टुकड़ी को पीछे की स्थिति को संभालने व दुश्मन को उलझाए रखने का आदेश दिया। इस दौरान मेजर अधिकारी लड़ाई में घायल हो गए। लेकिन उन्होंने सब यूनिट को निर्देशित करना जारी रखा। साथ ही तोलोलिंग में दूसरे स्थान पर कब्जा करते हुए प्वाइंट 4590 पर भी कब्जा कर लिया। 30 मई को मेजर राजेश देश के लिए बलिदान हो गए। मेजर अधिकारी के भाई एसएस अधिकारी का भी कुछ माह पूर्व निधन हो गया। माता-पिता का पूर्व में ही निधन हो चुका है।

मेजर अधिकारी के नाम पर जीजीआइसी का नाम व कुमाऊं विवि के केंद्रीय पुस्तकालय का नामकरण किया गया है। दर्शनघर तल्लीताल में बलिदानी मेजर राजेश अधिकारी की प्रतिमा स्थापित की गई है।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

पटना, शनिवार, 27 जुलाई, 2024

सीएम केजरीवाल के समर्थन में 30 जुलाई को इंडिया का तानाशाह मोदी सरकार के खिलाफ हल्ला बोल

तानाशाह शासक अपने राजनैतिक द्वेष के चलते किसी को बंदी बनाते हैं, आज अरविंद केजरीवाल भी एक राजनैतिक बंदी हैं- डॉ. संदीप पाठक

- इस तानाशाही को रोकने और देश को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन के घटक दल 30 जुलाई को जंतर मंतर पर एक मंच पर जुटेंगे- डॉ. संदीप पाठक
- 3 जून से 7 जुलाई तक जेल में अरविंद केजरीवाल का शुगर लेवल 34 बार 50 के नीचे गया है, जो बेहद चिंता जनक है- डॉ. संदीप पाठक

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के समर्थन में इंडिया गठबंधन 30 जुलाई को जंतर-मंतर पर केंद्र की तानाशाह मोदी सरकार के खिलाफ विशाल प्रदर्शन करेगा। ह्यह्यआपह्व के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) डॉ. संदीप पाठक ने यह जानकारी देते हुए कहा कि तनाशाह शासकों की प्रवृत्तियां जग-जाहिर हैं कि वो अपने राजनैतिक द्वेष के कारण किसी को बंदी बना लेते हैं। आज अरविंद केजरीवाल भी एक राजनैतिक बंदी हैं और उनको डराने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वो डरने वाले नहीं हैं। आज सवाल ह्यह्यआपह्वह्व या अरविंद केजरीवाल का नहीं है, बल्कि एक तानाशाह की तानाशाही को रोककर देश को बचाने का है। इसके लिए इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल 30 जुलाई को जंतर मंतर पर एक मंच पर जुटेंगे। डॉ. पाठक ने कहा कि 3 जून से 7 जुलाई तक जेल में अरविंद केजरीवाल का शुगर लेवल 34 बार 50 के नीचे गया है। यह बेहद चिंता जनक है। इसके बावजूद भाजपा और एलजी साहब उनके स्वास्थ्य को लेकर लगातार गलत बयानबाजी कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) एवं राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कहा कि पूरे देश को मालूम है कि लगभग 30 साल से अरविंद केजरीवाल एक गंभीर डायबिटीज के मरीज हैं। जो व्यक्ति इसे समझता है, उसे मालूम होगा कि गंभीर डायबिटीज होना कितनी बड़ी समस्या होती है। डायबिटीज के दो अवस्था होती है। एक, डायबिटीज में शुगर लेवल बढ़ जाता है और दूसरा शुगर लेवल घट जाता है। शुगर लेवल बढ़ने को हाइपरग्लाइसेमिया और शुगर लेवल घटने का हाइपोग्लाइसेमिया कहते हैं। शुगर का बढ़ना अपने आप में एक समस्या है। लेकिन शुगर लेवल का घटना बहुत खतरनाक स्थिति होती है। जब शरीर में ग्लूकोज का लेवल नीचे जाता है तो अचानक व्यक्ति कोमा में जा सकता है। अर्थात डायबिटीज का मरीज तुरंत बेहोश हो जाता है और उसके पास अपना शुगर लेवल बढ़ाने का कोई अवसर नहीं होता है। हाइपोग्लाइसेमिया में शुगर लेवल इतना अचानक गिरता है कि पीड़ित व्यक्ति को चक्कर या बेहोशी आ जाती है। बेहोशी की हालत में मरीज का शुगर लेवल तुरंत नहीं रिकवर किया जाए तो वो कोमा में चला जाता है। डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि 3 जून से 7 जुलाई के बीच 34 बार अरविंद केजरीवाल का शुगर लेवल 50 या इससे नीचे गया है। यह काफी चिंता जनक विषय है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली के चुने हुए एक लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं, जिन पर इस देश के आनेवाला राजनीतिक का भविष्य टिका हुआ है। जिसे देश के करोड़ों लोग अपना आदर्श मानते हैं। ऐसे व्यक्ति को अगर बंदी बनाकर जेल में रख दिया जाए तो यह बहुत गंभीर विषय है। यह बात सबको समझ में आ रहा है, लेकिन भाजपा और एलजी साहब को नहीं समझ आ रही है। एलजी साहब से कहना चाहूंगा कि उनके पास डायबिटीज को लेकर न तो विशेषज्ञता है और ना ही उनका अधिकार क्षेत्र बनता है। इंसानियत के नाते भी किसी व्यक्ति के मेडिकल स्थिति पर इस तरह की गलत बयानबाजी करना कि अरविंद केजरीवाल जानबूझ कर अपना शुगर लेवल कम कर रहे हैं। क्या एलजी साहब को इस विषय के बारे में थोड़ी भी जानकारी है? एलजी का पद बहुत ही सम्मानित और संवैधानिक है। सबको अपनी संवैधानिक गरिमा रखनी पड़ती है। ऐसे पद पर बैठे व्यक्ति का कहा गया एक-एक शब्द बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एलजी साहब कह रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल जानबूझ कर अपनी शुगर कम कर रहे हैं। हम नहीं मानते हैं कि कोई भी व्यक्ति जानबूझ कर अपना शुगर लेवल नहीं घटा सकता है। खासकर जब वह व्यक्ति जेल में बंद है। अगर उसका शुगर लेवल बहुत नीचे चला जाता है तो वो बेहोश हो सकता है, उसे कोई रिकवर नहीं कर सकता है। यह कोई ऐसी बीमारी नहीं है कि शुगर लेवल नीचे चला गया तो अस्पताल में जाकर ठीक होकर आ जाएंगे। इतनी समझ तो हर पढ़े लिखे व्यक्ति में होती है। एलजी साहब तो फिर भी संवैधानिक पद पर बैठे हुए हैं। भाजपा से भी कहना चाहूंगा कि अगर उसे यह बात समझ में नहीं आ रही है तो उसे किसी पढ़े-लिखे व्यक्ति या डॉक्टर से इस विषय पर समझना चाहिए। डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत का फैसला दिया है। पीएमएलए के केस में किसी को ऐसे जमानत नहीं मिलती है। इसमें सारे तथ्यों को खंगालने के बाद जब कोर्ट संतुष्ट हो जाता है कि इसमें कोई गलत चीजें नहीं हुई तब वो जमानत देता है। इसीलिए पहले पीएमएलए कोर्ट ने और बाद में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ लिखा है कि इसमें अभी तक कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई है, लिहाजा अरविंद केजरीवाल को जमानत दी जाती है। इसके बाद सीबीआई को भेजकर अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करा लिया गया। अगर इन एजेंसियों का उद्देश्य किसी को न्याय दिलाना नहीं है तो फिर इनका उद्देश्य क्या है? क्या यह नहीं लग रहा है कि अरविंद केजरीवाल को जबरदस्ती जेल में बंद करके उनको प्रताड़ित और उनके जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि विश्व भर में कोई भी तानाशाही व्यक्ति जब राज करता है तो वो तानाशाही के विशेष स्वभाव में होता है। वो राजनैतिक द्वेष के कारण किसी को राजनैतिक बंदी बनाते हैं। अरविंद केजरीवाल भी आज एक राजनैतिक बंदी हैं। राजनैतिक बंदियों के साथ तानाशाह शासकों की प्रवृत्तियां जग जाहिर है। यह कुछ भी नया है। यह अतिशयोक्ति नहीं है। इतिहास उठाकर भी देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति जो अपने आपको स्वयंभू या ईश्वर का अवतार समझने लग गया, उनको लग गया कि मैं ईश्वर का अवतार हूं और वो अपने आप में इतने डूब गए हैं कि अरविंद केजरीवाल को राजनैतिक बंदी बनाकर राजनैतिक बदला ले रहे हैं। अरविंद केजरीवाल को डराने की कोशिश की जा रही है कि अगर हमारे खिलाफ आवाज उठाई तो जेल में रखकर तुम्हारा ग्लूकोज नीचे लाकर तुम्हारे साथ कुछ भी कर सकते हैं। उनके खिलाफ इस तरह से षड्यंत्र किया जा रहा है। डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति या एक पार्टी का मामला नहीं है, बल्कि यह देश की व्यवस्था का मामला है। अगर इसी तरह से राजनीति होगी तो कोई राजनीति में क्यों आएगा? कोई राजनीति दल बनाने की चेष्टा क्यों करेगा और क्यों कोई इतने बड़े-बड़े नेक्सस के खिलाफ लड़ने की कोशिश करेगा। आज यह प्रश्न अरविंद केजरीवाल या आम आदमी पार्टी नहीं है, बल्कि देश की व्यवस्था का है। यह प्रश्न एक तानाशाह की तानाशाही को रोकने का है। इसलिए इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों ने इस पर विचार किया है और आम समहति बनी है कि यह प्रश्न किसी एक पार्टी या व्यक्ति का नहीं है, बल्कि देश का है। व्यवस्था को इस तरह से किसी एक व्यक्ति की मर्जी पर छोड़कर देश को बर्बाद नहीं कर सकते हैं। 30 जुलाई को इंडिया गठबंधन की तरफ से दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन में इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों के प्रमुखों ने अपनी सहमति जताई है। देश की जनता से मेरी अपील है कि आप किसी राजनैतिक दल या व्यक्ति का समर्थन करते हों या नहीं करते हो, लेकिन देश का समर्थन तो करते होंगे। अगर आप देश का और देश की व्यवस्थाओं की निष्पक्षता का समर्थन करते हैं तो आपको अपनी आवाज उठानी होगी। अन्यथा बहुत देर हो जाएगी और देर होने के बाद आपके पास कोई व्यवस्था या उपाय नहीं बचेगा कि आप परिस्थिति को बदल सकें।

सहसपुर बिजली घर पर भारतीय किसान यूनियन ने किया धरना प्रदर्शन

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा / सहसपुर। क्षेत्र के किसानों की बिजली से सम्बंधित समस्याओं का समाधान करने के लिए भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) का सहसपुर बिजली घर पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन हुआ। भारतीय किसान यूनियन ने ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी गजेंद्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया। किसानों के धरने को संबोधित करते हुए चौधरी गजेंद्र सिंह टिकैत ने बताया सहसपुर बिजली घर की किसानों से जुड़ी अनेक समस्याएं है जिसमे जर्जर लाइन, क्षमता वृद्धि ट्रांसफार्मर, गांव किवाड़, मकसूदपुर, मेवा नवादा आदि गांव के क्षमता वृद्धि के ट्रांसफर बदले नहीं गए जो आए दिन फूंक जाते है जिससे कई कई दिन गांव की लाइट गुल रहती है तथा लाइनों के नीचे पेड़ होने की वजह से बार-बार फॉल्ट होना आदि प्रमुख समस्याएं है इसके अलावा सहसपुर बिजली घर की एक ट्रॉली खराब होने की भी बात सामने आई। इन सभी समस्याओं को दूर करने के लिए एस. डी.ओ. स्योहारा द्वितीय विनय कुमार मौर्य और जेई दुष्यंत कुमार मौर्य ने एक सप्ताह का समय मांगा और समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों की ओर से धरना स्थगित करने की घोषणा हुई। किसानों और बिजली अधिकारियों की वार्ता के समय पुलिस प्रशासन की ओर से थाना प्रभारी निरिक्षक जीत सिंह भी अपनी टीम के साथ शांति एवं कानून व्यवस्था बनाने के लिये उपस्थित रहे उन्होंने भी कहा कि किसानों की थाने से जुड़ी जो भी समस्या हो किसान भाई सीधे आकर हमसे मिल कर समस्या का समाधान करा सकता है।इस अवसर पर गजराम सिंह, करण सिंह, सत्यवीर सिंह, हरिओम यादव, अवनीश कुमार, सोनू चौधरी, अमित कुमार, इरफान मलिक, अमरीश चौधरी आदी बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

कारगिल विजय दिवस पर शहीद सैनिकों के बलिदान को कृतज्ञ राष्ट्र की और से श्रद्धासुमन अर्पित किए, जय हिंद, जय हिंद की सेना

प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्र हितैषी समाज बरवाला दिल्ली के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले दिल्ली के पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से लोकसभा सांसद प्रत्याशी रहे शिक्षाविद् डॉ.दयानंद वत्स ने आज संघ के मुख्यालय बरवाला में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों के बलिदान को कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। वत्स ने कहा कि भारतीय सेना का शौर्य ओर पराक्रम अद्भुत है। 140करोड भारतवासियों को अपने अमर शहीदों पर नाज है। वत्स ने कहा कि जो कौमें अपने शहीदों को याद नहीं करती वह मिट जाती हैं। जय हिंद जय हिंद की सेना।

शहर को शिखर तक पहुचाने मे अधिशासी अधिकारी डॉ बृजेश कुमार को बधाई

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। नगरपालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी डॉ बृजेश कुमार को नगर पालिका परिषद का अधिशासी अधिकारी पद का कार्यभार ग्रहण किए तीन वर्ष पूर्ण हुए। इनके कार्यकाल मे नगर पालिका द्वारा नगर में अनेकों काम सकुशल पूर्ण हुए। नगर के मुख्य चौराहे की चमक एवं सड़कों का बदला कायाकल्प आदि इस बात को प्रेरित करता है कि अधिशासी अधिकारी डॉ बृजेश कुमार ने शहर को बेहतर और स्वच्छ एवं सुंदर बनाने मे काफी मेहनत की। अधिशासी अधिकारी डॉ बृजेश कुमार ने त्योहारों एवं वर्षा के मौसम में शहर में सफाई व्यवस्था एवं जलनिकासी के लिए खुद मौके पर जाकर कमान संभालते है। इससे डॉ0 बृजेश कुमार अधिशासी अधिकारी अमरोहा पालिका में कुशल नेतृत्व के 03 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई के पात्र है एवं उनको हार्दिक बधाई। गौरतलब है कि 26 जुलाई 2021 को डॉ बृजेश कुमार ने सहा0 नगर आयुक्त / अधिशासी अधिकारी के रूप मे नगर पालिका परिषद, अमरोहा मे कार्यभार ग्रहण किया गया, तथा गत वर्ष आपकी प्रोन्नती शासन द्वारा उप नगर आयुक्त के पद पर की गयीं। अमरोहा पालिका मे आज 03 वर्ष पूर्ण होने तक आपके द्वारा अमरोहा पालिका क्षेत्र में अनेकों कार्य जैसे लीगेसी वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना, एम0आर0एफ0 प्लांट, एफ0एस0टी0पी0 की स्थापना, इंटीग्रेटेड पम्पिंग स्टेशन की स्थापना, पालिका गौशाला में पी0पी0पी0 मॉडल पर गौवंश के गोबर से विभिन्न उत्पादों का निर्माण, सफाई के संसाधनों को बढ़ाना, जगमग सड़के, हर गली पक्की, हर घर जल कनेक्शन, बेहतर सफाई व्यवस्था, फरियादियों से बेहतर संवाद व तत्काल समस्या का निस्तारण, हर समय उपलब्ध रहना, पालिका द्वारा किये जाने वाले प्रत्येक कार्य मे स्वयं अग्रिम पंक्ति में रहकर कार्यो का संपादन आपकी कुशल कार्यशैली का परिचायक है। अहिंसा पथ, आई. लव. अमरोहा., महात्मा ज्योतिबा फुले चौक, बाल्मीकि चौक, संत रविदास चौक आदि आपके कार्यकाल की बेहतरीन उपलब्धि हैं, आपके कुशल नेतृत्व एवं आपकी कल्पना अनुसार बनाया जा रहा गुरु गोबिंद सिंह जी चौक का वाटर फॉल अपने उद्घाटन से पूर्व ही नगर वासियो के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।भविष्य हेतु आप द्वारा नगर वासियों हेतु जो योजनाएं प्रगति पर है उनसे नगर वासियों को दूरगामी लाभ प्राप्त होंगे। आपके कुशल नेतृव में कार्य करने में पालिका परिवार को गर्व है। समस्त पालिका परिवार की ओर से आपके कुशल नेतृत्व के शानदार 03 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

केजरीवाल सरकार से राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार पाने वाले एमबीबीएस छात्र को मिलेगा 25.55 लाख रुपये का फाइनेंशियल असिस्टेंस

दोनों भाई-बहन को साल 2017 में उनकी बहादुरी के लिए राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था

- उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र अक्षित व अक्षिता से मुलाकात भी की
- देश-समाज के लिए बहादुरी दिखाने वाले इन बच्चों के साथ खड़ी केजरीवाल सरकार, इनकी बहादुरी पूरे देश के लिए मिसाल-उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली केजरीवाल सरकार से राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार पाने वाले एमबीबीएस छात्र अक्षित शर्मा को 25.55 लाख रुपये का फाइनेंशियल असिस्टेंस मिलेगा। उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने इसे मंजूरी दी। उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र अक्षित और अक्षिता से मुलाकात भी की। दोनों को साल 2017 में राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार मिला था और पिछले सालों में भी केजरीवाल सरकार अपने स्कीम के तहत इन दोनों छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए अनुदान देती आई है। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि, केजरीवाल सरकार देश-समाज के लिए बहादुरी दिखाने वाले बच्चों के साथ खड़ी है। इन बच्चों की बहादुरी पूरे देश के लिए मिसाल है। बता दे कि, केजरीवाल सरकार अपने स्कीम के तहत राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार पाने वाले दिल्ली निवासी छात्रों को उनके उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इस स्कीम के अन्तर्गत आने वाले छात्रों को जो देश के किसी उच्च शिक्षा संस्थान में पढ़ रहे है, उन्हें उनके कोर्स का शत प्रतिशत ट्यूशन फीस अनुदान में मिलता है ताकि वो बिना किसी आर्थिक बाधा के अपनी उच्च शिक्षा पूरी कर सके। साथ ही इन छात्रों को सालाना स्टेशनरी के लिए 5000 रुपये भी मिलते है। साथ ही इस स्कीम में उन छात्रों को एक स्पेशल फाइनेंशियल असिस्टेंस के तहत प्रतिमाह 2500 दिए जाते है, जिनके पेरेंट्स की वार्षिक आय 2 लाख रुपये से कम है। केजरीवाल सरकार के दिल्ली हाईर एजुकेशन एड ट्रस्ट के तहत छात्रों को ये अनुदान दिया जाता है। इसी के अंतर्गत दिल्ली निवासी अक्षित शर्मा, जिन्हें उनकी बहादुरी के लिए राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार दिया गया था। उन्हें एमबीबीएस की फीस और स्टेशनरी के लिए 25.55 लाख रुपये का अनुदान देने को मंजूरी मिली है। साथ ही हाल ही में एलएलएम पूरा करने वाली उनकी बहन अक्षिता शर्मा को भी केजरीवाल सरकार ने ट्यूशन फीस के लिए पिछले सालों में अनुदान देते आई है।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियंता/II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ–निविदा आमंत्रण।

NIT-45 कार्य का नाम	वरिष्ठ मंडल अभियंता द्वितीय के अंतर्गत सहायक मंडल अभियंता मेरठ के तहत MDNR स्टेशन पर लाइन नं. 1 व 4 पर बेलास्टलेस ट्रैक (BLT) का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत(₹):** IREPS पर NIT के अनुसार। **बयाना राशि(₹):** IREPS पर NIT के अनुसार।
निविदा खोलने की तिथि और समय	20.08.2024 को 15:00 बजे
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in

नोट: • ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

एन.आई.टी. सं.: 45-24-25-W-II दिनांक: 25.07.2024 2286/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

निगम बोध घाट की तरह विद्युत एवं सीएनजी चालित आधुनिकतम शवदाह गृहों की स्थापना करने हेतु दिल्ली के उपराज्यपाल से की मांग

- दिल्ली मूल ग्रामीण पंचायत ने डीडीए द्वारा रोहिणी, द्वारका, नरेला सब सिटी की आवासीय कालोनियों ओर समीपवर्ती गांवों के लिए

प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली मूल ग्रामीण पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी शिक्षाविद् डॉ.दयानंद वत्स भारतीय ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके दिल्ली के उपराज्यपाल माननीय श्री विनय कुमार सक्सेना से मांग की है कि वह डीडीए को आदेशित करें कि डीडीए रोहिणी, द्वारका ओर नरेला सब सिटी की अपनी आवासीय कालोनियों ओर समीपवर्ती गांवों के लिए निगम बोध घाट की तरह विद्युत एवं सीएनजी चालित आधुनिकतम शवदाह गृहों का अविलंब निर्माण कार्य करें। वत्स ने कहा कि नरेला, रोहिणी ओर द्वारका सब सिटी में अंतिम संस्कार के लिए लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। डीडीए ने अपनी इन आवासीय कालोनियों के सेक्टरों में आवासीय प्लाट तो काट दिए हैं लेकिन अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट के लिए कोई भूमि आवंटन नहीं की है। इन सभी कालोनियों के समीप ही दिल्ली के गांव ओर अनाधिकृत कॉलोनियों की भरमार है। लोगों को अंतिम संस्कार के लिए भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। वत्स ने कहा कि पिछले दिनों ही डीडीए ने बवाना नरेला रोड पर स्वतंत्र नगर के पास बने चार साल पुराने श्मशान घाट पर बुलडोजर चला कर नष्ट कर दिया था कि यह उसकी भूमि पर अवैध रुप से बना था। गौरतलब है कि इस श्मशानघाट में पिछले चार सालों में साढ़े चार सौ शवों का अंतिम संस्कार हो चुका था। वत्स ने उपराज्यपाल से मांग की है कि डीडीए तत्काल अपनी इन आवासीय कालोनियों में आधुनिकतम श्मशान घाटों के लिए भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भूमि का आवंटन करें ओर प्राथमिकता के आधार पर इनका निर्माण कार्य पूरा करें। वत्स ने कहा कि मरने के बाद सनातन संस्कृति के अनुसार पार्थिव शरीर का सम्मान पूर्वक अंतिम संस्कार

हो सके इसकी व्यवस्था तो कम से कम सरकार को करनी ही चाहिए। अलीपुर क्षेत्र के गांवों के लोग सदियों से पवित्र यमुना के समीप खेतों में अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करते आए हैं। लेकिन अब उन्हें वहां भी संस्कार करने से रोका जा रहा है। जबकि निगम बोध घाट भी यमुना किनारे ही है। अलीपुर क्षेत्र में भी ऐसे ही श्मशान घाट की जरूरत है। वत्स ने कहा कि डीडीए को तत्काल एक कार्ययोजना बनाकर रोहिणी, बवाना, नरेला, अलीपुर, कंझावला, किराड़ी द्वारका क्षेत्रों में आधुनिकतम श्मशानघाट बनाने चाहिएं। वत्स ने कहा कि दिल्ली के लगभग 360 गांवों में लोगों को शवों का अंतिम संस्कार करने में भारी परेशानियां होती हैं। श्मशान भूमियों तक आवागमन के पक्के रास्ते नहीं हैं। प्लेटफॉर्म ओर शैडो तक नहीं हैं। बिजली ओर पानी की सुविधा तक नहीं है। अंतिम संस्कार के समय लोगों के बैठने व लकड़ियां की व्यवस्था तक नहीं है। बरसात के दिनों में तो हालत ओर भी खराब हो जाती है।

वत्स ने कहा कि हमने दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा शुरू की गई ग्रामोदय योजना के समय जिलों के डी.एम ओर संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया था कि जो 900 करोड गांवों के विकास के आवंटित हुए हैं उनसे सबसे पहले श्मशान भूमियों में सभी सुविधाएं मुहैया कराने पर खर्च किया जाए। लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। ग्रामीण अपना पैसा खर्च करके जैसे तैसे काम चला रहे हैं।

जिला गन्ना अधिकारी ने किया गन्ना सट्टा प्रदर्शन कार्य का निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। जिला गन्ना अधिकारी पी. एन. सिंह ने स्योहारा चीनी मिल क्षेत्र के ग्राम जमापुर एवं पालनपुर में चल रहे ग्राम स्तरीय सर्वे सट्टा प्रदर्शन का निरीक्षण किया। जिला गन्ना अधिकारी ने किसानों को अपने ग्राम में 63 कालॅम सूची के प्रदर्शन के दौरान उपस्थित होकर अपने 2 गन्ना क्षेत्रफल का पौधा एवं पेड़ी का रकबा अवश्य देख लें, इसके अतिरिक्त अपना आधार नम्बर, बैंक खाता संख्या एवं गन्ना आपूर्ति साधन आदि में यदि किसी प्रकार की कोई त्रुटि है तो सम्बंधित सुपरवाईजर से मिलकर सुधार करा लें। उन्होनें किसानों को गुलदार से बचाव के उपाय जैसे खेतो में 2 से 5 व्यक्तियों का समूह में जायें, गन्ने के खेत में काम करते समय गले में गमछा अवश्य बाधकर रखें आदि सुझाव दिये उन्होनें यह भी बताया कि यदि किसी किसान भाई को गुलदार दिखाई देता है तो उसकी सूचना वन्य अधिकारियों को दें। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक ने किसानों से आग्रह किया कि जिन किसानों को गन्ना समिति का नया सदस्य या वारिस सदस्य बनना है वह आवश्यक अभिलेख लेकर गन्ना विकास परिषद कार्यालय में सम्पर्क करें।समिति का नया सदस्य बनाने एवं उपज बढ़ोत्तरी की रशीद कटवानें की तिथि 30 सितम्बर तक है। स्योहारा चीनी मिल के उपाध्यक्ष (गन्ना) प्रमोद कुमार ने किसानों को रेड-रॉट से बचाव तथा उपचार एवं चीनी मिल द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर निरीक्षण के दौरान उप महाप्रबन्धक (गन्ना) ओमप्रकाश वर्मा, उप प्रबन्धक (गन्ना) भरतवीर सिंह, गन्ना पर्यवेक्षक रूप सिंह, पारूल सक्सेना एवं आशीष शर्मा मौजूद रहें। इसके उपरान्त जिला गन्ना अधिकारी बिजनौर पी. एन. सिंह, चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष सुखवीर सिंह, उपाध्यक्ष (गन्ना) प्रमोद कुमार एवं उप महाप्रबन्धक (गन्ना) ओ. पी. वर्मा ने वृक्षारोपण का कार्य किया। इसके उपरान्त जिला गन्ना अधिकारी बिजनौर पी. एन. सिंह, चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष सुखवीर सिंह, उपाध्यक्ष (गन्ना) प्रमोद कुमार एवं उप महाप्रबन्धक (गन्ना) ओ. पी. वर्मा आदि ने ह्लएक पेड़ मां के नामह्व वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्ग बृक्षारोपण भी किया किया।

खेल और खिलाड़ियों को मिलेगी नई दिशा : देशकांत

अमरोहा। शुक्रवार को जिला खो-खो संघ की साधारण सभा हुई, जिसमें जिला खो-खो संघ की 5 अगस्त की तैयारी के बारे में चर्चा हुई। जनपद के खेलों को नई ऊंचाई पर ले जाने बाले अपर जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह चहल को ज़िला अध्यक्ष बनाया गया। जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकांत त्यागी ने बताया की सुरेन्द्र सिंह खुद एक शानदार खिलाड़ी रहे हैं और खिलाड़ियों का दुख- दर्द, परेशानियां और चुनौतियां भली भांति समझते हैं। ऐसे व्यक्ति का जिला खो-खो संघ में आने से खेल और खिलाड़ियों को नई दिशा मिलेगी।जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार से खेल के लिए जो भी सुविधा मिलती है वे उपलब्ध कराएंगे। व्यक्तिगत रूप से जो भी संभव होगा उसके लिए सदैव तैयार रहेंगे। जिला खो खो संघ के सचिव पुरुजीत सिंह जी ने बताया की 5 अगस्त को खो-खो चैंपियनशिप बालक और बालिका दोनों वर्ग में आयोजित की जाएगी। जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग / माध्यमिक शिक्षा विभाग/ कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय / सीबीएसई स्कूल के बच्चे प्रतिभा करेंगे। इस मौके पर जिला ओलंपिक संघ, अमरोहा के सचिव एमपी शर्मा, योगासन अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह, वॉलीबॉल संघ सचिव सचिन गंधर्व उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ ज़िलाध्यक्ष जमशेद शरीफ खो खो संघ के सदस्य सचिन गंधर्व, राकेश चहल, विजेंद्र सिंह, रविराज सिंह, देवेंद्र सिंह, शूरवीर त्यागी, आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता/प्रथम, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई–टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता/करनाल के तहत एसएसई/डब्ल्यू/केकेडीई के अनुभाग में डीयूके पर स्टेशनों के संपर्क मार्गों, संवेदनशील स्थानों पर अतिक्रमण को रोकने के लिए आरसीसी प्रीकास्ट चारदीवारी का निर्माण।
अनुमानित लागत	रु.91270136.49/-
धरोहर राशि	रु.606400/- (यह नेट बैंकिंग या केवल भुगतान gate way के रूप में होना चाहिए। नोट: एफ.डी.आर या डिमांड ड्राफ्ट के रूप में ई.एम.डी. स्वीकार नहीं की जाएगी। (रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2015/सीई–1/सीटी/5/1 दिनांक 31/08/2016) के अनुसार आई.आर.ई.पी.एस. पर आमंत्रित निविदा के लिए।
समापन अवधी	12 महीने
ई–निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	16.08.2024 को 15.00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 16.08.2024 को 15:00 बजे
निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है
सामान प्रकार के कार्य	प्रीकास्ट आरसीसी/पीएससी कार्य।

नोट: शपथ पत्र संलग्नक XXIV अनिवार्य रूप के रूप में निविदा शर्तो के साथ संलग्न नए प्रारूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। और सभी संलग्न दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा स्वयं सत्यापित किया जाना चाहिए।

पत्र संख्या : 128-डब्लू/280/निविदा सूचना/24-25/डब्लू–I (NIT-32)

दिनांक: 25.07.2024 2269/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा (इ–प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियंता–II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे ई–निविदा आमंत्रण।

GEM/2024/B/5198723	**कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता–II सहायक मंडल अभियंता मेरठ व शामली के लिए 2 साल के लिए निरिक्षण वाहन का प्रावधान अंतर्गत SSE/W/MTC और MOZ, SSE/P.way/MTC, MOZ, GZB-I, SSE/W/GZB के खंड में 2 साल की अवधि के लिए ट्रैक रखरखाव/नवीकरण के विविध कार्य के लिए बहु–उपयोगिता वाहन और ट्रक किराए पर लेने का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) :– बिड डोक्यूमेंट के आधार पर** **बयाना राशि (रुपये) :– बिड डोक्यूमेंट के आधार पर**
निविदा खोलने की तिथि और समय	20.08.2024 15:00 Hrs.
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.gem.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।

सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें।

मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी।

निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं GEM/2024/B/5198723 दिनांक : 25.07.2024 2285/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त खबरें

घर नहीं बनाने वाले 198 लाभुकों पर होगी कार्रवाई : बीडीओ

बेनीपुर(दरभंगा)। किसान भवन बेनीपुर में आवास सहायक एवं पर्यवेक्षक सहित अन्य के साथ बीडीओ प्रवीण कुमार अन्य गुरुवार को बैठक की तथा कई आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी आवास सहायक को पीएम आवास योजना (ग्रामीण) में समय से लक्ष्य पूरा करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि इस कार्य में कोताही बरतने वाले पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी भी तरह से लक्ष्य पूरा नहीं करने पर विभागीय कार्रवाई के लिए भी लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे बेनीपुर प्रखंड क्षेत्र में 198 ऐसे लाभुक है जो राशि उठाकर बार-बार कहने के बावजूद भी आवास निर्माण कार्य शुरू नहीं किया हैं। इन लाभुकों को के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा राशि वसूल की प्रक्रिया भी चलाई जाएगी। बैठक में आवास पर्यवेक्षक मो नैमतुल्लाह, लेखपाल मनीष कुमार, आवास सहायक राम मोहन सिंह, कमलेश पंडित आदि उपस्थित थे।

प्रभात झा के निधन पर पूर्व विधान पार्षद ने शोक जताया

दरभंगा।भाजपा के कद्दावर नेता, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रभात झा के असामयिक निधन पर पूर्व विधान पार्षद प्रो दिलीप कुमार चौधरी ने शुक्रवार को शोक जताया। अपने शोक संदेश में उन्होंने कहा कि सीतामढ़ी जिलांतर्गत कोरियाही गांव के मूल निवासी प्रभात झा जी का निधन राजनीतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से राजनीतिक क्षेत्र में आई रिक्ति को भरना असंभव है। राजनीति के शीर्ष पर रहने के बावजूद उनका सहज व सरल व्यक्तित्व सराहनीय व अनुकरणीय था। उन्होंने कहा कि उनके साथ बिताये पलों की स्मृतियां हमेशा उनके साथ बनी रहेगी। उन्होंने दिवंगत पुण्यात्मा की चिर शांति एवं उनके शोकाकुल परिजनों को असह्य दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

जयनगर गोशाला को पुनर्जीवित करने के लिए होगा चुनाव

मधुबनी। जयनगर अनुमंडल अनुश्रवण समिति की बैठक अनुमंडल पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार के अध्यक्षता में अनुमंडल कार्यालय में आयोजित हुआ। बैठक में राशनकार्ड व खाद्यान्न के गुणवत्ता और उपभोक्ताओं को कम खाद्यान्न आपूर्ति करने रसोई गैस एजेंसी की मनमानी विद्युत विभाग एवं स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का निदान करने समय पर अनाज वितरण को लेकर अनाज गोदाम कि भूमि की अधिग्रहण कर गोदाम निर्माण कराने, 10 बजे रात के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्र बंद करने पटना गद्दी चौक को जाम से निजात दिलाने महिला समूह को कर्ज देकर जबरन कर्ज वसूलने वाली कंपनी एव बैंक की मनमानी रोकने अनुमंडल क्षेत्र के विकास योजना की समीक्षा, रेलवे की भूमि होते हुए सड़क निर्माण कर ट्रक परिचालन करने, राशन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने सहित मुद्दों पर सदस्यों ने अपना विचार रखा। एसडीओ ने कहा कि सभी समस्याओं का हल शीघ्र किया जाएगा। शहर के एकमात्र कृष्ण गौशाला को पुनर्जीवित करने के लिए कमेटी का चुनाव अगले महीना तक करवाया जायेगा।

प्रखंड जदयू कार्यालय पर शुक्रवार को शोक सभा का आयोजन किया गया

मधुबनी। खजौली जदयू के राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता व इस्लामपुर नालंदा विधान सभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राजीव रंजन सिंह की हिदय गति रुकने से आकस्मिक निधन बीती रात को अपने पैतृक गांव इस्लामपुर में हुई. उनके मौत को लेकर प्रखंड जदयू कार्यालय पर शुक्रवार को जिला जदयू छात्र संघ के अध्यक्ष मौसम कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन किया गया.इस शोक सभा के दौरान जदयू जिला छात्र संघ के अध्यक्ष मौसम कुमार श्रीवास्तव, प्रखंड प्रमुख कुमारी उषा, प्रभात रंजन सहित दर्जनों कार्यकताओं ने पूर्व विधायक स्व राजीव रंजन सिंह की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण करके भगवान से प्राथना की।

परीक्षार्थियों ने कुलपति के खिलाफ किया प्रदर्शन

परसा। परसा स्थित प्रभुनाथ कालेज में चल रहे परीक्षा शुक्रवार को विश्वविद्यालय के लापरवाही के कारण 2023-27 स्नातक पार्ट 1 के परीक्षार्थियों का प्रथम पाली के परीक्षा छुटने के कारण आक्रोशित छात्र छात्राओं का गुस्सा फुट पड़ा और कुलपति,परीक्षा नियंत्रक, व प्राचार्य के खिलाफ प्रदर्शन किया व मुदार्बाद के नारे लगाए। बताते चले कि पहला परीक्षा प्रोग्राम में ग्रुप ए सुबह 9:30 बजे से था जबकि दुसरा ग्रुप बी 1:30 बजे से था।लेकिन दो दिन पूर्व दोबारा विश्वविद्यालय द्वारा प्रोग्राम निकाला गया कि विषय के अनुसार परीक्षा होगी।जिस कारण दर्जनों परीक्षार्थी का परीक्षा संसय के कारण छुट गया है।आक्रोशित परीक्षार्थियों का कहना था कि विश्वविद्यालय की लापरवाही के कारण दर्जनों छात्र वंचित रह गए है।

वर्षों से लंबित कर्मचारियों की प्रोन्नति पर लगी सहमति की मुंहर

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में सिंडिकेट की बैठक संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में कुलपति के आवासीय सभाकक्ष में सिंडिकेट की बैठक आयोजित हुई। गुरुवार को आहूत इस बैठक में सर्वसम्मति से अभिषद् के गत 15 जुलाई के कार्यवृत्त की संपुष्टि पर विचार किया गया। पूर्व में हुई अभिषद् की बैठक के अनुपालन- प्रतिवेदन पर भी सदस्यों ने अपने विचार रखे। बैठक में शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को अस्थायी रूप से वेतनमान सहित उच्चतर पद का प्रभार देने की निर्गत संबंधी अधिसूचना के अनुमोदन पर सदस्यों ने विचार किया। अभिषद् के सचिव व विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ अजय कुमार

पंडित ने बताया कि विश्वविद्यालय के चार ज़िलों में वर्षों से लंबित कर्मचारियों की प्रोन्नति पर सर्व- सम्मति से अभिषद् की गत बैठक की कार्यवृत्त को संपुष्ट किया गया। इनके अलावा बिहार सरकार के नियम व दिशा-निर्देश के उपरांत चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों की प्रोन्नति किए जाने पर सहमति बनी। बैठक में पेंशन अदालत के नियमित आयोजन के किए जाने पर भी चर्चा हुई। अनुकंपा समिति की बैठक आगामी अगस्त- सितंबर माह में किए जाने पर सदस्यों ने प्रस्ताव रखा। अंत में दूरस्थ शिक्षा निदेशालय में नामांकन को और संचालन संबंधित बिंदुओं पर अभिषद् की बैठक भविष्य में प्रायोजित की जाने पर मुहर लगी। बैठक में डॉ. बैद्यनाथ चौधरी, प्रो. अजयनाथ झा, प्रो. विजय कुमार यादव, प्रो. अशोक कुमार मेहता, डॉ. एस सी गुप्ता, प्रो विजय मिश्रा,प्रो. शाहिद हसन, डॉ. नौशाद आलम, मीना कुमारी, सुजीत पासवान, डॉ. हरि नारायण सिंह, डॉ. धनेश्वर प्रसाद सिंह, डॉ. अमर कुमार और कुलसचिव डॉ अजय कुमार पंडित शामिल हुए।

बीडीओ ने किया पंचायत कार्यालय का औचक निरीक्षण

प्रात : किरण

मनीगाछी(दरभंगा) ।बीडीओ दुनिया लाल यादव ने शुक्रवार को बलौर, राघोपुर पूर्वी, राघोपुर पश्चिमी, राघोपुर उत्तरी एवं ब्रहमपुर पंचायत कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सभी जगहों पर आर टी पी एस काउंटर पर अपलोड सेवा सूची जैसे जाति,आवासीय, आय, सभी प्रकार की पेंशन, कबीर अनत्योष्टी आदि उपलब्ध सेवा का दिवाल लेखन करने का निर्देश कार्य पालक सहायक को दिया गया है। साथ ही कार्यवाही पंजीयों को संधारित करने एवं पंचायत स्तरीय सभी पंचायत कर्मी को ससमय कार्यालय पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

ताकि आम जनता को सहुलियत मिले। उन्होंने कर्मियों को हिदायत दी की अगर किसी प्रकार की कोई शिकायत मिलती है तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव सहित पंचायत स्तरीय सभी कर्मी उपस्थित थे।

वहीं दूसरी ओर बी डी ओ दुनिया लाल यादव ने शुक्रवार को प्रखंड क्षेत्र के बलौर, राघोपुर उत्तरी, राघोपुर पश्चिमी, राघोपुर पूर्वी तथा ब्रह्मपुर पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राघोपुर उत्तरी पंचायत के दहौड़ा गांव स्थित उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय पहुंचे बी डी ओ ने बच्चों की उपस्थिति,साफ सफाई, शैक्षणिक कार्य एवं एम डी एम का जायजा लिया।क्लास रूम पहुंचकर उन्होंने बच्चों से पूछताछ कर उनकी शैक्षणिक स्थिति की जानकारी ली और प्रधानाध्यापक को बच्चों की उपस्थिति उनके शैक्षणिक स्तर तथा साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी।बी डी ओ ने बताया कि निरीक्षण में शिक्षकों की उपस्थिति एवं एम डी एम संतोषजनक पाया गया।

विधायक डॉ मुरारी मोहन ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को किया मिथिला के पाग चादर से सम्मानित

सिंहवाड़ा(दरभंगा) ।बिहार सरकार के भूमि सुधार राजस्व मंत्री डॉ दिलीप जयसवाल को बिहार भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष मनोनित करने पर समर्थकों ने प्रसन्नता व्यक्त कर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को बधाई दी है। केवटी विधायक डॉ मुरारी मोहन झा ने शुक्रवार को पटना स्थित आवास पर नव नियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से भेंटकर पाग चादर व बुके प्रदान कर सम्मानित किया।कहा पूर्ण आत्म विश्वास के साथ माननीय जयसवाल जी के नेतृत्व में भाजपा का संगठन ग्रास रूट पर मजबूती प्रदान कर नये आयाम की ओर अग्रसर होगा।

विधानसभा में विधायक संजय सरावगी ने उठाया दोनार व म्यूजियम गुमटी के आरओबी का मामला

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। शुक्रवार को बिहार विधानसभा में एक बार फिर आरओबी का मामला गूंजा। वरिष्ठ भाजपा नेता व नगर विधायक संजय सरावगी ने शहरवासियों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए दोनार एवं म्यूजियम गुमटी पर आरओबी निर्माण को लेकर बने डीपीआर को शीघ्र प्रशासनिक स्वीकृति देने की मांग की। विधानसभा में श्री सरावगी ने गैर-सरकारी संकल्प के माध्यम से आरओबी निर्माण का मामला उठाया। अपने व्यक्तव्य में श्री सरावगी ने कहा कि दरभंगा शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने के लिए दोनार रेल समपार संख्या 25 स्पेशल एवं म्यूजियम गुमटी रेल समपार संख्या 26 पर भारत सरकार से

स्वीकृत आरओबी को राज्य सरकार प्रशासनिक स्वीकृति देकर निर्माण कार्य प्रारंभ कराएं।

श्री सरावगी की मांग पर उपमुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि रेलवे समपार संख्या 25 स्पेशल पर आरओबी निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रक्रियाधीन है। स्वीकृति के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी। वहीं रेलवे समपार संख्या 26 पर आरओबी निर्माण के लिए बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड को डीपीआर का संशोधन कर विभाग को समर्पित करने का निर्देश दिया गया है।

संशोधन के उपरांत आगे की प्रक्रिया की जायेगी। इस पर श्री सरावगी ने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2017 में ही भारत सरकार ने राज्य सरकार से 50-50 पार्टनरशिप के तहत आरओबी निर्माण को स्वीकृति दी थी। लेकिन स्वीकृति मिलने के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी अभी तक प्रशासनिक स्वीकृति की भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। दोनार व म्यूजियम गुमटी पर लगने वाले जाम के कारण पूरा शहर परेशान है। उन्होंने जल्द से जल्द उक्त दोनों आरओबी के प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पूरी कर आरओबी निर्माण प्रारंभ कराने का सरकार से आग्रह किया।

मालूम हो कि इससे पूर्व भी विधानसभा में नगर विधायक की ओर से शहर में बनने आरओबी को लेकर आवाज उठाई जाती रही है। वर्षो पूर्व राज्य के पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव के तत्कालीन समय से ही शहर में सभी आरओबी निर्माण को लेकर वे सक्रिय रहे हैं। विधायक श्री सरावगी ने बताया कि जाम से निपटने के लिए शहर के सात रेलवे फाटक पर आरओबी का निर्माण तय है।

जदयू अल्पसंख्यक महानगर अध्यक्ष राजद में शामिल

प्रात : किरण

दरभंगा। जनता दल (यूनाइटेड) के अल्पसंख्यक महानगर अध्यक्ष मोहम्मद इफ्तिखार ने अपने सभी पदों से इस्तीफा देते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में राकेश नायक, युवा महानगर अध्यक्ष, के नेतृत्व में सैकड़ों समर्थकों के साथ राजद का दामन थामा है। मोहम्मद इफ्तिखार ने अपने इस्तीफे के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि उन्होंने यह निर्णय समाज और अपने समुदाय की बेहतरी के लिए लिया है। उन्होंने कहा, मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए मुझे लगा कि राजद के नेतृत्व में मैं अपने समाज और समुदाय की सेवा और बेहतरी

के लिए अधिक प्रभावी ढंग से काम कर सकता हूं। मैंने जदयू में अपने कार्यकाल के दौरान पूरे समर्पण और ईमानदारी से काम किया है, लेकिन अब समय आ गया है कि मैं एक नई दिशा में आगे बढ़ूं। राजद में शामिल होने के अपने निर्णय पर उन्होंने कहा की राकेश नायक के नेतृत्व में मुझे विश्वास है कि मैं अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सकूंगा। राजद ने हमेशा से समाज के हर वर्ग की आवाज उठाई है और उनके हक की लड़ाई लड़ी है। मुझे गर्व है कि मैं अब इस महान दल का हिस्सा बनूंगा। राकेश नायक ने कहा की मोहम्मद इफ्तिखार के आने से हमारे युवा कार्यकताओं को भी प्रेरणा मिलेगी। उनका राजद में शामिल होना पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और हम मिलकर समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए काम करेंगे।

इस अवसर पर डॉ संतोष गोस्वामी, उपाध्यक्ष कुंदन महतो, रंजीत यादव, प्रधान महासचिव अकबर अली, प्रदेश सचिव महताब सिद्दीकी, टिंकू बारी आदि के समर्थक उपस्थित थे।

अश्लील विडियो वायरल करने के जूर्म में दोषी करार

प्रात : किरण

दरभंगा। दरभंगा न्याय मंडल के पॉक्सो एक्ट की आदालत के बिशेष न्यायाधीश प्रोतिमा परिहार ने शुक्रवार को दुष्कर्म एवं अश्लील विडियो वायरल करने के जूर्म में दरभंगा जिला के जाले थाना अन्तर्गत मलिकपुर गाँव के मुरारी कुमार, रोहन कुमार, सागर कुमार और अशोक कुमार को दोषी करार दिया है। दोषसिद्ध अभियुक्त का सजा अवधि निर्धारण के बिन्दु पर सूनवाई और निर्णय के लिए अदालत ने 30 जूलाई 2024 की तिथि निर्धारित किया है। एक विधि बिरुद्ध किशोर के मामले को किशोर न्याय वोर्ड में निष्पादन के लिए भेजा गया है। अभियोजन पक्ष का कथन है कि 24,25 अप्रैल 2020 में जब पिड़िता अपने नये घर से पुराने घरारी पर 10 बजे रात में अपने दादी के साथ सोने जा रही थी कि एकाएक सभी अभियुक्त जबरन पिड़िता को पकड़कर बगल के गाछी में ले जाकर दुष्कर्म किया और उसका विडियो बना लिया। अभियुक्तों ने धमकी दिया कि किसी को बताओंगी तो विडियो वायरल कर देंगे।

शर्म और डर से पिड़िता ने घटना कि जानकारी किसी को नहीं दिया लेकिन अभियुक्तों के द्वारा विडियो वायरल कर दिया गया। विडियो वायरल होने कि जानकारी पर पिड़िता की माता- पिता ने जब लड़की से पूछताछ किया तो सारी घटना को सही बताई। जिसकी प्राथमिकी जाले थाना में दिनांक 8 मई 2020 को दर्ज कराया गया। पुलिस ने अभियुक्त रोहन कुमार के पास से मोबाईल बरामद कर टेक्निकल सेल से जांचोपरांत पिड़िता का फोटो और दुष्कर्म वाली विडियो प्राप्त हुआ। अभियोजन पक्ष के गवाहों की गवाही एवं दस्तावेजी सबूतों और प्रस्तुत सीडी पर अदालत ने इस मामले की सूनवाई पुरी कर दूष्कर्मी अभियुक्त को धारा- 341/34, 506/34,354(बी) /34,376 (डी) भादवि एवं पॉक्सो की धारा 6 में दोषी करार दिया है।अब सजा की अवधि निर्धारण और सजा की अवधि घोषित करने के लिए 30 जुलाई की तिथि निर्धारित की गई है।

उर्वरक निगरानी समिति की बैठक हुआ आयोजित

मधुबनी। खजौली प्रखंड ई किसान भवन सभा कक्ष में शुक्रवार को प्रखंड प्रमुख कुमारी उषा के अध्यक्षता में उर्वरक निगरानी समिति की बैठक का आयोजन किया गया.इस बैठक के दौरान प्रखंड प्रमुख कुमारी उषा एव स्थानीय जिप सदस्य दीपक कुमार सिंह ने खजौली में आच्छादन के आधार पर उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु जिला कृषि पदाधिकारी से अनुरोध किया गया.सदस्यों ने आवाज उठाते हुए कहा कि सभी उर्वरक विक्रेता सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर उर्वरक बेचने का निर्देशित किया गया।

वही बीडीओ लवली कुमारी ने उपस्थित उर्वरक विक्रेताओं से कहा कि उर्वरक की कालाबाजारी एव जमाखोरी पर रोकथाम के लिए सभी उर्वरक निरीक्षकों को निर्देश दिया.वही प्रखंड बीएओ प्राण नाथ ने कहा कि सभी अनुज्ञप्ति धारी उर्वरक विक्रेताओं को अपने अपने दुकान पर सूचना पट्ट

पर उपलब्धता, दर निर्धारित निश्चित रूप से अंकित करने का निर्देशित किया गया.वही आत्मा अध्यक्ष बिलट प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र में 20 प्रतिशत आच्छादित धान फसल के लिए सभी उर्वरक विक्रेता के पास यूरिया खाद की उपलब्धता है.उन्होंने कहा कि सभी उर्वरक विक्रेता सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर खाद को बेच रही है.इस मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्राण नाथ , जिप सदस्य दीपक कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि शंभूनाथ ठाकुर,भाजपा पूर्वी मंडल अध्यक्ष राम प्रवेश सिंह, सरपंच प्रतिनिधि करन सिंह,जिला जदयू छात्र संघ के अध्यक्ष मौसम कुमार श्रीवास्तव, कृषि समन्यवक विधा सागर सिंह, जयप्रकाश यादव, जयनाथ ज्योति,कृषि सलाहकार के. डी. सिंह, केदार नाथ मिश्रा,उर्वरक विक्रेता रमेश चौधरी,देवनारायण सिंह,सरोज कुमार सिंह, गौरी शंकर यादव , हरिनारायण यादव औरसहित सभी उर्वरक विक्रेता एव सभी किसान सलाहकार मौजूद थे।

प्रखंड कार्यालय में स्मार्ट कार्ड मोड कैम्प को लेकर बैठक आयोजित

प्रात : किरण

मधुबनी। खजौली प्रखंड कार्यालय में शुक्रवार को बीडीओ लवली कुमारी के अध्यक्षता में स्मार्ट कार्ड मोड कैम्प को लेकर एमओ सीएचसी प्रभारी,जीविका एव बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के साथ बैठक किया गया. बैठक के दौरान बीडीओ ने प्रखंड जीविका प्रबंधक संजीत कुमार सुमन को निर्देश दिया कि पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर जीविका दीदियों

के सहयोग प्रधानमंत्री आयुषमान भारत कार्ड बनाने का निर्देश दिया. वही प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी प्रणव प्रकाश को कहा कि प्रखंड क्षेत्र में सभी जनवितरण प्रणाली की दुकान पर पात्र लाभार्थियों को आयुषमान भारत कार्ड बनाने का शख्त निर्देश दिया गया.उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा एव अंत्योदय योजना के कार्डधारी के सभी सदस्य डीलर की दुकान एव जीविका दीदी से संम्पर्क स्थापित कर कार्ड बनाने को निर्देश दिया गया.वही बीडीओ ने सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. ज्योतिंद्र नारायण को निर्देश दिया कि आयुषमान भारत कार्ड बनाने को लेकर सभी आशा कार्यकताओं को अपने पोषक क्षेत्र में डोर टू डोर सर्वेक्षण कर छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को आयुषमान भारत कार्ड बनाने को लेकर प्रेरित करने का आदेश दिया गया. उन्होंने कहा कि जो भी राशन कार्डधारी के पात्र लाभार्थी कार्ड से बंचित नही हो पाए.इस बैठक के मौके पर सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. ज्योतिंद्र नारायण, एमओ प्रणव प्रकाश, जीविका बीपीएम संजीत कुमार सुमन सहित बाल विकास परियोजना के महिला पर्यवेक्षक मौजूद थे।

विद्यामंदिर क्लासेज ने की विद्यामंदिर इंटलेक्ट क्वेस्ट की घोषणा

पटना। विद्यामंदिर क्लासेज (वीएमसी) जेईई (मेन व एडवांस), नीट, ओलंपियाड और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए भारत के सबसे भरोसेमंद संस्थानों में है. वीएमसी ने आज अपने बहुप्रतीक्षित वार्षिक इवेंट यानी विद्यामंदिर इंटलेक्ट क्वेस्ट (वीआईक्यू) की घोषणा कर दी है. वीआईक्यू एक राष्ट्रीय स्तर का ऑनलाइन व ऑफलाइन टेस्ट है जो इस साल 6, 13, 19 और 20 अक्टूबर को आयोजित कराया जाएगा. ये टेस्ट मुख्य रूप से कक्षा 5 से 11 तक के बच्चों के लिए होता है. वीआईक्यू के जरिए बच्चों को सब्जेक्ट वाइज अपनी परफॉर्मेंस और अन्य सभी डिफिकल्टी लेवल पर एक्यूरेसी का अंदाजा लग जाता है. जो छात्र अच्छी परफॉर्मेंस करने का लक्ष्य रखते हैं उनके लिए ये नेशनल लेवल का टेस्ट काफी महत्वपूर्ण है. विद्यामंदिर क्लासेज के सह-संस्थापक और आईआईटी दिल्ली के एलुमनाई संदीप मेहता ने कहा, ह्यह्वइस साल के वीआईक्यू टेस्ट में भाग लेने वाले सभी छात्रों को स्ट्रीम/करियर सिलेक्टर टेस्ट (वीएमसी दिशा/वीएमसी विजन) देने का खास अवसर मिल रहा है, जिसका मूल्य जीरो फीस पर 2500 रुपये है. इसके अलावा, टॉप परफॉर्मर छात्रों को वीएमसी के प्रसिद्ध स्टडी सेंटर सिटाडेल ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में पढ़ाई का मौका मिलेगा. सीओई में इन छात्रों को एक्सपर्ट फैकल्टी से क्वालिटी एजुकेशन मिलेगी और स्टेट ऑफ आर्ट सुविधाओं तक उनकी पहुंच होगी, ऐसा माहौल मिलेगा जो उनकी एकेडमिक जर्नी को बेहतर बनाएगा।

कारगिल विजय दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

प्रातः किरण संवाददाता, मधेपुरा

ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय मधेपुरा में राष्ट्रीय कैडेट कोर, 3/17 बिहार बटालियन, सहरसा, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं सेहत केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका विषय कारगिल विजय दिवस के 25 वर्ष था। इसमें अंकित कुमार ने प्रथम, वाणी कुमारी ने द्वितीय एवं अंटूनी राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन सबों को 15 अगस्त, 2024 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया

जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य प्रो. कैलाश प्रसाद यादव ने कहा कि भारत एवं पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था। यह युद्ध लगभग 60 दिनों तक चला। इसमें 26 जुलाई, 1999 को भारत विजय हुआ था। विशिष्ट अतिथि दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर ने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान 527 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब घायल हुए थे। इस युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गणित विभागाध्यक्ष लेफ्टिनेंट गुड्डु कुमार ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रचार-प्रसार करना था। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर सहरसा इंजीनियरिंग कॉलेज, सहरसा के प्रवीण कुमार, गणित विभाग के शोधार्थी रवि शंकर कुमार, एसयूओ आदित्य रहमान, यूओ अंकित कुमार, कैडेट निक्की भारती, अंटूनी राय, सिम्पल कुमार, राजनंद कुमार, अमर कुमार, गोविन्द कुमार, मुन्ना कुमार, अमृत राज अंशु, अनंत कुमार, खुशी कुमारी, वाणी कुमारी, बंटी कुमारी, मणिषा कुमारी आदि उपस्थित थे।

कारगिल विजय दिवस,रजत जयंती पर फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम

पटना। कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती पर केन्द्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दो दिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का शुभारम्भ सायंस कालेज, पटना में शुक्रवार (26 जुलाई, 2024) को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ) अजय कुमार सिंह, सायंस कालेज, पटना के प्रचार्य प्रो.(डॉ) देवेन्द्र नाथ ठाकुर, सीबीसी, पटना के प्रमुख संजय कुमार, पीआईबी पटना के निदेशक ए.के. लकड़ा, डीडीन्यूज बिहार के उपनिदेशक(समाचार) सलमान हैदर ने फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर कारगिल विजय के युद्ध की विस्तार से कहानी कहती फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई है, जिसका अवलोकन मुख्य अतिथि, अतिथिगण और छात्रों ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो.(डॉ) अजय कुमार सिंह कुलपति, पटना विश्वविद्यालय, पटना ने कहा कि इस फोटो प्रदर्शनी में कारगिल युद्ध के विजय के संघर्ष गाथा को विस्तार से दिखाया गया है। चित्र प्रदर्शनी के जरिए कारगिल विजय दिवस की सभी बारिक एवं सटीक जानकारियां दी गई है। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध को खास युद्ध इसलिए भी कहा जाता है कि यह युद्ध रात में और कठिन परिस्थितियों में लड़ी गई थी।

जिलाधिकारी ने प्राप्त शिकायतों के आलोक में संबंधित पदाधिकारियों को फोन कर त्वरित निष्पादन करने का दिए निर्देश

प्रात : किरण

मधुबनी। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कक्ष में जनता के दरबार मे जिलाधिकारी कार्यक्रम में जिले भर से आए हुए परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करते हुए निष्पादन का निदेश दिया गया है। गौरतलब हो कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को जनता दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात करते हैं और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में आज कुल 135 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ आए।बेनीपट्टी प्रखंड के निवासी धनेश्वर झा ने अपने नीजी रैयती भूमि को प्रतिपक्षी द्वारा बलपूर्वक हडपने से संबंधित शिकायत की है।पंडौल प्रखंड निवासी अनुष्का कुमारी, राम दुलारी देवी एवं अन्य आम जनता के द्वारा ग्राम पंचायत सनकोर्थ के वार्ड नं0 04 में आँगनवाडी केन्द्र

सं0-211 बराबर बन्द एवं पोषाहार नही देने से संबंधित शिकायत की गयी है। बासोपट्टी निवासी मनोज प्रसाद सिहं ने मौजा महनाथपुर में अपने नीजी जमीन पर बन रहे पंचायत भवन निर्माण पर रोक लगाने से संबंधित शिकायत की गयी है।ग्राम-ढाढ़ी निवासी, प्रखण्ड-लदनियाँ के रामेश्वर यादव के द्वारा वासगीत पर्चा वाली जमीन का नजायज तथा गैर कानूनी तरीके से निबंधित केवाला लिखने से संबंधित शिकायत किया गया है। प्रखंड हरलाखी के निवासी मो0 सखावत शाह ने अपने अपने पुत्री को मो0 इब्राहिम के द्वारा जबरन घर से अपहरण करने से संबंधित शिकायत की गई। प्रखंड बाबूबरही के निवासी लक्ष्मी देवी ने अतिपिछडी जाती के गरीब महिला को प्रधानमंत्री आवास योजना में एक इकाई आवास स्वीकृति देने से संबंधित अनुरोध की है।प्रखंड खजौली के निवासी देव कुमार चौधरी ने अभियान बसेरा के तहत भूमिहिन परिवार को वास योग्य जमीन उपब्ल्ध कराने से संबंधित अनुरोध किया।

जिलाधिकारी द्वारा आए हुए सभी परिवादियों से बारी-बारी से शिकायतें सुनी गई और उनके परिवाद के निवारण हेतु संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कई प्राप्त शिकायतों के आलोक में संबंधित पदाधिकारियों को फोन कर त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया ।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 27 जुलाई, 2024

संक्षिप्त खबरें

मारपीट में दर्जनभर से अधिक लोगों को नामजद बनाते हुए प्राथमिकी कि गई दर्ज

जमुई। थानाक्षेत्र के सतीघाट में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना में दोनों पक्षों की ओर से थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। एक पक्ष से सलमा खातुन ने दर्ज आवेदन में फारूक खान, शाहरुख खान, सलमान खान, आमीर खान, दिरू खान को नामजद बनाते हुए बताया है कि उक्त सभी लोग लाठी डंडा, टांगी आदि से लैस होकर घर पर आकर घरेलू विवाद करते हुए मारपीट करने लगा। शाहरुख खान रड से घर के सदस्य सेखावत खान को घायल कर दिया जबकि सलमान ने भतीजी नेहा खातुन को टांगी से मारकर घायल कर दिया। उक्त लोगों ने मुस्तकीम खान के साथ भी मारपीट करते हुए मेरे गले से चांदी का चैन छिन लिया। दूसरे पक्ष से शाहरुख खान ने जमीन विवाद का हवाला देते हुए दर्ज आवेदन में बताया कि गांव के ही रहने वाले छोटू, मुस्लिम, मुस्तकीम, शेखावत, बब्लू, डब्लू, सोहराब सहित कुल 13 लोग लाठी डंडा, टांगी, लोहे के रॉड, तलवार से लैस होकर आया और मेरे दुकान का छप्पड उजाड़ दिया। मना करने पर वे लोग मेरे साथ मारपीट कर घायल कर दिया। हल्ला करने पर भाई अरमान, आमिर, मां वाहिदा खातुन बचाने के लिए आया तो उनलोगों के साथ मारपीट करते हुए घायल कर दिया। इस दौरान मारपीट करने वालों ने मेरे हाथ में चांदी का ब्रेसलेट, चैन और मां के गले से चांदी का चैन छिन लिया। दोनों पक्षों के ओर से दर्ज आवेदन के आधार पर पुलिस नामजद के खिलाफ कार्रवाई करने में जुट चुकी है।

हास्पिटल निर्माण हेतु 5 एकड़ भूमि के हस्तांतरण का भेजा गया प्रस्ताव

मुजफ्फरपुर। जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने ईएसआई के बीमित व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मुजफ्फरपुर में एक कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल के निर्माण करने का प्रस्ताव श्रम संसाधन विभाग को भेजा है। भारत सरकार के नियंत्रणाधीन कर्मचारी राज्य बीमा निगम के द्वारा ईएसआई एक्ट 1948 के अंतर्गत आच्छादित बीमित व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों को चिकित्सा सुविधा प्रदान किया जाता है। इसके लिए जिला पदाधिकारी ने पहल करते हुए कुढ़नी अंचल के मौजा ढढ्ढ़आं में 5 एकड़ भूमि पर 100 बेड के ईएसआईसी अस्पताल के निर्माण हेतु भूमि हस्तांतरण का प्रस्ताव अपनी अनुशंसा के साथ प्रमंडलीय आयुक्त के माध्यम से श्रम संसाधन विभाग को भेजा दिया है।

अंतरजिला साइबर ठगी गिरोह का 2अभियुक्त गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। पुलिस ने नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले अंतर्जिला गिरोह के दो सदस्य को गिरफ्तार किया है। इस जानकारी देते हुए एसपी राकेश कुमार ने बताया कि दिनांक 23जून को वादी अभय कुमार पिता राम प्रताप मिश्रा ग्राम दयानगर थाना बेलसंड जिला सीतामढ़ी जो वर्तमान में राघव बिहार झपहाँ थाना अहियापुर में रहते हैं, के द्वारा समर्पित आवेदन के आधार पर साइबर थाना कांड सं0-51/24 दर्ज की गई थी। वादी से अपने आवेदन में एम एस पिपुल सर्विस प्वाइंट नामक कंपनी द्वारा विभिन्न विद्यालयों में डाटा इंट्री ऑपरेटर एवं नाईट गार्ड में बहाली के नाम पर कुल 4 लाख 30 हजार रुपए ठगी करने का जिक्र किया है।

राजीव रंजन व प्रभात झा का निधन बेहद दुखद : अजीत

मुजफ्फरपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रभात झा एवं जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व विधायक राजीव रंजन जी के असामयिक निधन पर पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा है कि इन दोनों नेता के निधन से एन डी ए परिवार को अपूरणीय क्षति हुआ है जिसकी भरपाई होना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि ये दोनों नेता बड़े ही मृदु भाषी एवं गरीबों के सच्चे हमदर्द थे, जिस वजह से ये दोनों काफी कम दिनों में ही राजनीतिक क्षेत्र में काफी उपलब्धि हासिल किया था। श्री अजीत कुमार ने दोनों नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आत्मा की शांति व शोक संतप्त परिवार को धैर्य धारण करने के ईश्वर से प्रार्थना किया।

दिलीप जायसवाल को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बधाई

मुजफ्फरपुर। राज्य के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा बिहार प्रदेश का कमान सौंपे जाने पर पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने उन्हें बधाई दी है। श्री कुमार ने अपने बधाई संदेश में कहा है की श्री जायसवाल के अध्यक्ष बनाए जाने से न केवल भाजपा मजबूत होगी, बल्कि 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का परचम भी लहराएगा। श्री कुमार ने इस मानेवयन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के प्रति भी आभार व्यक्त किया है। डां जायसवाल को बधाई देने वालों में भाजपा के वरिष्ठ नेता व टीम अजीत कुमार के अध्यक्ष मुखिया हुंड मोहन झा, पूर्व सरपंच मनोज कुमार सिंह आदि प्रमुख है।

शिक्षा-दीक्षा- जिन बच्चों की डिटेल्स ई- शिक्षाकोष में इंट्री हुई है उनको ही मिलेगा स्टूडेंट किट

प्रात : किरण संवाददाता

(जमुई)गिद्धौर। प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में पहली से 12वीं कक्षा तक के छात्र- छात्राओं को अब शैक्षिक सामग्री मिलेगी। जिनका विवरण आधार नंबर के साथ ई- शिक्षा कोष पोर्टल पर अपलोड है,उन्हें ही सामग्री मिलेगी। शिक्षण सामग्री किट वितरण समारोह का आयोजन स्थानीय जन-प्रतिनिधियों एवं अभिभावकों की उपस्थिति में होगा। इसके तहत पहली कक्षा के प्रत्येक छात्र- छात्राओं को एक स्कूल बैग,स्लेट के साथ एक हाइट बोर्ड, 50 पीस चौक, हाइट बोर्ड मार्कर के साथ तीन डस्टर,12 रंगों का एक कलर सेट, एक ड्राइंग-बुक के साथ एक वाटर बोतल दी जाएगी। दूसरी कक्षा के प्रत्येक छात्र-छात्रा को 10 नोटबुक,10 पीस पेंसिल के साथ एक कटर, एक इरेजर,एक स्केल, एक पेंसिल बॉक्स, एक ड्राइंग-बुक, कलर पेंसिल सेट के साथ एक वाटर बोतल मिलेगी। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक,तीसरी कक्षा के प्रत्येक छात्र- छात्राओं को सिंगल लाइन वाली तीन नोटबुक,4 लाइन वाली तीन नोटबुक,गणित का तीन सादी नोटबुक,10 पीस पेंसिल के साथ एक कटर,एक स्केल,एक पेंसिल बॉक्स, एक ड्राइंग बुक, 12 रंगों के कलर पेंसिल का एक सेट एवं एक वाटर बोतल मिलेंगे। चौथी कक्षा के प्रत्येक छात्र- छात्राओं को सिंगल लाइन वाली तीन नोटबुक,4 लाइन वाली तीन नोटबुक,गणित का तीन सादी नोटबुक,3 पीस पेन,10 पीस पेन रिफिल,12 रंगों का एक वाटर कलर सेट,एक पेंसिल बॉक्स एवं एक वाटर बोतल मिलेंगे। पांचवी कक्षा के प्रत्येक छात्र-छात्रा को सिंगल लाइन वाली तीन नोटबुक,4 लाइन वाली तीन नोटबुक,गणित का तीन सादी नोटबुक,तीन पीस पेन,10 पीस पेन रिफिल,12 रंगों का एक वाटर कलर सेट,एक पेंसिल बॉक्स एवं एक वाटर बोतल मिलेंगे।छठी से आठवीं के विद्यार्थियों के लिए छठी से आठवीं कक्षा के प्रत्येक छात्र-छात्रा को एक स्कूल बैग,एक ज्योमेट्री बॉक्स,तीस सेंटीमीटर वाली दो नोटबुक, एक प्लास्टिक स्केल,अंग्रेजी से हिंदी वाली एक मिनी ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी,एक अंग्रेजी का कार्सिव राइटिंग नोटबुक,पांच पीस पेन एवं 12 पीस ए-फोर साइज कलर शीट मिलेंगे।

नौवीं व दसवीं कक्षा के प्रत्येक छात्र-छात्रा को एक ज्योमेट्री बॉक्स, एक हिंदी स्कूल एटलस,एक ग्राफबुक,तीन नोटबुक,पांच पीस पेन एक अंग्रेजी से हिंदी वाली मिनी ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी मिलेंगे।इसी प्रकार 11वीं और 12वीं कक्षा के प्रत्येक छात्र-छात्रा को सामान्य ज्ञान की एक किताब,दो नोटबुक,एक रीजनिंग बुक एवं एक स्पोकन इंग्लिश बुक मिलेंगे।प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मो.शमशुल होदा ने बताया कि एफ एलएन किट का वितरण सभी हेड मास्टर को बीआरपी में उपलब्ध करवा दिया गया है।

दरखा गांव में 36 घंटे का अखंड रामधुनि का अयोजन,पूरा गांव भक्तिमय

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः-प्रखंड के दरखा गांव में शुक्रवार को नाग पंचमी के उपलक्ष्य में 36 घंटे का अखंड रामधुनि कीर्तन का आयोजन किया गया। जिससे पूरा गांव में भक्तिमय में डूबे गया।,इस अखंड रामधुनि कीर्तन का आयोजन दरखा पंचायत के मुखिया निर्मला देवी के नेतृत्व में पूरा गांव के सहयोग से आयोजन किया गया।, यह कार्यक्रम शुक्रवार की सुबह दरखा दुर्गा मंदिर परिसर में दरखा पंचायत मुखिया प्रतिनिधि सुजीत मेहता,समिति सदस्य विजय यादव,अन्य ग्रामीण के सहयोग से किया गया। वहीं अखंड रामधुनि कीर्तन विद्वान आचार्य काशीनाथ पांडेय द्वारा मंत्रोचारण के साथ शुरूआत किया गया।,वहीं उपस्थित लोगों ने बताया की आज नाग पंचमी के अवसर पर पूरे गांव के सहयोग से 36 घंटे का अखंड रामधुनि कीर्तन किया जा रहा है। हमारे क्षेत्र में लगातार तीन वर्षो से समुचित वर्षा नहीं होने से सुखाड़ की स्थिति उत्पन हो रही है। पूरा प्रखंड कृषि पे ही निर्भर है।,सभी किसान मायूस है,लगातार मारा होने से किसानों के घर चूल्हा जलना मुस्किल हो रहा।,जीवन यापन में परेशानी हो रही,कई किसान परिवार पलायन कर रहे। वर्षा नहीं होने को लेकर भगवान का कीर्तन एवं पूजा पाठ कराने का पूरा गांव ने निर्णय लिया था।

प्रत्येक प्रखंडों में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने अलग-अलग तिथियों को कैंप लगाने का लिया निर्णय

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई। जिलाधिकारी राकेश कुमार ने विभागीय अनुपालन करते हुए जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि छात्राओं, शिक्षित युवाओं एवं तलाकशुदा महिलाओं की सुविधा को देखते हुए प्रत्येक प्रखंडों में अलग-अलग तिथियों को कैंप लगाना सुनिश्चित करें।इस कैंप में तलाकशुदा मुस्लिम महिला जिनका उम्र 18 से 50 वर्ष के लगभग है वो फार्म ले सकती है या जमा कर सकती है। प्राप्त सभी आवेदनों को जांचोपरांत अल्पसंख्यक कल्याण विभाग पटना योग्य अभ्यर्थियों को एक मुश्त 25,000/ दिया जाएगा।2024 में या इससे पूर्व बिहार बोर्ड से इंटर प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्राओं, मदरसा बोर्ड से प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण छात्राओं एवं फोकानिया में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं जिन्होंने पूर्व में प्रोत्साहन राशि प्राप्त नहीं की है वे अपने प्रधानाध्यापक से आवश्यक कागजात को सत्यापित कराके इस कैंप में जमा कर सकते हैं। प्रखंड के दूर दराज के वे छात्र जो श्रम शक्ति योजनांतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु ऑनलाइन आवेदन करना चाहते हैं किन्तु नेट की पहुंच या अन्य कारणों से , कम्प्यूटर या कैफे के माध्यम से आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। वैसे लोगों के लिए यह कैंप लाभदायक है।वे अपने निकटतम प्रखंड मुख्यालय में निर्धारित तिथि को ससमय कैंप में उपस्थित होकर कैंप आपरेटर के सहयोग से अपना आवेदन कर सकते हैं। कैंप लगाने की निर्धारित तिथि जमुई प्रखंड मुख्यालय में 01 अगस्त को,बरहट प्रखंड मुख्यालय में 03 अगस्त को, लक्ष्मीपुर प्रखंड मुख्यालय 05 अगस्त को , झाझा प्रखंड मुख्यालय में 07 अगस्त को,सोनो प्रखंड मुख्यालय में 09 अगस्त को, चकाई प्रखंड मुख्यालय में 12 अगस्त को, खैरा प्रखंड मुख्यालय में 14 अगस्त को, सिकंदरा प्रखंड मुख्यालय में 19 अगस्त को, अलीगंज प्रखंड मुख्यालय में 21 और गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय में 23 अगस्त को है।

पुलिस ने किया ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा 200 लोगों से पुछताछ पांच आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई। जमुई पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा किया है, जिसमें पुलिस ने लगभग 200 लोगों से पूछताछ किया, फिर इस मामले में पांच आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। 29 जून 2024 को लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के चिनवेरिया इलाके में पीयूष पिता मनहु यादव की हत्या चाकू से गोदकर कर किया गया था।

इस मामले में पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। इसके बाद पुलिस ने लगभग 200 लोगों से पूछताछ किया। फिर इस ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा हुआ। इस मामले में ने पुलिस ने पांच युवक को गिरफ्तार किया गया। जिसमे तीन युवक नाबालिग है। जमुई एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के चिनवेरिया गांव में एक युवक की हत्या कर दिया गया था। इस संबंध में लक्ष्मीपुर थाना में एक एफआईआर दर्ज किया गया था और पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन के निर्देश पर एक एसआईटी टीम गठित की गई ।यह केस हम लोगो के लिए पूरी तरह से ब्लाइंड था। हम लोगों के पास इस घटना का कोई भी प्रत्यक्षदर्शी नहीं था। शुरूआती अनुसंधान के क्रम में कुछ ज्यादा मदद नही मिल रहा था। लक्ष्मीपुर थानाध्यक्ष आलोक कुमार के द्वारा इस मामले में करीब 200 लोगों से पूछताछ किया गया और लगभग 200 लोगों का स्टेटमेंट लिया गया। लोगों के स्टेटमेंट के आधार पर उस वक्त गांव में हो रहे हैं अष्टजाम में शामिल सभी लोगो के स्टेटमेंट के आधार पर कुछ लोगो को चिन्हित किया गया। उसमे से एक नाबालिग को हिरासत में लेकर पूछताछ करने बाद इस मामले का खुलासा हुआ है। एसडीपीओ ने आगे बताया की अनुसंधान में जो बातें सामने आए उसमें यह पता चला की दो परिवारों के बीच जमीन विवाद में युवक की हत्या की गई थी। जिसके बाद इस मामले में तीन नाबालिग के साथ दो युवक को गिरफ्तार किया गया। दोनो गिरफ्तार युवक की पहचान अजीत कुमार पिता टिंकू यादव और अजीत कुमार पिता मुन्नी लाल यादव थाना क्षेत्र के चिनवेरीया इलाके के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त अजीत कुमार के निशानदेही पर उसका कपड़ा बरामद किया गया जिस पर खून के दाग लगे थे। पुलिस ने बरामद कपड़े को ऋ्रछ लैब में भेजने की बात कही है।

नगर परिषद की ओर से सरकारी जमीन पर बने मकान दुकान के भाग को करवाया गया अतिक्रमण मुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई। नगर क्षेत्र में सड़क पर बने नाला के उपर गृहस्वामी, दुकान मालिक के द्वारा अतिक्रमण कर मकान का हिस्सा बनाए रखने वालों के खिलाफ नगर परिषद कार्यालय की ओर से जेसीबी से सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाया। जेसी साहा रोड के समीप गैस ऑफीस के निकट जिन लोगों का सरकारी जमीन पर नाला पर मकान, दुकान बनाए हुए था वैसे लोगों को पूर्व में दिए गए नोटिस के बावजूद भी अतिक्रमण मुक्त नही किए जाने पर विभाग की ओर से सख्ती बरते हुए जेसीबी से नाला पर बने मकान के भाग को तोड़ा गया। नन के स्वच्छता अवशिष्ट पदाधिकारी मोनिका कुमारी ने पूर्व में उसी रोड़ में दो सप्ताह पूर्व अतिक्रमण को लेकर अभियान चलाया था उसके बाद कुछ लोगों को नोटिस भी दिया गया लेकिन नोटिस की अवहेलना करने वाले वैसे लोगों के मकान, दुकान पर जेसीबी चलाया गया। बताते चले कि नप के ईओ डॉ. जर्नादन वर्मा के द्वारा साफ तौर पर नगरवासियों को निर्देश दिया गया है कि सरकारी जमीन यानि सड़क किनारे बने नाला पर कोई अतिक्रमण नही करेगा वरना वैसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई कि जाएगी।

पेरिस ओलंपिक में मेडल के लिए बिहार की बेटी जमुई विधायक श्रेयसी सिंह भी लगाएंगी निशाना

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई। पेरिस में शुरू हो रहे 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलने वाला ओलंपिक गेम में बिहार की बेटी और जमुई की बीजेपी विधायक गोल्डन गर्ल श्रेयसी सिंह भी शामिल हो रही हैं। अर्जुन अवार्ड से सम्मानित कॉमनवेल्थ गेम में गोल्ड मेडल जीतने वाली श्रेयसी सिंह देश के लिए पेरिस ओलंपिक में निशाना लगाएंगी। जमुई की विधायक श्रेयसी सिंह का चयन शूटिंग के शॉटगन ट्रैप इवेंट के लिए हुआ है जो 30 और 31 जुलाई को होनी है।

श्रेयसी सिंह ओलंपिक गेम में जगह बनाने वाली बिहार की पहली खिलाड़ी हैं। बताया यह भी जा रहा है कि श्रेयसी सिंह पहली ऐसी जन प्रतिनिधि भी हैं जो ओलंपिक के लिए भारतीय टीम में शामिल हुई हैं। 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलने वाले ओलंपिक में जगह बनाने वाली श्रेयसी सिंह 2020 विधानसभा चुनाव में जमुई से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ विधायक बनीं। राजनीति में आने के बाद भी इनका खेल जीवन लगातार आगे बढ़ रहा है, राजनीति के साथ-साथ निशानेबाजी में भी बिहार की यह बेटी अपनी पहचान बनाई हैं। श्रेयसी सिंह भारत की तरफ से खेलते हुए 2018 में गोल्डकोस्ट में हुए कॉमनवेल्थ गेम में निशानेबाजी लगाते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। इसके पूर्व 2014 में ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में भी श्रेयसी सिंह ने डबल ट्रैप में सिल्वर मेडल हासिल किया था। वर्ष 2014 में ही एशियन गेम्स में श्रेयसी ने शूटिंग चैंपियनशिप के डबल ट्रैप टीम में ब्रोंज मेडल अपने नाम किया था। इसके अलावा 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीती थी। 2018 में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद इसी साल श्रेयसी सिंह को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

बता दें कि पेरिस ओलंपिक में खेलने जाने के पहले उनकी मां पुतुल कुमारी ने मिठाई खिलाकर बेटी को आशीर्वाद दिया था। यहां श्रेयसी ने अपने पिता दिग्विजय सिंह के तस्वीर पर फूल माला चढ़ाकर आशीर्वाद मांगा था। सुरेश सिंह का बचपन से ही सपना था कि वह ओलंपिक खेल उनके पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह का भी सपना पूरा हुआ। श्रेयसी सिंह चाहेंगे कि वह अपने पिता की सपना को पूरा करने के लिए देश के लिए ओलंपिक में गोल्ड हासिल करें। जमुई ही नहीं बल्कि पूरे बिहार वासियों का आशीर्वाद गोल्डन गर्ल जमुई विधायक श्रेयसी सिंह के साथ है और वो बिहार को गौरवान्वित करने हेतु ओलंपिक में गोल्ड पर निशाना साधेगी। जमुई जिले के गिद्धौर के रहने वाली बीजेपी विधायक श्रेयसी सिंह का जन्म 29 अगस्त 1991 को नई दिल्ली में हुआ था ।उनके पिता स्वर्गीय दिग्विजय सिंह बांका के सांसद और केंद्र सरकार में मंत्री रहे। उनकी मां पुतुल सिंह भी बांका के सांसद रहीं हैं। श्रेयसी सिंह ने दिल्ली के हंसराज कॉलेज से ग्रेजुएशन और मानव रचना विश्वविद्यालय फरीदाबाद से एमबीए की पढ़ाई की है।

डीएसएम कॉलेज में 8 अगस्त को होगा छात्र संघ का चुनाव

जमुई [झाझा] मुंगेर विश्वविद्यालय की अंगीभूत ईकाई डीएसएम कॉलेज में कॉलेज छात्र संघ का चुनाव की तिथि घोषित कर दी गई। जिसको लेकर छात्र-छात्राओं में चुनाव को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। चुनाव में अभाविप और छात्र राजद के उम्मीदवार अलग अलग पदो पर अपना नामांकन पत्र भरने को लेकर उत्साहित दिखाई दे रहे है। हालांकि 15 जूलाई से चुनाव को लेकर आचार संहिता लागू कर दी गई। इस बार निष्पक्ष चुनाव को लेकर चुनाव पदाधिकारी के रूप में कॉलेज प्राचार्य डॉ. अजफर शमसी को मुख्य चुनाव पदाधिकारी के रूप में बनाया गया है जबकि सहायक चुनाव पदाधिकारी के रूप में कुमार पासवान को भी नियुक्त किया गया है। कॉलेज में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, तीन विश्वविद्यालय प्रतिनिधि के पद पर आगामी 8 अगस्त को चुनाव की तिथि घोषित कि गई।

उत्तर बिहार पर मंडराने लगा सूखे का खतरा, अगले 4-5 दिनों तक नहीं होगी बारिश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार में सूखे का खतरा मंडराने लगा है।मानसून के कमजोर पड़ जाने के कारण 27 से 31जुलाइ तक अच्छी बारिश की सम्भावना नहीं है। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 27 से 31जुलाई तट के लिए जारी मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान में यह जानकारी दी है। इस अवधि में आसमान में बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 33से 35डिग्री और न्यूनतम तापमान 2 6से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।औसतन 15से 20किमीप्रति घंटा की रफ़्तार से पुरवा हवा चल सकती है।

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.2 एवं 27.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 71 प्रतिशत, हवा की औसत गति 13.1 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.7 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.3 एवं दोपहर में 35.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नहीं हुई। अगले 4-5 दिनों के दौरान एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। किसानों को सलाह दी गई है कि पूवार्नुमानित अवधि में वर्षा की संभावना बहुत कम है। इसको देखते हुए सिंचाई की उपलब्धता के अनुसार धान की रोपनी नीचली जमीन में करें। मध्यम अवधि की धान की किस्मों के लिए कदवा के समय 30 किलो ग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 40 किलोग्राम पोटाश तथा अगात किस्मों के लिए 25 किलो ग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश के साथ 25 किलोगाम जिंक सल्फेट या 15 किलो ग्राम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें। रोपे हुए धान की फसल में खरपतवार निकालने का कार्य करें।

छात्राओं से छेड़खानी के आरोपी शिक्षक पर दर्ज हुई प्राथमिकी

मुजफ्फरपुर। अपने ही विद्यालय के छात्राओं के साथ छेड़खानी के आरोपी एक शिक्षक के विरुद्ध विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक ने आज प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटना के बाद आरोपी शिक्षक आकस्मिक अवकाश का आवेदन देकर विद्यालय से फरार बताया जा रहा है। मामला जिले के बंदरा प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय ,पीरापुर का है। शिक्षक पर आरोप है कि वह विद्यालय के प्रथम कक्षा में पढ़ने वाली छात्राओं के साथ लगातार गलत हरकत कर रहा था। विद्यालय की 5 बच्चियों ने शिक्षक पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। बताया गया है कि बीते बुधवार को उक्त शिक्षक ने एक बच्ची के साथ छेड़खानी कर दी। इसके बाद घर जाकर उस बच्ची ने अपने माता-पिता से शिक्षक के करतूत की शिकायत कर दी। इसकी सूचना पर बच्ची के माता-पिता के साथ अन्य अभिभावक विद्यालय पहुंच कर शिक्षक पर कार्रवाई की मांग करने लगे।

आर्केस्ट्रा के लिए जमुई आई लड़कियों को नशीली दवा खिलाकर किया होटल में रेप

जमुई। आर्केस्ट्रा में जमुई आई कुछ लड़कियों के साथ जमुई के एक होटल में नशीली दवा खिलाकर गलत काम करने का मामला सामने आया है। जिसके बाद जमुई और देवघर की पुलिस ने संयुक्त रूप से जांच की। जिसे लेकर गुरुवार को देवघर आरपीएफ की टीम जमुई पहुंची और जमुई सदर थाना के सहयोग से जिला मुख्यालय स्थित एक रेस्ट हाउस में जांच किया गया। हालांकि पुलिस ने इस मामले में कुछ भी बताने से इनकार कर किया है। वहीं बताया जा रहा है कि देवघर में ट्रेन से कुछ लड़कियों को बेहोशी की हालत में बरामद किया गया था। जिसके बाद उन लड़कियों ने पुलिस को जो कुछ बताया उसके आधार पर पुलिस की टीम जांच के लिए जमुई पहुंची थी।

ऑर्केस्ट्रा के लिए जमुई पहुंची थी सभी : बताया जा रहा है कि वह सभी लड़कियां ऑर्केस्ट्रा में काम करती थी और जमुई पहुंची थी। जिस दौरान उन्हें जमुई जिला मुख्यालय स्थित सूर्या रेस्ट हाउस में रखा गया था। लड़कियों का कहना है कि इस दौरान उन्हें नशीली दवा पिलाई गई और उनके साथ गलत काम किया गया है।

इसके बाद उन्हें नशे की हालत में ही एक ट्रेन में ले जाकर बैठा दिया गया। जिन्हें देवघर आरपीएफ की टीम ने उन्हें ट्रेन से बरामद किया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

जांच में जुटी पुलिस : सदर थानाध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा कि अभी इस मामले में कुछ भी नहीं बताया जा सकता है। लेकिन बिहार और झारखंड पुलिस के द्वारा जिला मुख्यालय में की गई संयुक्त कार्रवाई चर्चा में है।

जिलाधिकारी ने किया कृषि यांत्रिकीकरण मेला का उद्घाटन

मुजफ्फरपुर।प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र मुशहरी के प्रांगण में जिले का प्रथम दो दिवसीय कृषि यांत्रिकीकरण मेला का उद्घाटन जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। मेला में कृषि विभाग द्वारा संचालित कृषि यांत्रिकीकरण योजना, कृषि यंत्र बैंक आदि योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्षय में मोटे अनाज की खेती को प्रोत्साहन देने के संबंध में कृषि विभाग की पहल की सराहना की तथा सभी कर्मियों को अपने क्षेत्रों में कार्य करने की सलाह दी। खरीफ मौसम में मौसम की बेरूखी के कारण वर्षा की स्थिति को देखते हुए डीजल अनुदान योजना को आज से लागू किया गया है। मेला में किसानों को डीजल योजना का लाभ लेने हेतु डीजल क्रय कर आवेदन करने का सुझाव दिया गया। मेले में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और उन्हें कृषि यंत्रों के बारे में जानकारी दी गई।

परीक्षा कार्यक्रम जारी, परीक्षा शुरू होने से पांच दिन पहले जारी होगा एडमिट कार्ड

मधेपुरा। बीएन मंडल विश्वविद्यालय ने स्नातक सेकेंड सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह परीक्षा 31 जुलाई से 13 अगस्त 2024 तक होगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. शशिभूषण ने बताया कि स्नातक सेकेंड सेमेस्टर जून, 2024 (सत्र 2023-27) की परीक्षा तिथि जारी कर दी गई है। परीक्षा को लेकर सभी विषयों को चार ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में इतिहास, दर्शनशास्त्र, एआईएच, एलएसडब्ल्यू, अर्थशास्त्र, संगीत, ग्रुप बी में समाजशास्त्र, ग्रामीण अर्थशास्त्र, हिंदी, मैथिली, इंग्लिश, संस्कृत, उर्दू, पर्शियन, ग्रुप सी में पॉलिटिकल साइंस, मनोविज्ञान भूगोल, गृहविज्ञान, एंथ्रोपोलॉजी को रखा गया है। वहीं ग्रुप डी में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जंतु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित (साइंस और आर्ट्स), जियोलॉजी, स्टैटिसटिक्स, कॉमर्स विषय को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा दो पाली में आयोजित की जाएगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर एक तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा से 5 दिन पहले यूएमआईएस पोर्टल पर छात्रों का एडमिट कार्ड जारी कर दिया जाएगा।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि इसके साथ ही स्नातक पार्ट वन 2024 (नन कॉलिजिएट) की परीक्षा तिथि भी जारी कर दी गई है। वैसे छात्र जो पिछले साल स्नातक पार्ट वन में फेल या प्रमोटेड हो गए थे, उनकी परीक्षा 31 जुलाई से 16 अगस्त तक होगी। ऑनर्स पेपर की परीक्षा 31 जुलाई से 3 अगस्त तक होगी, जबकि सब्सिडियरी और जनरल की परीक्षा 5 से 16 अगस्त तक ली जाएगी। यह परीक्षा भी दो पाली में आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्र पीएस कॉलेज मधेपुरा को बनाया गया है। यहां विश्वविद्यालय अंतर्गत सभी कॉलेजों के फेल, प्रमोटेड या किसी कारण से पूर्व में परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले छात्र परीक्षा देंगे।

केपी कॉलेज को एआईसीटीई के द्वारा व्यवसायिक पाठ्यक्रम बीबीए एवं बीसीए की मिली मान्यता

मुरलीगंज (मधेपुरा)। मुरलीगंज-मधेपुरा एनएच 107 किनारे स्थित बीएनएमयू की अंगीभूत इकाई केपी कॉलेज को एआईसीटीई के द्वारा व्यवसायिक पाठ्यक्रम बीबीए एवं बीसीए की मान्यता से मिला है। वर्ष 2024-25 सत्र में बीबीए और बीसीए के कोर्सो में यहाँ के छात्र नामांकन दाखिल करा सकेंगे। केपी कॉलेज में व्यवसायिक पाठ्यक्रम की मंजूरी मिलने से छात्रों में खुशी की लहर है। उक्त जानकारी शुक्रवार को केपी कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ जवाहर पासवान ने प्रेसवार्ता कर दिया है। उन्होंने बताया कि जल्द हीं इन कोर्सो में नामांकन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जिसकी सूचना कॉलेज के सूचना पट पर दे दी जाएगी। प्रधानाचार्य ने बताया दोनो कोर्सो में 60-60 सीट पर नामांकन किया जाएगा। जवाहर पासवान ने बताया कि बहुत जल्द हीं कॉलेज में चल रहे सभी (तीनो संकाय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) 17 विषयो स्नातकोत्तर की पढ़ाई भी शुरू की जाएगी।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जिलेभर में 31 जुलाई तक चलेगा मेगा अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा। गुरुवार की देर संध्या में आयुष्मान भारत कार्ड को लेकर डीडीसी ने प्रेस वार्ता किया। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जिलेभर में 31 जुलाई तक मेगा अभियान चलेगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिलेभर में कुल पात्र लाभुकों की संख्या 18 लाख 26 हजार 680 है। लोकसभा चुनाव से पहले तक 7 लाख एक हजार कार्ड बनाया चुका है। शेष सभी लाभार्थियों के लिए जिले के सभी जन वितरण प्रणाली केन्द्रों पर सीएससी संचालकों के सहयोग से 18 जुलाई से आयुष्मान कार्ड बनाने का मेगा अभियान क्रियान्वित किया जा रहा है। यह जानकारी गुरुवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उप विकास आयुक्त अवधेश कुमार आनंद ने दी। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 31 जुलाई तक मेगा अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 24 जुलाई तक 18,998 कार्ड बन चुके हैं। गुरुवार को ढ़ाई बजे तक 11,399 कार्ड बनाया गया है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य शत-प्रतिशत लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनाने का है।

इसके लिए जिलेभर में कुल 548 एक्टिव युजर आईडी लगाए गए हैं। जिसमें वसुधा केंद्र, कॉमन सर्विस सेंटर के वीएलई, पंचायत कार्यपालक सहायक, आवास सहायक, विकास मित्र, किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक, राजस्व कर्मचारी, कौशल युवा केंद्र के कार्यपालक सहायक और कौशल युवा केंद्र के कंप्यूटर ऑपरेटर को लगाया गया है। इस कार्य लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मियों पर कार्रवाई भी की जा रही है। डीडीसी ने कहा कि वैसे लाभार्थी जिनके पास राशन कार्ड है और उन्होंने अपना आयुष्मान भारत कार्ड नहीं बनाया है, तो वे अपने जन वितरण प्रणाली विक्रेता के पास जाकर आयुष्मान भारत कार्ड बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत पात्र लाभार्थियों का प्रति परिवार प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज किसी भी सरकारी अस्पताल अथवा योजना अंतर्गत सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में करवाया जा सकता है।

भारतरत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 10 वीं पुण्यतिथि पर सम्मान समारोह आज

मधेपुरा। टी. एन. बी. ट्रस्ट, वृन्दावन, मधेपुरा के तत्वावधान में मिशाइल मैन के नाम से मशहूर सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 10 वां पुण्यतिथि पर शनिवार को अपराह्न 1:30 बजे से ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा के स्मार्ट क्लास रूम में एक सम्मान-समारोह का आयोजन किया गया है। यह जानकारी दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर के पूर्व प्रतिकुलपति प्रो. (डॉ.) के. के. मंडल करेंगे, जबकि समाजसेवी-साहित्यकार प्रो. (डॉ.) भूपेन्द्र नारायण मधेपुरी मुख्य वक्ता होंगे। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) कैलाश प्रसाद यादव अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाएंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में कलाम के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि की जाएगी और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत चर्चा होगी।

सम्पादकीय

देश में बढ़ रही कुतर्क की राजनीति

राजनीति में सकारात्मक दिशा के अभाव में देश को जो नुकसान उठाना पड़ता है, वह भले ही प्रत्यक्ष रूप में दिखाई नहीं दे, लेकिन उससे समाज पर प्रभाव अवश्य ही होता है। अगर यह प्रभाव नकारात्मक चिंतन की धारा के प्रवाह को गति देने वाला होगा तो देश को भी अपने अस्तित्व के लिए जूझना पड़ता है। वर्तमान में जिस प्रकार की राजनीति की जा रही है, उसे भटकाव पैदा करने वाली राजनीति कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। इतना ही नहीं, जो विषय राजनीति के नहीं होने चाहिए, उनको भी राजनीतिक दल राजनीति के दल दल में ले जाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार के किसी भी निर्णय का अपने हिसाब से परिभाषित करना राजनीति का प्रिय विषय बनता जा रहा है। इससे प्रायः मूल विषय बहुत पीछे छूट जाता है और बहस कहीं और चली जाती है। आज के राजनीतिक वातावरण का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि सभी राजनीतिक दलों के अपने अपने एजेंडे हैं। कोई भी किसी दूसरे की बात को ऐसे तर्क देकर उसका प्रक्षालन करते हैं, जैसे केवल उनकी ही बात सही है और बाकी सब गलत बयानी कर रहे हैं। हालांकि यह बात सही है कि कमी सभी जगह होती है, लेकिन कुछ अच्छे काम भी होते हैं, आज इन अच्छे कामों की चर्चा कहीं भी नहीं हो रही है। सब एक दूसरे की गलतियां निकालने में ही राजनीति का मुख्य उद्देश्य बनता जा रहा है। यह राजनीति की सकारात्मक दिशा तो कतई नहीं मानी जा सकती। हाँड्ड इसे नकारात्मक राजनीति अवश्य कहा जा सकता है। ऐसी राजनीति आम जनता में भटकाव पैदा करती है। ऐसा इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि जो जनता सरकार के विरोध का विचार रखती है, वह विपक्ष की हर बात को सही मानकर ही व्यवहार करेगी और जो विपक्ष की बातों पर भरोसा नहीं करती, उसे सत्ता पक्ष की बात मानने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वास्तव में ऐसी राजनीति के बजाय देश हित की राजनीति करने की ओर सभी दलों को आगे आना चाहिए। लेकिन आज के वातावरण में ऐसा होना संभव नहीं लगता। क्या यह सही नहीं है कि देश में भाजपा के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनी है, लेकिन विपक्ष इस बहुमत वाली सरकार को पराजित सरकार कहकर लोकतंत्र का मजाक उड़ा रहा है। हालांकि यह मानने में कोई अतिरेक नहीं है कि विपक्ष पहले से मजबूत हुआ है, लेकिन वह विपक्ष में ही है। इसको भी खुले मन से स्वीकार करने की मानसिकता बनानी होगी, तभी हम कह सकते हैं कि राजनीति देश को सही दिशा में ले जाने की हो रही है। आजकल समाचार के विभिन्न माध्यमों पर सामयिक विषयों पर चर्चा होती है, लेकिन इन चचाओं में सभी तरफ से पूर्वाग्रह से ग्रसित व्यक्तियों को ही शामिल करने का चलन हो गया है। दूसरे की बात को नकारना ही इन चचाओं का एकमेव सिद्धांत बनता जा रहा है। इतना ही नहीं, कोई एंकर अपनी ओर से भारत के चिंतन पर आधारित कोई तथ्य रखता है तो उस एंकर को भी किसी राजनीतिक दल का समर्थक बताने में कोताही नहीं की जाती। हो सकता है कि कोई पत्रकार विचारधारा से किसी राजनीतिक दल की बात को सही ठहराने की वकालत कर रहा हो। क्योंकि आज के समय में अधिकांश पत्रकार और समाचार पत्र किसी न किसी राजनीतिक दल का खुल कर समर्थन करता है तो कोई विरोध की शैली ही अपनाता है। ऐसी पत्रकारिता भी ठीक नहीं कही जा सकती, लेकिन कई समाचार चैनल ऐसे भी हैं जो निष्पक्ष तरीके से बहस कराते हैं। यह एंकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों से ही सवाल करते हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं की ओर से एंकर को सवालों के घेरे में खड़े करना ठीक नहीं कहा जा सकता। आजकल जो डिबेट चल रही हैं, उनमें विपक्ष की ओर से ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, जैसे उन्होंने भाजपा को हरा दिया है। इसके लिए अगर कोई एंकर विजयी सांसदों की संख्या बताता है तो तर्क वितर्क प्रारंभ हो जाता है। यहां तक तो ठीक है, लेकिन जब यह तर्क वितर्क से आगे बढ़कर कुतर्क की शैली मां आ जाता है तो विवाद होने लगता है।

स्मृति शेषः परिश्रमी, जिद्दी और मिलनसार प्रभात झा

प्रभात झा का असमय जाना खल गया। प्रभात झा से प्रभात जी होने का एक लंबा सफर है और संयोग से मैं इस सफर का हमराही भी हूँ और चश्मदीद भी। प्रभात मेरी दृष्टि में सचमुच गुदड़ी के लाल थे। प्रभात 1980 में ग्वालियर में उस समय आये थे जब भाजपा का जन्म हुआ ही था। वे बिहार में दरभंगा जिले के हरिहरपुर गांव के रहने वाले थे। उनके पिता एक सामान्य परिवार के मुखिया थे। ग्वालियर में प्रभात का शैक्षणिक, सामाजिक और राजनीतिक जीवन जब शुरू हो रहा था तब मेरी पत्रकारिता की गाड़ी चल पड़ी थी। प्रभात में बचपन से ही श्रमजीवी होने के लक्षण थे। वे भाजपा की महाराज बाड़ा पर होने वाली आम सभाओं के लिए फर्श बिछवाने से लेकर नेताओं के आने तक मंच पर अकेले भाषण देने का काम बखूबी करने लगे थे। भाजपा का कार्यालय मुखर्जी भवन बना तो वे कार्यालय में आ गये। यहीं एक छोटे से कक्ष में प्रभात झा ने उगना शुरू किया। वे परिश्रमी थे, जिद्दी थे और मिलनसार भी, इसीलिए स्थानीय भाजपा नेताओं में अल्प समय में ही लोकप्रिय हो गए। उन्हें पितृवत संरक्षण दिया तत्कालीन भाजपा नेता भाऊ साहब पोतनीस ने। पोतनीस जी ग्वालियर के महापौर भी रहे। उन्होंने विधानसभा का चुनाव भी लड़ा और प्रभात झा उनके लिए अविराम काम करते रहे। लिखने-पढ़ने में प्रभात की अभिरुचियों को देखते हुए संघ ने उन्हें अपने मुखपत्र दैनिक स्वदेश में बुला लिया। वे अब दोहरी भूमिका में थे। एक पत्रकार के रूप में भी और भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में भी। हम दोनों हमउम्र थे और सत्ता प्रतिष्ठान के प्रति मुखर रहने वाले भी इसलिए हमारी निकटता मित्रता में कब तब्दील हो गयी, हमें पता ही नहीं चला। मुझसे दो साल बड़े प्रभात ने मुझे कभी मेरे नाम से नहीं बुलाया। मैं उनके लिए सदैव अचल ही बना रहा। वह प्रभात के जीवन का वो फकीराना दौर था। सुबह का नाश्ता कहाँ होगा, दोपहर का भोजन कहाँ और रात्रि का भोजन कहाँ प्रभात खुद नहीं जानते थे। हमारे यहां एक कहावत है कि - जहाँ मिली दो, वहीं गए सो ह्य ये कहावत उन दिनों प्रभात झा पर पूरी तरह लागू होती थी।

पार्टी के लिए वे निशियाम काम करते थे, पार्टी कार्यकताओं की मदद के लिए वे किसी भी समय, किसी भी अधिकारी या नेता के घर जा धमकते थे। उन्हें किसी की भी मदद करने में कोई संकोच नहीं था, ये वो दिन थे जब प्रभात पैदल राजनीति और पत्रकारिता दोनों करते थे। बहुत दिनों बाद उनके पास उस जमाने की सबसे लोकप्रिय लेकिन सस्ती मानी जाने वाली मोपेड लूना आयी। उसमें पेट्रोल कब, कहां खत्म हो जाये ये कोई नहीं जानता था। जहाँ पेट्रोल खत्म वहीं लूना को खड़ा कर प्रभात किसी और के साथ निकल जाते थे। कोई न कोई शुभचिंतक बाद में लूना में पेट्रोल डलवाकर मुखर्जी भवन के नीचे टिका आता था। प्रभात कुछ ही वर्षों में शहर के लिए एक चिर-परिचित नाम बन गए थे।

प्रभात अपने पिता से मिलने जब भी मुंबई या बिहार जाते तो मेरे लिए कुछ न कुछ उपहार जरूर लाते थे। उनके यहां रेडीमेड वस्त्रों का काम भी होता था शायद। इसलिए वे मेरे लिए शर्ट अवश्य लाते थे। प्रभात को गरीबी का अहसास ही नहीं अनुभव भी था इसीलिए वे गरीबों के प्रति हमेशा उदार रहते थे। वे जिसके खिलाफ खड़े होते तो पीछे नहीं हटे और जिसके साथ खड़े होते तो कभी साथ नहीं छोड़ते। उनके ये ही गुण उनके भविष्य की आधारशिला बने। भाजपा के तबके शीर्ष नेता कुशाभाऊ ठाकरे के लिए प्रभात झा सबसे भरोसे के कार्यकर्ता थे। उनका यही विश्वास प्रभात को ग्वालियर से भोपाल ले गया। प्रभात को ग्वालियर ने पहचान दी, परिवार दिया, बच्चे दिए और प्यार दिया। वे पोतनीस का बाड़ा के स्थानीय निवासी बन गए, लेकिन उन्होंने अपने परिवार को कभी अपनी सीमाओं से बाहर नहीं निकलने दिया। वे जब पार्टी के कार्यालय सचिव बनकर भोपाल आये तो मेरे भोपाल प्रवास का आश्रय उनका कार्यालय का कमरा ही होता था। वे हर समय हड़बड़ी में रहते थे। प्रेस से पार्टी के रिश्ते बनाने में प्रभात ने जो मेहनत की वैसी मेहनत मेरी नजर में अभी तक भाजपा का कोई मीडिया प्रमुख नहीं कर पाया। रूठों को मनाने में उन्हें महारत हासिल थी। मेरा उनसे अनेक अवसरों पर मतभेद भी हुआ लेकिन इस मतभेद ने खाई का रूप कभी नहीं लिया।

वे सामंतवाद के मुखर विरोधी लेकिन राजमाता विजयाराजे सिंधिया के लिए सदैव समर्पित रहते थे, उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में स्वर्गीय माधवराव सिंधिया के साथ भी सौजन्य निभाया लेकिन उनके बेटे ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ तब तक मोर्चा खोले रखा जब तक कि ज्योतिरादित्य खुद भाजपा में शामिल नहीं हो गए।

स्मृति शेषः प्रभात झा पत्रकारिता एवं राष्ट्रवादी सोच के पुरोधा-पुरुष

ऐसी निराशा, गिरावट व अनिश्चितता की स्थिति में प्रभातजी ने राष्ट्रीय चरित्र, उन्नत जीवन शैली और स्वस्थ राजनीति प्रणाली के लिए बराबर प्रयास किया। वे व्यक्ति नहीं, नेता नहीं, बल्कि विचार एवं मिशन थे। प्रभात झा को एक सुलझा हुआ और कद्दावर नेता, जनसेवक एवं पत्रकार माना जाता रहा है। उनका निधन एक आदर्श एवं बेबाक सोच की पत्रकारिता का अंत है। वे सिद्धांतों एवं आदर्शों पर जीने वाले व्यक्तियों की श्रृंखला के प्रतीक थे। प्रभातजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, प्रखर पत्रकार, लेखक, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही।

ललित गर्ग
लेखक

धा पत्रकारिता के एक महान पुरोधा पुरुष, मजबूत कलम एवं निर्भीक वैचारिक क्रांति के सूत्रधार, उत्कृष्ट राष्ट्रवादी, भाजपा के नेता और भाजपा मुखपत्र ह्यकमलह्ल के मुख्य सम्पादक प्रभात झा अब हमारे बीच नहीं रहे। वे 67 वर्ष की उम्र में 26 जुलाई, 2024 को प्रातः 5 बजे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में जिन्दगी एवं मौत के बीच जूझते हुए हार गये, आखिर मौत जीत गयी। एक संभावनाओं भरा हिन्दी पत्रकारिता, स्वच्छ राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल पत्रकारिता के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। प्रभात झा का जीवन सफर आदर्शों एवं मूल्यों की पत्रकारिता की ऊंची मीनार है। उनका निधन एक युग की समाप्ति है। प्रभात झा पत्रकार, लेखक स्तंभकार रहे हैं, वही उनका राजनीति जीवन भी प्रेरक रहा हैं। वे मध्य प्रदेश राज्य से राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। वे 2010 से दिसंबर 2012 तक मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रहे। यही वो दौर रहा जिसमें मध्यप्रदेश में भाजपा की जमीन गहरी हुई। वर्तमान में वे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। झा का जन्म 4 जून 1957 को हरिहरपुर, दरभंगा जिला, बिहार में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा ग्वालियर, मध्य प्रदेश से की। यहां के पीजीवी कॉलेज से उन्होंने बीएससी, माधव कॉलेज से राजनीति शास्त्र में एमए और एमएलबी कॉलेज से एलएलबी की डिग्री ली। उनके करीबियों का कहना है कि वह शुरू से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से खास जुड़ाव रखते थे। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत पत्रकारिता से की। स्वदेश अखबार में भी लंबे समय तक जुड़े रहे। झा की शादी रंजना झा से हुई है और उनके दो बेटे तुष्मुल और आयत्न हैं। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे प्रभात झा से मिलने के अनेक अवसर मिले, 85 नार्थ एवेन्यू में सुखी परिवार फाउण्डेशन के अस्थायी कार्यालय से सटा हुआ उनका आवास था। सुखी परिवार अभियान के प्रणेता आदिवासी संत गणि राजेन्द्रविजयजी के पास वे अक्सर आ जाते एवं उनसे लम्बी राष्ट्र-विकास एवं समाज-निर्माण की चचाएँ होती रहती थी। राजधानी के कंस्टीट्यूशनल क्लब में सुखी परिवार फाउंडेशन द्वारा आयोजित ह्यदिव्य भारत के निमार्ता मोदीह्ल विषयक डॉ. अविनाश काटे द्वारा कैनवास पर ऐक्रेलिक रंगा से हस्तनिर्मित 75 भावचित्रों की प्रदर्शन एवं पुस्तक का उद्घाटन उन्होंने किया। इस कार्यक्रम का संयोजन मुझे करने का मौका मिला। वे सुखी परिवार फाउण्डेशन के कार्यक्रमों से अत्यंत प्रभावित थे और इसको आगे बढ़ाने एवं आदिवासी कल्याण के लिये सुझाव देते रहते थे। प्रभात झा जितने सफल जननायक थे उतने ही प्रखर लेखक थे। उन्हें निर्भीक विचारों, स्वतंत्र लेखनी और बेबाक राजनैतिक टिप्पणियों के लिये जाना जाता रहा है। उनको पढ़ने वाले लोगों की संख्या लाखों में है और अपने निर्भीक लेखन से वे काफी लोगों के चहेते थे। उन्होंने पत्रकारिता में उच्चतम मानक स्थापित किये। वे न केवल अपने वैचारिक आलेखों के जरिये राष्ट्र की ज्वलंत समस्याओं को सशक्त तरीके से प्रस्तुति देते रहे बल्कि गरीबों, अभावग्रस्तों, पीड़ितों और मजलूमों की आवाज बनते रहे। अपनी कलम के जरिये उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कलम जब भी चली उन्होंने लाखों लोगों की समस्याओं को सरकारों और प्रशासन के सामने रखा और भारतीय लोकतंत्र में लोगों की आस्था को और मजबूत बनाने में योगदान दिया। प्रभात झा को हम भारतीयता, पत्रकारिता एवं भारतीय राजनीति का अक्षयकोष कह सकते हैं, वे चित्रता में मित्रता के प्रतीक थे तो गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, निडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। वे एक ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व थे, जिन्हें पत्रकार जगत का एक यशस्वी योद्धा माना जाता है। उन्होंने आमजन के बीच, हर जगह अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। लाखों-लाखों की भीड़ में कोई-कोई प्रभात झा जैसा विलक्षण एवं प्रतिभाशाली व्यक्ति जीवन-विकास की प्रयोगशाला में विभिन्न प्रशिक्षणों-परीक्षणों से गुजर कर महानता का वरण करता है, विकास के उच्च शिखरों पर आरूढ़ होता है और अपनी मौलिक सोच, कर्मठता, कलम, जिजीविषा, पुरुषार्थ एवं राष्ट्र-भावना से समाज एवं राष्ट्र को अभिप्रेरित करता है। उन्होंने आदर्श एवं संतुलित समाज निर्माण के लिये कई नए अभिनव दृष्टिकोण, सामाजिक सोच और कई योजनाओं की शुरूआत की। देश और देशवासियों के लिये कुछ खास करने का जज्बा उनमें कूट-कूट कर भरा था। वे समाज के लिये पूरी तरह समर्पित थे। प्रभात झा एक ऐसे जीवन की दास्तान है जिन्होंने अपने जीवन को बिन्दु से सिन्धु बनाया है। उनके जीवन की दास्तान को पढ़ते हुए जीवन के बारे में एक नई सोच पैदा होती है। जीवन सभी जीते हैं पर सार्थक जीवन जीने की कला बहुत कम व्यक्ति जान पाते हैं। प्रभातजी के जीवन कथानक की प्रस्तुति को देखते हुए सुखद आश्चर्य होता है एवं प्रेरणा मिलती है कि किस तरह से दूषित राजनीतिक परिवेश एवं आधुनिक युग के संकुचित दृष्टिकोण वाले समाज में जमीन से जुड़कर आदर्श जीवन जिया जा सकता है, आदर्श स्थापित किया जा सकता है। और उन आदर्शों के माध्यम से देश की पत्रकारिता, राजनीति, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैयक्तिक जीवन की अनेक सार्थक दिशाएँ उद्घाटित की जा सकती हैं। उन्होंने व्यापक संदर्भों में जीवन के सार्थक आयामों को प्रकट किया है, वे आदर्श जीवन का एक अनुकरणीय उदाहरण हैं, मूल्यों पर आधारित पत्रकारिता, समाजसेवा एवं राजनीति को समर्पित एक लोककर्मी का जीवनवृत्त है। उनके जीवन से कुछ नया करने, कुछ मौलिक सोचने, पत्रकारिता एवं राजनीति को मूल्य प्रेरित बनाने, सेवा का संसार रचने, सद्प्रवृत्तियों को जागृत करने की प्रेरणा मिलती रहेगी। प्रभात झा वर्तमान भारतीय राजनीति के कद्दावर नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता भरी नीतियों से प्रभावित थे और भाजपा मुखपत्र ह्यकमलह्ल के माध्यम से सशक्त भारत, विकसित भारत की नीतियों को बल देने के लिये वैचारिक धरातल तैयार किया। वे एक राजनीतिज्ञ के रूप में सदा दूसरों से भिन्न रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। उनके जीवन से जुड़ी विधायक धारणा और यथार्थपरक सोच ऐसे शक्तिशाली हथियार थे जिसका वार कभी खाली नहीं गया। वे जितने उच्च नैतिक-चारित्रिक राजनेता एवं पत्रकार थे, उससे अधिक मानवीय एवं सामाजिक थे। वे हमेशा बेपरवाह और निश्चिन्त दिखाई पड़ते थे, प्रायः लोगों से घिरे रहते थे और हंसते-हंसाते रहते थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता एवं राष्ट्रीयता की गहराई ये जुड़े थे और उस पर वे अटल भी रहते थे। किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाता। वे हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के थे और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है। भारतीय राजनीति की बड़ी विडम्बना रही है कि आदर्श की बात सबकी जुबान पर है, पर मन में नहीं। उड़ने के लिए आकाश दिखाते हैं पर खड़े होने के लिए जमीन नहीं। दर्पण आज भी सच बोलता है पर सबने मुखौटे लगा रखे हैं।

बजट देश की समृद्धि लोगों के निजी हितों का विशेष ध्यान

जो शिक्षा मंत्रालय को दिया गया अब तक का सबसे बड़ा आवंटन है। 2023 में केंद्र सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को 112898 .97 करोड़ रु पए आवंटित किए थे, वह भी उस समय तक का सबसे ज्यादा आवंटन था, लेकिन इस बार सरकार ने उस आंकड़े को भी पीछे छोड़ दिया है। बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए 89287 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 88956 करोड़ रुपए के आवंटन से थोड़ा ही ज्यादा है। इसे और ज्यादा बढ़ाने की जरूरत महसूस हो रही थी। दरअसल, वैश्विक मानकों के अनुसार किसी भी देश को स्वास्थ्य पर कम से कम 3 फीसद खर्च करना चाहिए, जबकि भारत में स्वास्थ्य पर करीब 1.3 फीसद ही खर्च हो पा रहा है। बहरहाल, महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त आम आदमी के लिए सरकार ने बजट में कुछ बड़ी राहतों का जो पिटारा खोला है, उसे देखते हुए इस बजट को सभी वगरे को साधता संतुलित बजट कहा जा सकता है।

योगेश कु. गोयल
लेखक

लो कसभा चुनाव से पहले इसी साल 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि जुलाई में पूर्ण बजट में सरकार द्वारा विकसित भारत के लक्ष्य का विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया जाएगा। अंतरिम बजट में न तो आम आदमी के लिए राहत की कोई विशेष घोषणाएं हुई थी और न ही उन पर कोई बड़ा बोझ लादा गया था, लेकिन अंतरिम बजट में भी सरकार का मुख्य फोकस गरीबों और महिलाओं पर ही दिखा था। आम बजट में हर वर्ग के लिए कुछ-न-कुछ राहत देने का प्रयास किया गया है। वैसे, सरकार का फोकस गरीबों, महिलाओं, युवाओं और अन्नदाताओं पर दिखा है, साथ ही बजट में रोजगार के अवसर बढ़ाने का रोड़मैप भी पेश किया गया है। बजट में देश की समृद्धि को प्रभावित करने वाले कारकों के साथ-साथ लोगों के निजी हितों का भी विशेष ध्यान रखा गया है, साथ ही उन सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को विस्तारित करने की भी घोषणा की गई है, जो मौजूदा समय में लोगों के निजी हितों को सकारात्मक तरीके से प्रभावित कर रही हैं। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए इस वर्ष बजट आवंटन 1.52 लाख करोड़ रु पए है। बजट में पूंजीगत व्यय के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो भारत की कुल जीडीपी का 3.4 प्रतिशत होगा। वित्तमंत्री के अनुसार 2024-25 तक वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है और सरकार का लक्ष्य घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे पहुंचाना है। बजट में आम लोगों से लेकर तमाम करदाता टैक्स स्लैब में कमी, स्टैंर्डड डिडक्शन बढ़ाने और 80सी के तहत मिलने वाली छूट को बढ़ाए जाने की आस लगाए हुए थे। और वित्तमंत्री ने उन्हें निराश भी नहीं किया। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार नई आयकर दरों से करदाताओं को कम से कम 17500 रुपए की बचत होगी। वित्तमंत्री के मुताबिक नई कर व्यवस्था से सरकार को सात हजार करोड़ रुपए का राजस्व नुकसान होगा, लेकिन इससे चार करोड़ वेतनभोगियों को लाभ होगा। विदेशी कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर 40 प्रतिशत से घटाकर 35 प्रतिशत की गई है और आयकर अधिनियम 1961 की व्यापक समीक्षा की घोषणा भी की गई है। हर तरह के स्टार्टअप्स के लिए एंजेल टैक्स हटाने का ऐलान किया गया है। बजट में जिन प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष रूप से फोकस किया गया है, उनमें रोजगार और कौशल, कृषि में उत्पादकता और लचीलापन, शहरी विकास, बुनियादी ढांचा, ऊर्जा सुरक्षा, अगली पीढ़ी के सुधार, विनिर्माण और सेवाएं, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, नवाचार, अनुसंधान और विकास इत्यादि शामिल हैं। रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बजट में युवाओं के लिए दो लाख करोड़ रु पए आवंटित किए गए हैं और युवाओं को रोजगार के लिए तीन प्रमुख योजनाओं पर काम करने का ऐलान भी किया है। सरकार 500 शीर्ष कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्ननशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक योजना शुरू करेगी, जिसमें 5000 रुपए प्रतिमाह इंटर्ननिशप भत्ता और 6000 रुपए की एकमुश्त सहायता दी जाएगी और प्रशिक्षण के दौरान होने वाले खर्च को कंपनी सीएसआर फंड से वहन करेगी। वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना भी सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। इस वर्ष शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो पिछले बजट की तुलना 32 प्रतिशत ज्यादा है। उत्पादन क्षेत्र में रोजगार सृजन को पहली बार कर्मचारियों के रोजगार से जुड़ी योजना के माध्यम से प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य 50 लाख लोगों के लिए अतिरिक्त रोजगार को प्रोत्साहित करना है। छात्रों को 7.5 लाख रुपए मॉडल स्किल लोनझ का लाभ देने का ऐलान भी बजट में किया गया है, जिससे उन छात्रों को लाभ पहुंचेगा, जो पैसों के अभाव में पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते थे। उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपए तक के लोन के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा भी बजट में है। महिलाओं और लड़कियों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए तीन लाख करोड़ रुपए के आवंटन और मुद्रा ऋण की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 रुपए लाख रुपए की गई है। पीएम आवास योजना के तहत 3 करोड़ अतिरिक्त घर बनाए जाएंगे, जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में होंगे। विभिन्न क्षेत्रों के लिए की गई अन्य विशेष घोषणाओं में शहरी आवास योजना के लिए 10 लाख करोड़ रुपए, ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपए, सड़क सम्पर्क परियोजनाओं के लिए 26 हजार करोड़ रुपए, बिहार में हाईवे के लिए 26 हजार करोड़ रुपए, अमरावती के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपए, 12 औद्योगिक पाकरे को मंजूरी इत्यादि शामिल हैं। आम आदमी को आम बजट में की गई घोषाओं से जहां कुछ राहत मिली है तो कुछ चीजें महंगी होने से उनकी जेब पर बोझ भी बढ़ेगा। हां, कैंसर से जुड़ी बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाओं और उपकरणों पर कस्टम ड्यूटी घटाने से इलाज कुछ सस्ता होने की उम्मीदें बढ़ी हैं।

किसान आन्दोलन की समाधान राहें बातचीत से ही खुलेगी

ललित गर्ग

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने किसान-आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक ह्यतटस्थ मध्यस्थह्ल की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण सुझाव को आकार देने की बजाय किसान-आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते है? क्यों अव्यवस्था फैलाने चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
नई दिल्ली, शनिवार, 27 जुलाई, 2024

संक्षिप्त खबरें

शिक्षक नेताओं ने कुलपति के प्रति जताया आभार

छपरा कार्यालय। जय प्रकाश विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर शिक्षक संघ ने कुलपति से आवास पर एक सौमनस्य भेंट की। भेंट के दौरान शिक्षक संघ के सचिव डॉ. महेन्द्र सिंह ने कुलपति के द्वारा पूर्व कुलसचिव डॉ रवि प्रकाश बबलू के स्थानान्तरण के प्रति आभार प्रकट किया। ध्यातव्य हो कि घटना के बाद संघ ने यह निवेदन किया था कि जय प्रकाश विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के संस्थापक एवं प्रथम सचिव रवि प्रकाश बबलू के जीवन पर संकट को देखते हुए यथाशीघ्र उनका स्थानान्तरण किया जाय। इसे संज्ञान में लेते हुए कुलपति ने उनका स्थानान्तरण राजा सिंह महाविद्यालय,सिवान से राम जयपाल महाविद्यालय छपरा में कर दिया। संघ के सचिव ने कुलपति को सह्दयता की सराहना की और कहा कि कुलपति महोदय के कई निर्णयों में उनको सकारात्मकता दिखती है। जय प्रकाश विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर शिक्षक संघ कुलपति महोदय के अकादमिक उन्नति के प्रति लगन और निष्ठा तथा विश्वविद्यालय में आधारभूत संरचनाओं के विकास के प्रति आशंसा भाव प्रकट करता है। उनके इस तरह के कृत्यों हो विश्वविद्यालय में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है।

डॉ. जायसवाल को भाजपा विधि प्रकोष्ठ के नेताओं व कार्यकताओं ने दी बधाई

छपरा कार्यालय भाजपा बिहार प्रदेश के वरिष्ठ नेता एवं विधान पार्षद ड़ॉ दिलीप जायसवाल को भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक प्रकाश रंजन नीकू ,पवन कुमार श्रीवास्तव ,डॉ. पंकज कुमार अभिषेक रंजन, पंकज कुमार सिंह, संजीत कुमार बबलू, युगल किशोर ठाकुर ,रिंकू शुक्ला, अमरनाथ तिवारी रंजन प्रसाद भक्त, विशाल वर्मा, मनीष शर्मा ,चंद्रशेखर जायसवाल, मनोज कुमार प्रताप ,रंजीत कुमार पांडे , अमरेन्द्र सिंह, विमल चंद्र सिंह ,प्रिय रंजन सिन्हा, समीर कुमार मिश्रा आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि नये प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर सुप्रिया जायसवाल ने डॉ दिलीप जायसवाल को दी बधाई

छपरा कार्यालय। बिहार सरकार के राजस्व एवं भुमि सुधार विभाग के मंत्री डा. दिलीप जयसवाल को बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नियुक्त होने पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं महाराजगंज लोक सभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी सुप्रिया जायसवाल ने गुलदस्ता देकर समानित किया। पूरे वैश्य जागरण मंच एवं ब्याहुत जायसवाल कलवार महासभा की ओर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नाडा को बहुत बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।बधाई देने वालो में विजय प्रसाद ब्याहुत, शिव कुमार ब्याहुत सुमन देवी , महिला अध्यक्ष ब्याहुत जायसवाल कलवार महासभा डा. राजेश डाबर पूर्व जिला परिषद राज कुमार गुप्ता उर्फ. राजु जी पूर्व जिला परिषद प्रतिमा गुप्ता डा. राजु कुमार अधिवक्ता महासचिव सारण चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स छपरा नीलम कुमारी आरबीएस पब्लिक स्कूल सेवक सुनील कुमार ब्याहुत आदि शामिल है

आज छपरा आएंगे देश के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ : रणजीत कुमार सिंह

छपरा कार्यालय। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ने आज प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि मा. रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ जी का छपरा मे प्रस्तावित कार्यक्रम दिनांक 27 जुलाई को है जिसमें छपरा परिसदन में 12:30 बजे अपराह्न में वह पत्रकार एवं मीडिया बंधुओ से पत्रकार वार्ता भी करेंगे एवं एनडीए कार्यकताओं से शिष्टाचार मुलाकात भी करेंगे तत्पश्चात छपरा नगर निगम के सभागार में 2:00 बजे अपराह्न में एक जनसभा को भी वह संबोधित करेंगे भाजपा जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ने बताया कि उनके साथ जिले के सभी सांसद एवं सभी विधायक वर्तमान एवं पूर्व तथा सभी पूर्व अध्यक्ष गण तथा सभी जिले के वरिष्ठ नेतागण एवं भाजपा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता का उपस्थित रहेंगे।।

जैविक खेती को बढ़ावा, जिले के किसानों की सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखें : डीएम

प्रात :किरण संवाददाता

जिले में जुलाई माह में अब तक मात्र 162.69 मिमी बारिश हुई है। अभी तक धान की रोपनी 32 प्रतिशत हुई है जो इस समय के सामान्य औसत से कम है। इसे संज्ञान में लेते हुए गुरुवार की संध्या में कृषि टास्क फोर्स की बैठक में डीएम अमन समीर ने जिला के किसानों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली। धान रोपनी के आच्छादन के संबंध में प्रखंडवार एवं पंचायतवार जानकारी ली गई। सभी अनुमंडल कृषि पदाधिकारी एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारियों को लगातार पंचायतों में जाकर धान रोपनी के आच्छादन को बढ़ाने के लिये उपलब्ध संसाधनों के कारगर उपयोग हेतु आवश्यक सुझाव देने को कहा गया। पीएम किसान सम्मान योजना के तहत 664 आवेदन लंबित पाये गये, डीएम ने सभी लंबित आवेदनों की जांच का निर्देश दिया। सीमांत किसानों के लिए स्त्रें२ंल्ल. ड्ड५.ल्ल पर पंजीकरण का प्रावधान है। इसके माध्यम से वे डीबीटी का लाभ उठा सकते हैं। मिट्टी के नमूने की जाँच के संदर्भ में वर्त्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक केवल 2757 मृदा परीक्षण नमूने लिए गए हैं जो क्षमता से बहुत कम है। डीएम ने इस संख्या पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने प्रयोगशालाओं की अधिकतम क्षमता तक मृदा परीक्षण नमूनों के जाँच की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। जिले में सर्वोत्तम प्रथाओं का संज्ञान लेते हुए डीएम ने सहायक निदेशक उद्यान को किसानों को जैविक खेती तकनीक के लिए प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने कृषि यांत्रिकीकरण के तहत लाभार्थियों और सब्सिडी पर दी गई मशीनों का भौतिक सत्यापन करने को कहा। जिले के प्रमुख मछली बाजारों की जानकारी लेते हुए डीएम ने यह पता लगाने को कहा कि कौन से बाजार सरकारी जमीन पर अवस्थित हैं। प्रयास यह है कि मछली बाजारों को आधुनिक बनाया जाए ताकि विक्रेता एवं क्रेता स्वच्छ और स्वास्थ्यकर वातावरण में खरीद-बिक्री कर सकें। सबसे पहले, आधुनिकीकरण के लिए नगर निकायों और प्रखण्ड मुख्यालय के मछली बाजारों को सूचीबद्ध करने को कहा गया। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, सहायक निदेशक उद्यान, कार्यपालक अभियंता लघु जल संसाधन/नहर प्रमंडल , जिला सहकारिता पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

कारगिल युद्ध शौर्य,पराक्रम और साहस से जीत सुनिश्चित की भारतीय सेना: अभिषेक यादव

प्रात :किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के द्वारा बेतिया नगर के महाराजा पुस्तकालय के सभागार में रिटायर सैनिकों को सम्मानित किया गया साथ ही जिलाध्यक्ष अभिषेक यादव के नेतृत्व में कारगिल विजय मशाल जुलूस निकाला गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कल्याणपुर के पूर्व विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि आज हम कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।कारगिल युद्ध में विकट परिस्थितियों का सामना करते हमारे बहादुर सैनिकों ने दुश्मन के दांत खट्टे कर विश्व विजयी तिरंगा झंडा लहरा कर देश का गौरव बढ़ाया।भाजपा जिलाध्यक्ष रूपक श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश की सैन्य शक्ति को मजबूत करने का सपना देखा था,उस सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साकार कर रहे हैं।सेना को अत्याधुनिक हथियार व संसाधन मुहैया करा कर सैन्य शक्ति को मजबूत किया जा रहा है।सेना के बल पर ही हम भारतवासी अपने आप को गौरवान्वित और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अभिषेक यादव ने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने जिस शौर्य,पराक्रम और साहस से जीत सुनिश्चित की इस भावना से प्रेरित होकर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित की गई है।यह ऐतिहासिक कार्यक्रम युवाओं में बौद्धिक विकास और जिज्ञासा की भावना जागृत करने के लिए सेवा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।इसका उद्देश्य भविष्य के अग्रणी व्यक्तित्व का निर्माण करना है।साथ ही इस अवसर पर सैनिक प्रकोष्ठ के संयोजक हरीश चंद्र राव जी के नेतृत्व में सैकड़ों रिटायर सैनिक कार्यक्रम में भाग लिए व सभी को भाजयुमो द्वारा सम्मानित किया गया।मौके पर भाजपा के जिला महामंत्री मुन्ना तिवारी,उपाध्यक्ष मनोज सिंह,प्रवक्ता सममृद्ध वर्मा,क्षेत्रीय प्रभारी प्रवीण श्रीवास्तव व राहुल कुमार,अविनाश कश्यप व किशन श्रीवास्तव, दिलीप कुशवाहा,लवकुश कुशवाहा, भाष्कर भारद्वाज,आकाश श्रीवास्तव, आशीष कुशवाहा, रवि किशन सहित सैकड़ों युवा उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। एन सी सी, राजेंद्र कॉलेज छपरा के तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस के रजत जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्रो. सुशील कुमार श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि विपरीत स्थलाकृति होने के बाद भी कारगिल का युद्ध में भारत की जीत उसके शौर्य की कहानी बताती है। उन्होंने कहा कि भारत ने यह युद्ध मानसिक स्तर पर भी जीती। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कैप्टन संजय कुमार ने कहा कि हमारे सिपाही सीमा पर देश की गौरव की रक्षा और भारतीयों की सुरक्षा करते हैं, हम सभी उनके आगे नतमस्तक हैं । उन्होंने कहा कि हमारे योद्धा जो कम उम्र में ही देश के लिए अपने प्रमाण न्योछावर कर दिये, देश उन्हें कभी भुला नहीं सकता। कार्यक्रम के अतिथि प्रो. दिव्यांशु ने कहा कि गीता में कहा गया है कि युद्ध गलत नहीं होता अगर वो लोकहित में हो। डॉ. अनुपम कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्र से बड़ा कोई धर्म नहीं होता अतः हमें देशसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। कारगिल विजय दिवस के रजत जयन्ती समारोह के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में कैडेट्स ने बढ- चढ कर भाग लिया । इनमें मुख्य हैं आशिष, विशाल ,सुप्रिया, अंजली, आंचल, कुमकुम आदि उपस्थित थी।

ट्रक से डीजल चोरी करने के दौरान चालक की खुली नींद तो बदमाशों ने मारी गोली

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां ट्रक को मुख्य मार्ग पर खड़ी कर सो रहे चालक को बदमाशों ने गोली मार दी है. गंभीर स्थिति में उस चालक को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र से छपरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर चिकित्सा के लिए पीएमसीएच रेफर किया गया है. गंभीर रूप से जख्मी ट्रक चालक उत्तर प्रदेश के कुशीनगर थाना अंतर्गत दाहीबाग निवासी गुरुचरण यादव का 38 वर्षीय पुत्र चंदन यादव बताया गया है. सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा के लिए उसे पीएमसीएच रेफर किया गया है. सदर स्थल में उपचार के दौरान जख्मी ट्रक चालक ने बताया कि वह सड़क किनारे ट्रक खड़ी कर सो रहा था, तभी उसे कुछ आहट हुई तो उसने देखा कि उसके ट्रक के टंकी से डीजल की चोरी की जा रही है. यह देखकर उसने शोर मचाया, तभी एक बदमाश ने उसे गोली मार दी. गोली उसके पेट में लगी है. वहीं सूचना के बाद मशरक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जख्मी को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र से छपरा सदर अस्पताल और फिर वहां से बेहतर चिकित्सा के लिए उसे पीएमसीएच रेफर किया गया है. वही इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई. सदर अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉक्टर किशोर कुणाल के द्वारा बताया गया कि गोली उसके पेट में लगी है और गोली अंदर ही फंसी हुई है. जिसको देखते हुए उसे बेहतर चिकित्सा के लिए पीएमसीएच रेफर किया गया है

इंडो नेपाल सीमावर्ती बाढ़ ग्रस्त इलाकों के प्रभावित लोगों के बीच एसएसबी ने खाद्य सामग्री का वितरण किया

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा। इंडो नेपाल सीमा पर स्थित एसएसबी 21वीं बटालियन द्वारा बाढ़ ग्रस्त इलाको में जरूरतमंद लोगों के बीच खाद्य सामग्री में पौष्टिक आहार बांटा गया। दरअसल पिछले दिनों इलाके में आई बाढ़ के बाद 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल,बगहा के कार्यवाहक कमांडेंट अश्वनी कुमार के निर्देशन में बाह्य सीमा चौकी चकदहवा में कैंप लगाकर बाढ़ ग्रस्त इलाको के ग्रामीणों को पौष्टिक आहार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।बतादें,नारायणी गंडक नदी के बाढ़ से ग्रसित गांव चकदहवा, झंडूटोला,बीन टोला,कानी टोला के सैकड़ों परिवार प्रति वर्ष बाढ़ से प्रभावित होते हैं,जिनके कारण अनेकों बीमारियों के उत्पन्न होने का खतरा बना रहता है।संभावित बीमारियों से बचाने के लिए विशेषकर बच्चो और बुजुर्गों की बीमारियों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु ग्रामीणों को 21वीं वाहिनी एसएसबी के द्वारा पौष्टिक आहार का वितरण किया गया।इस पौष्टिक आहार वितरण कार्यक्रम में लगभग 150 परिवार के सदस्य उपस्थित हुए । बताते चलें की एसएसबी सीमा पर सरहद की सुरक्षा के साथ साथ बंधुत्व को लेकर अपना फर्ज निभा रही है,इसी कड़ी में 21वीं वाहिनी एसएसबी के उप कमांडेंट एम. टी. मेरेन द्वारा सभी परिवार को 10-10 पैकेट पौष्टिक आहार का निःशुल्क वितरण किया गया। इस दौरान सभी ग्रामीणों को बताया गया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बगहा के समन्वयन से बाढ़ ग्रस्त गांव के ग्राम वासियों को पौष्टिक आहार वितरण किया गया। वितरण के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में जागरूक किया गया । नशे से होने वाली पारिवारिक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया गया,सभी ग्राम वासियों को नशे से होने वाली हानियों के बारे में अवगत कराया गया,साथ ही साथ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के मुहीम पर भी ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है । सबसे बड़ी बात है की एसएसबी के द्वारा सभी ग्राम वासियों से आग्रह किया गया की बेटियों को पढ़ायें क्योंकि बेटियां अनमोल हैं।बेटी-बेटा में कभी भी कोई भेदभाव ना करें । एसएसबी की इस पहल से बाढ़ प्रभावित सीमाई इलाके के लोगों में खुशी का माहौल है।

पुण्यतिथि पर याद किए गए बहुजन नायक डॉ धर्मनाथ राम

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा नगर।सारण के बहुजन नायक, वंचितों शोषितों के मसीहा, डॉ बी आर आंबेडकर परिगणित जाति कल्याण संघ के संस्थापक अध्यक्ष व जिला के आंबेडकरी गार्जियन डॉ धर्मनाथ राम चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किए गए। मुख्य श्रद्धांजलि सभा आंबेडकर स्थल के सभागार में आयोजित की गई, जहां वक्ताओं व आगत अतिथियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अपना विचार व्यक्त करते हुए बिहार समाज विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष तथा जयप्रकाश वि वि छपरा के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ लाल बाबू यादव ने कहा कि धर्मनाथ राम सारण के ऐसे विभूति थे जिन्होंने दलित, शोषित, पिछड़े एवं गरीब समुदाय के लोगों के हक हकूक की रक्षा तथा सामाजिक एवं सामंती उत्पीड़न से मुक्ति दिलाने के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया. वे एक साहसी एवं निडर सामाजिक कार्यकर्ता थे जो जीवन भर तथागत बुद्ध, बाबासाहब आंबेडकर, रामस्वामी पेरियार तथा महात्मा ज्योतिबा राव फूले जैसे सामाजिक परिवर्तनकारी नायकों के विचारों को न सिर्फ सारण जिला बल्कि संपूर्ण बिहार में जन जन तक पहुंचाने का काम किया. डॉ यादव ने समाज के नई पीढ़ी के युवकों खासकर वंचित समुदाय के युवाओं से आह्वान किया कि वे डॉ धर्मनाथ राम के विचारों को गरीबों के बीच लागू करने के लिए सामाजिक संघर्ष के आंदोलन का अगुआ दस्ता बने। प्रारम्भ में आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए धर्मनाथ राम के सुपुत्र एवं युवा पत्रकार चंद्रशेखर कुमार ने कहा कि भविष्य में स्व धर्मनाथ राम की स्मृति में मेमोरियल व्याख्यानमाला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के शीर्षस्थ बहुजन नायक आमंत्रित किये जायेंगे। श्रद्धांजलि सभा में शिक्षिका संगीता कुमारी, डॉ शशि रंजन, डॉ मेराज आलम, शैलेन्द्र चौधरी, शशि बैठा, कृष्ण राम, मनोज राम, तारकेश्वर प्रसाद, रवि कुमार आदि उपस्थित रहे।

कारगिल दिवस पर इंस्पायर सायंस एकेडमी रसूलपुर में याद किये गये शहीद

प्रात :किरण संवाददाता

रसूलपुर। कारगिल विजय दिवस के 25वी वर्षगांठ पर रसूलपुर के इंस्पायर साइंस एकेडमी और कमपेटीटिव जोन कोचिंग में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।अध्यक्षता साजिद अली और मंच का संचालन ब्रजेश यादव व चंदन प्रसाद ने किया।कार्यक्रम में वीर शहीदों की याद में प्रस्तुत भाषण तथा गीत के लिए रौशनी चौबे, जिया शर्मा, नंदनी शर्मा, अंशु केशरी, प्रीतम ठाकुर, अनु यादव, रिमी यादव, अनिकेत सिंह, अनवर अली, प्रीति यादव आदि छात्र- छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।मौके पर ब्रजेश यादव, चंदन प्रसाद, मिठू पांडेय, अगरचंद्र राम आदि शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित होकर बच्चों के कार्यक्रम की सराहना की।

जयप्रकाश विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को मिलेगी नौकरी

29 जुलाई को फिर होगा कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय ।जयप्रकाश विश्वविद्यालय में 29 जुलाई को फिर कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन होने जा रहा है। कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई के कुशल एवं सक्षम नेतृत्व में विश्वविद्यालय नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है और कई ऐसे ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं जो इससे पहले कभी नहीं हो सके थे। इसी कड़ी में दो महीने के भीतर दूसरी बार कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन हो रहा है। इस बार देश की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में शुमार टेक महिंद्रा विश्वविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से छात्र-छात्राओं को ऑन द स्पॉट नौकरी देने जा रही है। यह सब कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई के दूरदर्शी विजन और उनकी व्यक्तिगत पहल के कारण संभव हो पा रहा है। टेक महिंद्रा कंपनी सर्विस डेस्क एनालिस्ट, बिजनेस एसोशिएट, सीनियर बिजनेस एसोशिएट और टेक सपोर्ट असिस्टेंट के पदों पर बहाली करेगी। इन पदों पर नियुक्ति के लिए किसी भी संकाय में ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट उत्तीर्ण अभ्यर्थी 29 जुलाई को विश्वविद्यालय सीनेट हॉल में आयोजित होनेवाले कैंपस ड्राइव में भाग ले सकते हैं। टेक महिंद्रा के अधिकारियों ने बताया कि इन पदों के लिए हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं पर पकड़ और कंप्यूटर की बेसिक जानकारी होनी चाहिए। यह जॉब ह्यवर्क फ्रॉम होमह्ल और ह्यवर्क फ्रॉम ऑफिसह्ल दोनों तरह की होगी। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए चुने गए अभ्यर्थियों का शुरूआती पैकेज 1.60 लाख से 3.75 लाख का होगा। इसके अलावा पीएफ, ईएसआई, मेडिकल सहित कार्पोरेट कंपनियों में मिलने वाली अन्य बहुत सारी सुविधाएं चयनित अभ्यर्थियों को प्रदान की जाएंगी। प्रति सप्ताह एक दिन की छुट्टी भी दी जाएगी। विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयोजक प्रो. कृष्ण कुमार ने बताया कि 29 जुलाई 2024 को प्रातः 9 बजे से विश्वविद्यालय सीनेट हॉल में प्लेसमेंट ड्राइव प्रारंभ हो जाएगा। इन पदों के लिए अभ्यर्थियों को लिंक पर जाकर वहां उपलब्ध गूगल फॉर्म के माध्यम से आवेदन करना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले गत 30 मई 2024 को नामचीन मल्टीनेशनल फार्मास्युटिकल कंपनी ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज ने विश्वविद्यालय में रिक्रूटमेंट ड्राइव आयोजित की थी जिसमें विश्वविद्यालय के बीएससी और एमएससी उत्तीर्ण 50 से ज्यादा छात्र-छात्राओं को ऑन द स्पॉट नौकरी मिली थी।

आर्हता धारकों का नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 31 जुलाई तक चल रहा हैं अभियान

कार्य में तेजी लाने का एसडीएम ने दिए निर्देश

प्रात :किरण संवाददाता

मढ़ौरा नगर। प्रखंड क्षेत्र में सभी जन वितरण की दुकानों पर निशुल्क आयुष्मान कार्ड गत 18 जुलाई से बनाया जा रहा हैं, जो खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अभियान के तौर पर 31 जुलाई तक चलेगा। आयुष्मान कार्ड की प्रगति पर समीक्षा के बाद अनुमंडल पदाधिकारी मरहौरा डॉ प्रेरणा सिंह के द्वारा इस कार्य को पूरा करने एवं इसमें तेजी लाने के लिए विभागीय स्तर पर अधिकारियों के साथ-साथ जन वितरण विक्रेताओं आंगनवाड़ी सेविका सहायिका आशा, जीविका दीदी, विकास मित्र, कार्यपालक सहायक सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सरकार द्वारा राशन कार्ड में प्रत्येक सदस्य का आयुष्मान कार्ड बनना अनिवार्य है। ऐसे में शत प्रतिशत लाभुकों आयुष्मान कार्ड बनाना जरूरी है। ऐसे में हमें अपने कार्य में तेजी लानी होगी। इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले किसी भी कर्मी, जन वितरण विक्रेता विक्रेता, विकास मित्र कार्यपालक सहायक कॉमन सर्विस सेंटर जिन्हें यह आधार कार्ड बनाने की जिम्मेदारी सौंप गई है, सरकार के लक्ष्य को हर हाल में पूरा करें। इसकी समीक्षा और इसके कार्य को सुचारू रूप से मॉनिटरिंग करने के लिए प्रखंड विकास प्राधिकारी,प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को विशेष रूप से हर पंचायत का दौरा कर निरीक्षण करें।

3 पीडीएस दुकानदारों के विरूद्ध कार्रवाई की अनुशंसा, 10 वीएलई के विरुद्ध भी की गई कार्रवाई

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (ठऋरअ) के तहत सभी राशनकार्ड धारियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये 18 जुलाई से 31 जुलाई तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान के तहत सभी पीडीएस दुकानों पर पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। सारण जिला में अबतक लगभग 59 हजार नये पात्र लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। नये कार्ड बनाने की संख्या के आधार पर 25 जुलाई को सारण जिला राज्य में दूसरे स्थान पर रहा। इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर प्रखंड एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी लगातार क्षेत्र भ्रमण कर व्यवस्था को दुरुस्त करने में लगे हुये हैं। क्षेत्र भ्रमण के दौरान पाया गया कि परसा प्रखंड में तीन पीडीएस दुकानों के बंद रहने के कारण आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य वहाँ नहीं हो रहा था। जिला आपूर्त्ति पदाधिकारी ने नगर पंचायत परसा के शंकरडीह की डीलर अनिता कुमारी सहित अन्य दो, कुल तीन पीडीएस डीलरों के विरूद्ध कार्रवाई की अनुशंसा सक्षम प्राधिकार अनुमंडल पदाधिकारी से की है। पीडीएस दुकानों पर कार्ड बनाने के लिये जिला में एक्टिव वीएलई को सम्बद्ध किया गया है। अभियान की मॉनिटरिंग के क्रम में ज्ञात हुआ कि कुछ वीएलई द्वारा अपने कर्त्तव्य स्थल पर कार्य नहीं किया जा रहा है। ऐसे चिन्हित 10 वीएलई के लॉगिन आईडी को ब्लॉक करने की कार्रवाई की गई है। अब वे भविष्य में कभी भी आयुष्मान कार्ड बनाने एवं सीएससी के माध्यम से किये जाने वाले अन्य कार्य नहीं कर सकेंगे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मिशन मोड में करना है। कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों/सेवा प्रदाताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी।

प्रखंड परिसर के मुख्य द्वार पर खुला अस्थाई पौधा बिक्री केंद्र

प्रात :किरण संवाददाता

मढ़ौरा नगर ।शुक्रवार को प्रखण्ड परिसर के मुख्य द्वार पर अस्थाई पौधा बिक्री केंद्र खोला गया। जिसमें काष्ठ एवं फलदार दोनो प्रजाति के पौधे आम जनता को 10 रुपया प्रति पौधा के दर से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस विक्री केन्द्र का मढ़ौरा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सुधीर कुमार, मढ़ौरा नगर कार्यपालक पदाधिकारी बबलू कुमार एवं वन क्षेत्र पदाधिकारी मशरख प्रवीण गुप्ता ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस पौधा बिक्री काउंटर के साथ साथ कृषि वानिकी सूचना शिविर भी लगाया गया है जिसमें किसानों को कृषि वानिकी योजना के फायदे को समझाया जा रहा है। वनों के क्षेत्र पदाधिकारी मशरख द्वारा बताया गया की कृषि वानिकी योजना किसानों के आमदनी का बहुत अच्छा साधन है जिसमे किसानों को 10 रुपया पौधा दे कर 3 सालो बाद 50 प्रतिशत से अधिक उत्तरजीविता होने पर 6 गुना मुनाफा दिया जाता है। इस योजना से पौधे लेने हेतु अस्थाई पौधा बिक्री केंद्र से कृषि वानिकी फॉर्म ले कर पौधा लिया जा सकता है। साथ की वन विभाग के किसी भी कार्यालय से भी फॉर्म प्राप्त किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

इनरव्हील क्लब गया ने बच्चों को लगवाया गया सर्वाइकल कैंसर का टीका

गया।सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा में कोशिकाओं का कैंसर है। जिसकी रोकथाम टीका लगवा कर किया जा सकता है। मानपुर स्थित सोनू लाल बरनवाल कन्या प्लस टू विद्यालय में इनरव्हील क्लब ऑफ गया द्वारा सर्वाइकल कैंसर के टीकाकरण के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया है इस कार्यक्रम में कक्षा 9 से 12 तक की 150 लड़कियों तथा 50 अभिभावक शामिल हुए हू। सबसे पहले सी जी आर सीमा भदानी द्वारा इनर व्हील के विषय में सभी को अवगत कराया गया उन्होंने कहा कि यह इधर व्हील विश्व की सबसे बड़ी महिलाओं की संस्था है जो समाज हित में कार्य करती है।डॉक्टर रेनू सिंह द्वारा यह जानकारी दी गई की एचपीवी वैक्सीन सभी लड़कियों को गर्भाशय में होने वाले कैंसर से बचाव के लिए लगाना बहुत ही जरूरी है।9 से 14 वर्ष की आयु के बच्चे दो टिक तथा 14 वर्ष से अधिक आयु की लड़कियों को तीन टीका लगवाए जाता है उन्होंने अभिभावकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का भी उत्तर दिया कार्यक्रम के पश्चात 25 लड़कियां टीका लगवाने के लिए तैयार हुई जिनमें से 6 लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर का मुफ्त टीका दिया गया है ,बाकियों को क्लब द्वारा जल्द ही टिका लगवाया जाएगा।अंततः अध्यक्षा तृप्ति गुप्ता ने स्कूल के प्रधानाचार्य रजनीकांत मालवीय को तथा सभी शिक्षक शिक्षकों को सहायता के लिए धन्यवाद दिया है।

तैलिक साहू सभा जिलाअध्यक्ष ने नवनियुक्त अध्यक्ष को दी बधाई

गया।गया जिला तैलिक साहु महासभा के जिलाध्यक्ष सह वरिष्ठ भाजपा नेता संजू साव ने बिहार सरकार के राजस्व एवं भुमी सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल को बिहार प्रदेश भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डा जे पी नड्डा और केन्द्रीय संगठन के लोगों को आभार व्यक्त किया संजु साव एवं धीरज रौनीयार ने किया है।

आयुष्मान कार्ड कार्य में अभिरूची नहीं लेने वाले 15 कर्मियों पर कर्रवाई

अरवल।जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह द्वारा अरवल जिलान्तर्गत आयुष्मान भारत-जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत योग्य लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड निर्माण कार्य में अभिरूची नहीं लेने वाले कुल 05 पदाधिकारियों एवं 15 कर्मियों पर कार्रवाई किया गया साथ ही वेतन/मानदेय भुगतान पर रोक लगाई गई है, कार्रवाई किए गए पदाधिकारी में से स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कलेर एवं प्रखण्ड स्वास्थ्य प्रबंधक, कलेर तथा प्रखण्ड आपूर्ति निरीक्षक, कुर्था शामिल हैं।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर किया गया श्रद्धांजलि सुमन अर्पित

आराःकारगिल विजय दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि सुमन अर्पित किया गया इसमें शाहिद के वीरांगना एवं पूर्व सैनिकों ने के साथ युवा मोर्चा के द्वारा किया गया जिसका नेतृत्व युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विशुद्ध बिभु जैन के द्वारा हुआ एवं अध्यक्षता मेजर राणा प्रताप सिंह ने किया इस कार्यक्रम में कार्यक्रम प्रभारी ,रविशंकर सिंह दीपक, सह प्रभारी राकेश सिंह,रवि केशरी,कुमार प्रतीक, धर्मेन्द्र पांडे, आदित्य सिंह आदि, प्रतीक चंद्रवंशी, अशोतोष मिश्रा, ऋषि सिंह,अंकित तिवारी, मनोरंजन तिवारी, कुणाल सिंह,सौरभ सिंह,अभय सिंह, विशाल सिंह, अभिषेक कुमार, अंकित कुमार, रितिक सिन्हा,राजीव सिंह, अमलेश यादव,पुनीत यादव,धन्यवाद ज्ञापन अंकित सिंह चंद्रवंशी द्वारा किया गया जिसकी जानकारी मीडिया प्रभारी अरिहंत विजय जैन ने दी।

मुखिया और दुकानदार से 30 लाख रंगदारी मांगने वाले 4 गिरफ्तार

हाजीपुर।बिदुपुर थाने के मधुरापुर किराना दुकानदार से30 लाख रुपये साथ चेचर मुखिया से 10 लाख रुपये की रंगदारी एवम धमकी देने बाले अभ्युक्तो को पुलिस ने गिरफ्तार कर मामले के उद्भेदन में सफलता पाई। वैशाली एसपी हरकिशोर राय ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दिया कि दिनांक 6/7/24 को एक किराना दुकानदार संतोष कुमार से अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन कॉल के माध्यम से 30 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई थी एवं चेचर पंचायत के मुखिया से 19/7/24 को 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई थी।मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। बिदुपुर थाने में दर्ज कांड 368/24 कांड 404/24 दर्ज हुई।बिदुपुर पुलिस और जिला टीम ने कारवाई की।जिस दरम्यान पुलिस कारवाई कर रही थी मोहनपुर पोखर के पास चार लोगों को जाते देखा।पुलिस ने जब रुकने को कहा सभी भागने लगे।सभी को खदेड़कर पकड़ा गया।गिरफ्तार प्रिंस कुमार,रोहन कुमार,तानिष कुमार,बिदुपुर थाने एवम अभिनन्दन कुमार महनार थाने के है।इनके पास से एक देशी लोडेड पिस्टल,एक कारतूस,और 10 किलो 800 ग्राम करीब मादक पदार्थ गाजा,मोबाइल, एक सिम बरामद की गई है और इनका आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

बुनकरों के विकास से ही होगा संभवतः बिहार का विकास : प्रकाश पटवा

प्रात : किरण

गया (मानपुर) अध्यक्ष मगध बुनकर कल्याण सेवा समिति मानपुर सह अध्यक्ष जदयू व्यवसाय उद्योग प्रकोष्ठ प्रकाश राम पटवा ने कहा बिहार का मैनचेस्टर के नाम से प्रसिद्ध गया जिला अंतर्गत मानपुर पटवा टोली में लगभग एक हजार इकाई पावर लूम वस्त्र बनाई से जुड़ा है ,जिसमें पावर लूम की संख्या लगभग दस हजार होगा ,इसमें लगभग बीस हजार परिवार का जीविको पार्जन रोजी-रोटी पावर लूम वस्त्र बनाई से संबंधित घरेलू उद्योग से चलता है।

बुनकरों को कच्चे माल सूत (धागा)की उत्पादन फैक्टरी बिहार में नहीं रहने के कारण बिहार से बाहर दक्षिण भारत ,पंजाब इत्यादि से सुत (धागा) मंगाना पड़ता है, नतीजा बिहार में सुत (धागा)की फैक्ट्री नहीं होने के कारण ट्रांसपोर्ट भाड़ा सुत (धागा)पर अधिक महंगा पड़ता है, और बना हुआ बिहार का वस्त्र का लागत का उचित मूल्य अन्य प्रदेश के तुलना में अधिक हो जाता है , जिसके कारण बाजारों में बिक्री करने पर उचित मूल्य वस्त्र का नहीं मिल पाता है। एक और कारण कई अन्य कच्चे माल एवं पावरलूम पार्ट्स भी बिहार से बाहर से आता है, जिससे यहां के वस्त्र गरीबों के लिए जो बनाया जाता है वह अन्य प्रदेश की तुलना में महंगा पड़ता है।

बिजली दर भी कई प्रदेश के तुलना में कुछ आर्थिक है, अन्य कई और कारण है । आर्थिक संकट को दूर करने के लिए विद्युत अनुदान 3 प्रति यूनिट से बढ़कर 4.50 पैसा (चार रुपया 50 पैसा) प्रति यूनिट बुनकरों के हित में किया जाना अति आवश्यक है। इसलिए कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बिहार के विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उद्योग मंत्री सह पर्यटन मंत्री सह गया जिला प्रभारी मंत्री नीतीश मिश्रा एवं ऊर्जा विभाग मंत्री विजेंद्र यादव से भी पत्र के माध्यम से अनुरोध किया गया है, घरेलू कुटीर उद्योग पावरलूम बुनकरों को विकास से ही बिहार का विकास संभवत हो सकता है।

डाक जीवन बीमा के लिए चलाये गए स्पेशल ड्राइव में भोजपुर ने बिहार सर्किल में प्रथम स्थान किया प्राप्त

प्रात : किरण

आरा। डाक निदेशालय नई दिल्ली द्वारा डाक जीवन बीमा के लिए चलाये गए स्पेशल ड्राइव में भोजपुर डाक प्रमंडल ने डाक जीवन बीमा के नया व्यवसाय करने और प्रीमियम जमा करने के क्षेत्र में एक और कीर्तिमान बनाते हुए बिहार सर्किल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। डाक अधीक्षक पवन कुमार वर्मा ने बताया कि 24 जुलाई 2024 को डाक निदेशालय नई दिल्ली द्वारा देशभर में डाक जीवन बीमा का स्पेशल ड्राइव चलाया गया, जिसमें भोजपुर डाक प्रमंडल ने एक दिन में लगभग 100 लोगों का करीब 5 करोड़ (बीमित राशि) का बीमा किया है। इस ड्राइव को सफल बनाने के लिए विकास पदाधिकारी (डा. जी. बीमा) मनोरंजन कुमार सिंह व डाक सहायक कुमार अमित द्वारा भोजपुर डाक प्रमण्डल के सभी सेल्स फोर्स को स्पेशल ड्राइव के दो-तीन दिनों पहले से ही अधिक से अधिक ग्राहकों से सम्पर्क करने और अधिकतम व्यवसाय कर प्रीमियम जमा करने के लिए उत्प्रेरित किया गया। इस ड्राइव में केशव पाण्डेय, आदित्य नारायण, जीतेन्द्र तिवारी, काजल कुमारी एवं अफरोज आलम ने बेहतरीन प्रदर्शन कर पुरे राज्यभर में भोजपुर को प्रथम स्थान प्राप्त कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। डाक विभाग ने इस अभियान में बीमा हेतु लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि आज के इस दौर में डाक जीवन बीमा अपने कम प्रीमियम और अधिक बोनस के कारण बहुत महत्वपूर्ण है।

दलित महिला विधायक को अपमानित किये जाने की घटना की निंदा : बीरेन्द्र गोप

प्रात : किरण

गया।ओबीसी महासभा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष सह राजद के प्रदेश महासचिव एड०बीरेन्द्र कुमार उर्फ बीरेन्द्र गोप ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राजद की दलित महिला विधायक रेखा पासवान को विधानसभा में अपमानित किये जाने की घटना का निंदा करते हुए कहा कि कुछ महीनों से नीतीश कुमार अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। वे पूर्ण रूप से बीमार हो चुके हैं उन्हें तत्काल मानसिक रोगशाला में जाकर अपना इलाज करवाना चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा कल राजद की दलित विधायक रेखा पासवान को ये कहना कि तुम महिला हो कुछ नहीं जानती हो? पूरे देश की महिलाओं का अपमान है। बीरेन्द्र गोप ने कहा कि इधर कुछ दिनों से महिलाओं पर ओछी, गैर वांछित, असभ्य, अशिष्ट एवं निम्नस्तरीय टिप्पणियाँ करना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आदत में शुमार हो चुका है, जो प्रदेश के लिये अत्यधिक गंभीर व चिंतनीय विषय है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कुछ दिन पूर्व आदिवासी समुदाय से आनेवाली बीजेपी की महिला विधायक पर भी सुंदरता संबंधित भद्दी टिप्पणी की थी। कल अनुसूचित जाति की दो बार से निर्वाचित महिला विधायक रेखा पासवान पर टिप्पणी की है। गोप ने कहा कि इस वक्त सृष्टि के सबसे बड़े ज्ञाता, ध्याता, व्याख्याता और रचयिता तो नीतीश कुमार बन चुके है, इनको छोड़ कर किसी को कुछ पता नहीं है, किसी को कुछ आता-जाता नहीं है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल पर जागरूकता कार्यक्रम

प्रात : किरण

गया। इनरव्हील क्लब ऑफ सनराइज ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल पहल के तहत एक महत्वपूर्ण जागरूकता वार्ता का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।गाइनोकॉलजिस्ट डॉ.तेजस्वी नंदन ने गर्भावस्था के दौरान क्या करें और क्या न करें के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया है। उन्होंने महिलाओं को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने की सलाह दी।पीडियाट्रिशन डॉ. स्वर्णलता ने प्रसव के बाद शिशु की देखभाल के महत्वपूर्ण टिप्स साझा किए। उन्होंने टीकाकरण, स्तनपान और नवजात शिशुओं की स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया, जिससे माताएं अपने शिशुओं की बेहतर देखभाल कर सकें।इसके अतिरिक्त, दंत चिकित्सक डॉ. मानसी राजपूत ने मौखिक स्वच्छता पर एक विशेष सत्र आयोजित किया, जिसमें उन्होंने गर्भवती महिलाओं को दांतों की सफाई और मौखिक स्वास्थ्य बनाए रखने के व्यावहारिक सुझाव दिए।कार्यक्रम के अंत में, रोटरी क्लब ऑफ गया युवा ने गर्भवती महिलाओं और प्रसव के बाद भर्ती महिलाओं को फल, जूस और बिस्कुट के पैकेट वितरित किए, जो महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति क्लब की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।इस कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष अर्चना गोयंका, सचिव भावना अग्रवाल, अनुराग पोद्दार, दिव्या गोयंका, स्मिता पोद्दार, शिल्पी बर्णवाल, नेहा सिंह, राहुल महाजन और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे समुदाय की भलाई के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना।रोटरी क्लब ऑफ गया युवा के इस प्रयास से समुदाय में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में वृद्धि होगी और एक स्वस्थ समाज के विकास में योगदान मिलेगा।

कोईलवर पिचसी के परिसर में संविदा एनम संघर्ष मोर्चा गोप गुट के किया प्रदर्शन

प्रात : किरण

भोजपुर : कोईलवर पिचसी के परिसर में संविदा एनम संघर्ष मोर्चा गोप गुट के एनम साथियों ने कार्य वहिष्कार कार्यक्रम में उपस्थित एनम को सम्बोधित करते हुए कहा कि समान काम के बदले, समान वेतन राज्य सरकार तत्काल लागू करे, फेस अटेंडेंस का विरोध होता रहेगा, हम सभी को अपनी राज्य संघ के अनुसार चलना होगा, आज जो संघ कार्यक्रम कर रहा है वे कल तक काला विला वाले लोग है, संविदा एनम संघर्ष मोर्चा बिहार का स्पस्ट दो सूत्री मांग है कि फेस अटेंडेंस वापस लो, समान काम समान वेतन पूरे बिहार में लागू होना चाहिए, आज के कार्यक्रम में बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ गोप गुट के राज्य सचिव उमेश कुमार सुमन ने अपने सम्बोधन में एनम कर्मियों से कहा कि स्वास्थ्य विभाग और राज्य सरकार को एनम के मांगों को यथाशीघ्र पूरा करना चाहिए क्योंकि पूरे बिहार में पिचसी सहित हेल्थ डिपार्टमेन्ट कि स्थिति ठीक नहीं है, कारन की पूरे विहार में एनम सहित अन्य कर्मी भी फेस अटेंडेंसका जबर्दस्त विरोध हो रहा है, केवल सभी एनम कर्मियों को संगठित रहते हुए,कर्मचारी महासंघ गोप गुट के दिशानिदेर्शो का पालन करना होगा।

शिल्पकारों को गया के गवर्नमेंट आईटीआई में प्रशिक्षण शुरू : गोपाल पटवा

प्रात : किरण

गया। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 18 प्रकार के पारंपरिक कारीगरों- शिल्पकारों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत विश्वकर्मा भाई बहनों को 300000 तक बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत 15000 रुपए तक की अनुदान राशि टूल किट के लिए दी जाएगी। स्किल ट्रेनिंग और स्टाइपेंड उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रशिक्षण और ऋण के उपरांत मार्केटिंग सहायता दी जाएगी। जिससे 18 प्रकार के पारंपरिक कारीगरों - शिल्पकारों को हुनर से होगा राष्ट्र का नवनिर्माण। प्रशिक्षण लेकर हुनरमंद कारीगर- शिल्पकार आत्मनिर्भर बनेंगे , आत्मनिर्भर बिहार और आत्मनिर्भर भारत बनाने में अपना योगदान देंगे। इंद्रदेव शर्मा के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए इंस्ट्रक्टर चंद्रशेखर आजाद ,प्रशिक्षण का मैनेजमेंट अभिषेक कुमार , गोपाल पटवा अध्यक्ष बुनकर संघ ,प्रकाश राम पटवा व्यवसायिक प्रकोष्ठ शामिल रहे।

डॉ दिलीप जायसवाल के नेतृत्व में संगठन एवं जनमनास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे : डॉ मनीष पंकज मिश्रा

प्रात : किरण

गया।बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल को पार्टी के अध्यक्ष नियुक्त होने पर पर गया जिला भाजपा किसान मोर्चा सह प्रभारी डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं! देते हुए कहा आपका यह उपलब्धि न केवल आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है, बल्कि आपकी क्षमता और प्रतिभा का भी प्रमाण है।

आपने जिस तरह से लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए हर चुनौती को स्वीकार करतेहैं उसी का परिणाम है कि केंद्रीय नेतृत्व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया औ वास्तव में प्रशंसनीय हैं आपके नेतृत्व में संगठन और तेजी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हमें पूरा विश्वास है कि आप अपने भाजपा संगठन को नई ऊंचाइयों को छुएंगे और 2025 के चुनाव में एनडीए तीन तिहाई बहुमत से सरकार गठन करेंगेऔर अपने उत्कृष्ट कार्य से सभी को गौरवान्वित करेंगे। वर्तमान में लगातार कई बरसों से बिहार प्रदेश भाजपा संगठन के कोषाध्यक्ष सहित लगातार तीसरी बार विधान पार्षद के रूप में एवं वर्तमान में भूमि सुधार मंत्री के रूप में बिहार मंत्रिमंडल में शामिल है आपकी प्रदेश अध्यक्ष पर नियुक्ति हम सभी के लिए गर्व की बात है। एक बार फिर से प्रदेश अध्यक्ष बनने पर गया जी के पावन धरती से बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं बधाई शुभकामना देने वालों में भाजपा जिला उपाध्यक्ष के राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता जिला मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर, धीरज रौनीयार।

कारगिल विजय के अवसर पर पूर्व सैनिकों एवं वीरांगनाओं का किया गया सम्मान समारोह आयोजित

आरा । स्थानीय शान्ति स्मृति सम्भावना आवासीय उच्च विद्यालय, शुभ नारायण नगर, मझौवाँ, आरा के जुबली हॉल में शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस 2024 के अवसर पर पूर्व सैनिकों एवं वीरांगनाओं का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मेजर राणा प्रताप सिंह (सेनि०) विद्यालय के निदेशक डॉ० कुमार द्विजेंद्र एवं प्राचार्या डॉ० अर्चना सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके बाद शहीद अमर जवानों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के निदेशक डॉ० कुमार द्विजेंद्र ने की। संचालन वरिष्ठ शिक्षक अरविन्द कुमार ओझा एवं धन्यवाद ज्ञापन उप प्राचार्य ऋषिकेश ओझा ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष मेजर राणा प्रताप सिंह (सेनि०) ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमारे लिए खुशी का दिन है। कारगिल युद्ध में भोजपुर के काफी संख्या में जवानों ने भाग लिया था। जिसमें दो जवान शहीद हुए थे। सम्मान कभी छोटा या बड़ा नहीं होता है। विद्यालय परिवार द्वारा हम लोगों को सम्मानित कर मनोबल बढ़ाया है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र है। अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के निदेशक डॉ० कुमार द्विजेंद्र ने कहा कि विद्यालय कारगिल दिवस के मौके पर आपको सम्मान देकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। हमारे सैनिक प्रतिकूल मौसम में भी बॉर्डर पर तैनात रहते हैं। वीर सैनिकों के बदौलत ही हम अपने घर में चैन की नींद सो पाते हैं। स्वागत भाषण देते हुए विद्यालय की प्राचार्या डॉ० अर्चना सिंह ने कहा कि कारगिल युद्ध हमारे लिए गौरव गाथा है। जो हमें गौरवान्वित महसूस करता रहेगा। हमारा देश वसुधैव कुटुंबकम की राह पर चलता है, लेकिन कोई भी दुश्मन देश को आंख दिखता है, तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाता है। जंग में शहीद जवानों के परिवार वालों की भावनाओं की कभी पूर्ति नहीं की जा सकती, उन जवानों व उनके परिवारजनों ने अपना सर्वस्य न्योछावर कर दिया। हमारे सैनिक प्रतिकूल मौसम में भी अखण्ड भारत के रक्षा करते है। इस मौके पर 80 पूर्व सैनिक एवं वीरांगनाओं को विद्यालय के निदेशक डॉ० कुमार द्विजेंद्र एवं प्राचार्या डॉ० अर्चना सिंह ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालो में सुबेदार मेजर कन्हैया सिंह, सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, जगरनाथ सिंह, पवन कुमार प्रसाद, बलराम करमाकर, शंकर शर्मा, डी.पी. तिवारी, रंगलाल यादव, मो. असगर, मो. असरफ वीरांगनाओं में मीना देवी, पूनम देवी, सुनिता देवी, सीमा देवी, पावर्ती देवी, चंद्रावती देवी, उषा देवी, मनोरमा देवी, हीरा देवी, नीरमा देवी, सुमन देवी आदि मौजूद रही। इस मौके पर जिला पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष मेजर राणा प्रताप सिंह ने सम्भावना आवासीय उच्च विद्यालय के निदेशक डॉ. कुमार द्विजेन्द्र को वॉर मेमोरियल का मोमेन्टो देकर सम्मानित किया। सम्मान पाकर पूर्व सैनिक एवं वीरांगना काफी अभिभूत दिखी। कार्यक्रम के पूर्व देश की रक्षा को लेकर सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद जवानो की याद में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। स्वागत गीत विद्यालय की छात्रा ऋतिका सिंह, प्रियांशी सिंह, वेदीका सिन्हा, नैन्सी कुमारी. सौम्या सिंह, तपस्या भारद्वाज, आकांक्षा कुमारी, अनुष्का सिंह, जया कुमारी, रिद्धि, तान्या सिंह तथा श्रद्धा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सम्मापन 'वंदे मातरम के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगीत शिक्षक धर्मेंद्र कुमार, अमितेश रंजन का योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिका एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी समेत अन्य मौजूद रहें।

नए प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकाल स्वर्णिम होगा : पूर्व सांसद

औरंगाबाद। औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद भाजपा नेता सुशील कुमार सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के द्वारा बिहार सरकार के भूमि एवं राजस्व मंत्री सह बिहार विधान परिषद के सदस्य डॉ.दिलीप जायसवाल को बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दिया है।सांसद ने कहा कि आपका कार्यकाल स्वर्णिम हो ऐसी कामना है मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके कुशल नेतृत्व में भाजपा सांगठनिक सशक्तता के साथ-साथ नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा विधान परिषद सदस्य और भाजपा संगठन में कार्य करने का लम्बा राजनीतिक अनुभव का लाभ सभी कार्यकताओं को प्राप्त होगा।इनके मनोनित होने पर भाजपा वरीय नेता सुनील सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा,देव पूर्व उप प्रमुख मनीष पाठक,युवा भाजपा नेता प्रवीर सिंह, भाजपा नेता मुनीन्द्र राम, प्रवीण गुप्ता एवं भाजपा कार्यकताओं ने हर्ष ब्यक्त किया है।

27 जुलाई को किया जाएगा विनीत विनायक एवं विरुपाक्ष विक्रम सिंह को सम्मानित

प्रात : किरण

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट पृथ्वीराज चौक स्मृति स्थल के प्रांगण में सीबीआई के ज्वाइंट डायरेक्टर विनीत विनायक एवं नव चयनित आई ए एस वीरूपाक्ष विक्रम सिंह जी को 27 जुलाई को संध्या में सम्मानित किया जाएगा। इस आशय की जानकारी देते हुए संस्था के मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी एवं कार्यक्रम संयोजक जगदीश सिंह ने बताया कि धार्मिक एवं ऐतिहासिक ग्राम जम्होर निवासी विनीत विनायक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित आईपीएस के रूप में जाने जाते हैं।

उनके पुत्र विरुपाक्ष विक्रम सिंह भी इसी वर्ष आई ए एस के रूप में चयनित होकर 49 वां रैंक हासिल किए हैं।उन दोनों को सम्मानित करने वास्ते तैयारी कार्यक्रम की समीक्षा की गई।समीक्षोपरांत सभी तैयारी संतोषजनक पाया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह के आह्वान पर समीक्षा के क्रम में उपाध्यक्ष प्रोफेसर ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह,वरीय सदस्य प्रोफेसर विजय कुमार सिंह,रामप्रवेश सिंह-,चंद्र प्रकाश विकास,कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह,सक्रिय सदस्य मनोज कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

जनकोप पंचायत में हैं कुल 75 गर्भवती महिलाएं: बमेंद्र

औरंगाबाद। स्वास्थ्य क्षेत्र में बारुण प्रखण्ड के जनकोप पंचायत को आदर्श बनाने के लिए औरंगाबाद की चर्चित स्वयं सेवी संस्था पथ प्रदर्शक द्वारा गोद लेकर प्राथमिकता के आधार पर गर्भवती महिलाओं का सर्वेक्षण शुरू किया गया था,जिसे पूरा कर लिया गया है। जनकोप पंचायत अंतर्गत चौदह गांव है जिसमें कुल गर्भवती महिलाओं की संख्या 75 है।उक्त आशय की जानकारी संस्था के सचिव सह रक्तसेवक बमेंद्र कुमार सिंह ने दी।बमेंद्र ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जनकोप पंचायत को आदर्श बनाने के लिए गोद लिया गया है जिसके तहत सर्वप्रथम सुरक्षित प्रसव कराने के उद्देश्य से गर्भवती माताओं का सर्वे शुरू किया गया था।अब इन महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।शिविर लगाकर सभी गर्भवती महिलाओं की आवश्यक जांच कराई जाएगी ताकि प्रसव के समय उन्हें कोई परेशानी न उठानी पड़े।

वैश्य समाज जम्होर की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

प्रात : किरण

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के वैश्य समाज के कार्यालय में संस्था की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता वैश्य समाज जम्होर के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता ने किया।जबकि संचालन सुरेश विद्यार्थी द्वारा किया गया। सर्वप्रथम सदस्यों ने आपसी विचार समन्वय किया एवं वैश्य समाज के विकास के लिए कृत संकल्पित हुए।वैश्य समाज के उपजातियां को जोड़ने के लिए प्रत्येक उपजाति से एक प्रतिनिधि का चयन करने का निर्णय लिया गया।आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए कूपन के माध्यम से मदद करने की अपील की गई।वैश्य समाज के असहाय एवं जरूरतमंदों को समाज से जोड़कर उन्हें मदद करने का भी निर्णय लिया गया।28 जुलाई को जम्होर आने वाले सिक्किम राज्य के एडीजी विनीत विनायक एवं नव चयनित आई ए एस वीरुपाक्ष विक्रम सिंह को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया।आज के महत्वपूर्ण बैठक में उपाध्यक्ष राजू वर्मा एवं अनूप प्रसाद गुप्ता, महासचिव नवनीत कुमार,सचिव संजय गुप्ता, संयुक्त सचिव जितेंद्र कुमार,कोषाध्यक्ष पन्ना प्रसाद गुप्ता,उप कोषाध्यक्ष अशोक प्रसाद एवं रामध्यान प्रसाद, समाज सेवी घनश्याम प्रसाद खत्री पवन विश्वकर्मा,प्रवीण अग्रवाल, पंकज कुमार गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

जनता दरबार में 37 परिवादियों का सुना गया फरियाद

अरवल। जिला पदाधिकारी के निदेश के आलोक में कार्यपालक दण्डाधिकारी अरवल राजेश कुमार द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में 37 परिवादियों के फरियाद को सुना गया। परिवादियों द्वारा भूमि विवाद, मारपीट, दाखिल खारिज, मापी, अतिक्रमण, अनियमितता, वेतन, बकाया राशि, विकलांगता पेंशन, राशन कार्ड, आवास योजना, विद्युत विभाग, पीएचईडी, आईसीडीएस, शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों से संबंधित मामले थे। फरियादियों के आवेदन के शीघ्र निष्पादन हेतु कार्यपालक दण्डाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिये गये। करपी प्रखण्ड स्थित ग्राम चौहर निवासी लालसा कुमारी द्वारा बताया गया कि मैं गरीब महिला हूँ तथा मुझे विकलांगता पेंशन बंद हो गया है, पेंशन चालू करवाने की कृपा की जाए। इस संबंध में कार्यपालक दण्डाधिकारी द्वारा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी करपी को नियमानुसार जाँच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु निदेश दिया गया। कुर्था प्रखण्ड स्थित ग्राम छतोई निवासी रेखा देवी द्वारा बताया गया कि मैं गरीब परिवार से हूँ तथा मुझे राशन कार्ड की सख्त जरूरत है। मेरे द्वारा कई बार राशन कार्ड बनाने हेतु आवेदन दिया गया है किन्तु इसे अस्वीकृत कर दिया जाता है। अतः राशन कार्ड बनाने की कृपा की जाय। इस संबंध में कार्यपालक दण्डाधिकारी द्वारा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी कुर्था को नियमानुसार निष्पादन हेतु निदेशित किया गया। करपी प्रखण्ड स्थित ग्राम पुरैनिया निवासी महेश पासवान द्वारा बताया गया कि मैं गरीब परिवार से हूँ। मेरा मकान मिट्टी का बना हुआ था जो वर्षा होने से गिर गया है, मुझे रहने में काफी दिक्कत हो रहा है। मुझे आवास की सख्त जरूरत है।

कचरा प्रबंधन के तहत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का किया निरीक्षण

आरा। ITC के राज्य स्तरीय टीम भोजपुर जिला के बड़हरा प्रखंड गंगा ग्राम पंचायत सिन्हा में एवं आरा सदर प्रखंड के गंगा ग्राम पंचयात इजरी मे ठोस एवं तरल अपशिष्ट कचरा प्रबंधन के तहत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का वास्तविक स्थिति का निरक्षण किया । ITC के इलीशा मैडम ने सिन्हा गंगा ग्राम के महिलाओं से वातार्लाप कर उनको जानकारी भी दी कि कचरा प्रबंधन क्यों करें ,आज कचरा प्रबंधन कैसे करे उन्होंने महिलाओं को बताया कि गीला एवं सूखा कचरा अलग अलग कूड़े दान रखे। उसके बाद गांव में जो कचरा प्रबंधन के कार्य करने वाले स्वच्छता के सफाई कर्मी है उनको प्रदान करें। उन्होंने कहा कि गीला कचरा को WPU के माध्यम से जैविक खाद बनाई जा रही है और सूखा कचरा को WPU पर लेजाकर पृथकीकरण कर कबाड़ी वाले से बेच कर राशि इकट्ठा कर पंचायत के विकास के कार्यों में लगेने । वही अजीत कुमार ने बताया कि हर गांव को सुंदर रखने में गांव की प्रत्येक लोगों की भूमिका हम होती है सरकार गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए कई ऐसी योजनाएं चल रही है जिसमें से अपशिष्ट प्रस्करण इकाई एक है अगर प्रत्येक व्यक्ति अपनी बीमारी को समझें और अपने घर के कचरे को अपशिष्ट प्रकरण इकाई तक पहुंचने में सभी को सहयोग करना होगा। हम सभी जानते हैं कि वर्तमान समय में कचरा प्रबंधन किसी भी गांव के लिए कितना जरूरी है अगर हम अपने घरों को साफ रखते हैं तो गांव की साफ रखने की विधि मेरी हमारी ही है।

रक्सौल के पंटोका मध्य विद्यालय में गर्मी से चेतना सत्र में छात्र हुआ बेहोश

रक्सौल। प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय, पनटोका में चेतना सत्र के दौरान तीसरे वर्ग के एक छात्र अचानक बेहोश गया। बच्चे की नाजुक स्थिति देख स्कूल में अफरा-तफरी मच गई।बेहोशी की स्थिति में उसके हाथ-पैर को थरथराते देख सभी शिक्षक और शिक्षिका दौड़ पड़े और छात्र काशी कुमार उर्फ सूरज को संभाला। उसे कार्यालय कक्ष स्थिति प्रथम वर्ग के बेंच पर लिटाया गया। बिजली गुल होने से बच्चे को हाथ पंखे से बच्चे और शिक्षक हवा देने लगे तथा उसके मुंह पर पानी का छींटा देकर होश में लाया गया। छात्र को संभाले वरीय शिक्षक मुनेश राम,सुभाष प्रसाद यादव, शिक्षिका गीतारानी, आसमां प्रवीण, बबिता कुमारी, कविता कुमारी, दीक्षा कुमारी ने बेहोश बच्चे की सेवा सुश्रुषा कर उसे पूर्ववत स्थिति में लाया। उक्त छात्र चेतना सत्र के दौरान प्रार्थना करते समय लड़खड़ाने लगा, जिसे बगलगीर बच्चे ने संभाला, तब तक वह बेहोश।हो चुका था। पूछने पर छात्र काशी कुमार ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान प्रार्थना के समय अचानक उसे चक्कर आया और वह सुधबुध खो बैठा। बता दें कि उमस भरी गर्मी से विद्यालयों में छात्रों के हुजूम के कारण तापमान में काफी बढ़ोतरी हो जा रही है और पोशाक में बच्चे पसीने से तर बत्तर हो रहे है। ऐसे हालात सभी विद्यालयों के है। कमजोर बच्चे असहनीय तापमान झेलने में असमर्थ हो रहे है। इस आशय की पुष्टि करते हुए एचएम प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि छात्र सुबह में बिना स्नान किए और खाना खाए विद्यालय आ गया।अत्यधिक उमस और गर्मी के कारण उसे चक्कर आ गया, क्योंकि वह पहले से ही काफी कमजोर है, हालांकि स्कूल परिसर में स्थित पीपल के पेड़ के छाए तले चेतना सत्र संचालित हो रहा था।

महिला कॉप यूनिवर्स को लेकर रोहित शेट्टी का खुलासा

बॉलीवुड फिल्मों में अपने धमाकेदार एक्शन के साथ ही बेहतरीन निर्देशन के लिए प्रसिद्ध रोहित शेट्टी अपने कॉप यूनिवर्स के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू के दौरान रोहित ने अपनी फिल्म सिंघम अगेन को लेकर बातचीत की और साथ ही उन्होंने महिला कॉप यूनिवर्स को लाने की बात कही है। रोहित शेट्टी ने सिंघम, सिम्बा, सूर्यवंशी और इंडियन पुलिस फोर्स जैसी सुपरहिट फिल्म और वेब सीरीज के जरिए फिल्म इंडस्ट्री में पुलिस की एक अलग ही दुनिया स्थापित की है। शिल्पा शेट्टी ने सिद्धार्थ मल्होत्रा संग वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में पुलिस अवतार में कदम रखा। तो वहीं टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी इस वेब सीरीज का हिस्सा थीं। रोहित की आगामी फिल्म सिंघम अगेन में दीपिका पादुकोण भी रोहित की इस पुलिस की दुनिया में शामिल हो गई हैं और आगामी फिल्म सिंघम अगेन में वर्दी पहने हुए दिखाई देंगी। सिंघम अगेन में दीपिका पादुकोण के अलावा अर्जुन कपूर, टाइगर श्रॉफ, अजय देवगन और रणवीर सिंह नजर आएंगे।रोहित के बेहतरीन निर्देशन की वजह से ही प्रशंसक उनकी फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार करते हैं। बॉलीवुड का हर एक कलाकार रोहित के साथ काम करने की ख्वाहिश रखता होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब एक इंटरव्यू के दौरान रोहित शेट्टी से पूछा गया कि क्या वह महिला प्रधान पुलिस यूनिवर्स फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं तो इस पर रोहित ने जवाब देते हुए कहा, एक महिला प्रधान फिल्म पाइपलाइन में है और यह बहुत जल्द बनेगी। रोहित शेट्टी अपने बहुचर्चित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 14वें सीजन के साथ टेलीविजन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्टंट आधारित इस शो में गश्मीर महाजनी, नियति फतनानी, असीम रियाज, अभिषेक कुमार, शालीन भनोट, सुमोना चक्रवर्ती, शिल्पा शिंदे और कृष्णा श्रॉफ जैसे सेलेब्रिटीज कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आएंगे। शो की शूटिंग पिछले कुछ महीनों में रोमानिया में हुई है। इसका प्रीमियर 27 जुलाई को कलर्स टीवी पर होगा।

पश्मीना रोशन ने परिवार को निशाना बनाने वाले ट्रोल्स पर तोड़ी चुप्पी

अभिनेता ऋतिक रोशन की चचेरी बहन और संगीत निर्देशक राजेश रोशन की बेटी पश्मीना रोशन ने 'इश्क विश्क रिबाउंड' से बॉलीवुड इंडस्ट्री में एंट्री ली है। फिल्म में वह मुख्य भूमिका में नजर आईं। उनके साथ फिल्म में अभिनेता रोहित सराफ, जिब्रान खान और नैला ग्रेवाल भी अहम भूमिका में दिखाई दिए। अब पश्मीना ने ट्रोल्स के बारे में बात की और साझा किया कि समय के साथ ट्रोलिंग ने उन्हें कैसे प्रभावित किया है। पश्मीना रोशन ट्रोल्स को श्रेणियों में विभाजित करती हैं और महसूस करती हैं कि विभिन्न प्रकार के ट्रोल होते हैं। एक जो आपके समर्थन में होते हैं, फिर वे जो आपके बारे में नकारात्मक लिखते हैं, और कुछ ऐसे होते हैं जो वास्तव में मजाकिया होते हैं और मजेदार टिप्पणियां करते हैं। गैलाटा इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि जब उनके लुक, काम या परिवार के आधार पर उन्हें निशाना बनाया जाता है तो वह इसे कैसे लेती हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं कुछ टिप्पणियों पर रोई हूं। मैं उन प्रक्रियाओं से गुजरी हूं। मैं इससे तुरंत बाहर आ गई। यह सिर्फ एक विचार था जो वास्तव में मेरे साथ रहा। यह ऐसा है जैसे जब भी कोई किसी व्यक्ति या किसी चीज में कुछ अच्छा देखता है, तो यह उसी का प्रतिबिंब होता है जो आप अपने अंदर देखते हैं।

पश्मीना ने अपनी बात में आगे जोड़ा, अगर मैं आपके बारे में कुछ ऐसा देखती हूं जिससे मुझे घृणा होती है, तो क्या मुझमें भी कुछ ऐसा है जिससे मैं घृणा करती हूं? तो अगर मैं उस धारणा पर विश्वास करती हूं, तो किसी के लिए बिना किसी कारण के किसी व्यक्ति से नफरत करना बहुत आसान है। यह ऐसा लगता है जैसे आप शायद किसी चीज से गुजर रहे हैं, और मैं स्वीकार कर सकती हूं कि आप मुझसे कैसे बात करते हैं। इसका सब कुछ आपके साथ जुड़ा हुआ है, और मेरे पास आपको अपने क्षेत्र में आने और मुझे प्रभावित नहीं करने देने की शक्ति है। अभिनेत्री ने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, कभी-कभी लोग कुछ ऐसा कहते हैं जिसके बारे में आप असुरक्षित हो सकते हैं। इसलिए इससे उबरने के लिए बहुत ताकत की जरूरत होती है और व्यक्ति को खुद पर काम करते रहना चाहिए। जब कोई मेरे परिवार के बारे में बात करता है तो इसका मुझ पर असर पड़ता है। काम के मोर्चे पर, पश्मीना रोशन ने इश्क विश्क रिबाउंड के साथ बॉलीवुड डेब्यू किया है। उनके प्रशंसक उनकी अगली फिल्म के एलान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी फिर आई हसीन दिलरुबा

तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' लंबे समय से सुर्खियां बटोर रही है। इसके पहले पार्ट ने सबका दिल जीत लिया था और तब से ही फैंस दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 25 जुलाई को फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया, जो प्यार, धोखा और मर्डर मिस्ट्री से लैस है। तापसी एक बार फिर हत्या के रहस्य को मिटाने के लिए तैयार है। 'फिर आई हसीन दिलरुबा' सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी। इसे 9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। यह साल 2021 में आई फिल्म का सीक्वल है। इसके डायरेक्टर जयप्रद देसाई हैं। ट्रेलर शुरू से ही आपको कनेक्ट कर लेगा। फैंस तापसी के बोल्ड अंदाज, विक्रांत के मर्डरर रोल और सनी को भोलेभाले इंसान के रूप में पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में तापसी और विक्रांत का प्यार दिख रहा है। इसमें फिर सनी की एंट्री होती है। इसके बाद शुरू होता है एक खूनी खेल और जिसका पता लगाने के लिए एक्टर जिमी शेरगिल, तापसी से अपने भतीजे की मौत के बारे में पूछताछ करते हैं। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, हिमांशु शर्मा, कृष्ण कुमार, शिव चन्ना और आनंद एल राय हैं। गौरतलब है कि 'मनमर्जियां' और 'हसीन दिलरुबा' की सुपर सफलता के बाद कलर येलो प्रोडक्शंस, तापसी पन्नू, सह-निर्माता और लेखिका कनिका ढिल्लों के बीच तीसरा सहयोग है।

स्टारकिड के चलते शिवांगी जोशी के हाथों से निकल गया था लीड रोल

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' टीवी शो की अभिनेत्री शिवांगी जोशी एक मशहूर टीवी एक्ट्रेस हैं। शिवांगी ने इंडस्ट्री में सफलता पाने के लिए बहुत संघर्ष किए हैं। एक साक्षात्कार में शिवांगी से जब पूछा गया क्या उन्हें कभी किसी प्रोजेक्ट से हटाया गया है? इस पर शिवांगी ने जवाब दिया, 'हां, मेरे साथ ऐसा हुआ था, मेरा ऑडिशन हुआ था, उन्हें मेरी परफॉर्मेंस पसंद आई थी, सब कुछ सेट था। अभिनेत्री ने आगे बताया, 'लास्ट मिनट में मुझे कहा गया कि वो प्रोजेक्ट कोई और कर रहा है, मैंने जब पूछा ये कब हुआ? तब उन्होंने कहा कि वो किसी की बेटी है। शिवांगी ने बताया कि उन्हें उस रोल के बजाय उनकी दोस्त का रोल ऑफर किया गया था। अभिनेत्री से जब पूछा गया कि वह फिल्म थी या कोई वेब शो तो उन्होंने खुलासा किया कि यह एक बड़ा वेब शो था।

इमोशनल ब्रेक डाउन से गुजर रही हैं प्रियंका

बॉलीवुड से हॉलीवुड का सफर तय कर चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की दीवानगी दुनियाभर में है। प्रियंका ने अपने दम पर यह पहचान बनाई है। बॉलीवुड में सिक्का जमाने वाली देसी गर्ल ने 2017 में हॉलीवुड का रुख किया। उन्होंने बेवॉच से डेब्यू किया। हालांकि, अब प्रियंका हॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रही हैं। अभिनेत्री इन दिनों द ब्लफ की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसके अपडेट्स अक्सर वह अपने फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने साझा किया वीडियो

प्रियंका चोपड़ा अपनी आगामी फिल्म द ब्लफ के लिए ऑस्ट्रेलिया में कई हफ्तों तक व्यस्त शूटिंग के बाद अच्छा महसूस नहीं कर रही हैं । हाल ही में, उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे काम के बाद थकी हुई नजर आ रही हैं। अभिनेत्री के प्रशंसक उनको यह पोस्ट देख काफी हैरान नजर आए।

वीडियो में काफी थकी नजर आईं अभिनेत्री

वीडियो में प्रियंका कार में बैठी हैं और उनके बाल गीले हैं, जैसे कि वह अभी-अभी शॉवर लेकर बाहर निकली हों। उन्होंने खुद का एक वीडियो बनाया, जिसमें वह थकी हुई दिख रही हैं और अपना चेहरा पोछ रही हैं, लेकिन हमेशा की तरह उनके चेहरे पर एक मुस्कान दिख रही है। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, बस आज ही महसूस कर रही हूं #स्टेमोटिवेटेड।

मूकुथी अम्मन का बनेगा सीक्वल, देवी रूप में नजर आएंगी नयनतारा

साउथ की सुपरस्टार नयनतारा को आपने एक्शन, रोमांस, थ्रिलर और हॉरर फिल्मों में देखा होगा। लेकिन क्या आपको नयनतारा का किसी फिल्म में देवी रूप याद है। नयनतारा ने साल 2020 में आई तमिल फिल्म मूकुथी अम्मन में देवी मां की भूमिका निभाई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मूकुथी अम्मन का सीक्वल आ सकता है और एक बार फिर से नयनतारा देवी मां के रूप में नजर आएं। मूकुथी अम्मन फिल्म का निर्देशन आर जे बालाजी ने किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मूकुथी अम्मन का सीक्वल आता है तो उसका निर्देशक हरी, सुंदर सी और विक्रम कुमार मिलकर करेंगे। हो सकता है कि फिल्म मूकुथी अम्मन 2 में नयनतारा एक बार फिर से देवी के रूप में नजर आएं। हालांकि 12 जुलाई को वेल्स फिल्म ने अपने आधिकारिक सोशल अकाउंट पर एक नोट के साथ वीडियो भी साझा किया था, जिसमें मूकुथी अम्मन 2 की बात सामने आई थी साथ ही फिल्म मेकर्स ने इस वीडियो क्लिप में नयनतारा का नाम भी साझा किया था। साथ ही फिल्म की एक झलक भी आखिर में दिखाई थी। साल 2020 में आई तमिल फिल्म मूकुथी अम्मन के सीक्वल की खबर से नयनतारा के फैंस बेहद खुश हैं।

आर माधवन ने मुंबई में खरीदा आलीशान अपार्टमेंट

आर माधवन अपनी अदाकारी से लाखों दिलों पर राज करते हैं। हाल ही में अभिनेता को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने मुंबई में एक आलीशान अपार्टमेंट खरीदा है, जिसकी कीमत करोड़ों में है। आर माधवन ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म शैतान में अपनी अदाकारी से लोगों के दिल जीत लिए थे। इस फिल्म में उनके अभिनय की जमकर सराहना हुई थी। फिल्मों से इतर इस बीच अभिनेता के निजी जिंदगी को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

इतने करोड़ की है प्रॉपर्टी

दरअसल, हाल ही में आर माधवन ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में एक रिहायशी प्रॉपर्टी में निवेश किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता ने एक प्रॉपर्टी खरीदी है, जिसकी कीमत 17.5 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

उच्चस्तरीय सुविधाओं से लैस है नया घर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार माधवन की ओर से खरीदी गई यह प्रॉपर्टी रहने के लिए बिल्कुल तैयार है। यह लगभग 389 वर्ग मीटर (4,182 वर्ग फीट) में फैला है और इसमें दो पार्किंग के लिए भी जगह है। यह प्रॉपर्टी सिग्निया पर्ल में स्थित है। उनका यह घर उच्चस्तरीय सुविधाओं से लैस है। कहा जा रहा है कि आने वाले समय में यह माधवन का मुंबई का नया पता होगा।

इन फिल्मों में आएंगे नजर

रिपोर्ट्स के अनुसार 22 जुलाई को इस डील को अंतिम रूप दिया गया। इसके लिए अभिनेता को एक करोड़ पांच लाख रुपये का स्टाम्प शुल्क और 30 हजार रुपये का पंजीकरण शुल्क चुकाना पड़ा। वर्क फ्रंट की बात करें तो शैतान के बाद माधवन जल्द ही निर्देशक एस शशिकांत की फिल्म टेस्ट में नजर आने वाले हैं। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में नयनतारा और सिद्धार्थ भी हैं। इसके अलावा वह एक बायोपिक और एक साइंस फिक्शन फिल्म में भी जल्द ही दिखेंगे।

सलार के निर्देशक प्रशांत नील के साथ दो फिल्म करेंगे अजित कुमार

अजित कुमार के प्रशंसकों के लिए एक रोचक खबर सामने आ रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि अजित कुमार निर्देशक प्रशांत नील के साथ दो-दो फिल्मों में काम करते हुए नजर आ सकते हैं। इससे अजित कुमार के फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं, क्योंकि प्रशांत नील हिट फिल्म केजीएफ और सलार बना चुके हैं और उनके साथ अजित कुमार का काम करना रोमांचक हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अजित कुमार ने प्रशांत नील से मुलाकात की है। दोनों का मिलना तब हुआ था, जब अजित कुमार अपनी नई फिल्म विदा मुयार्ची की शूटिंग से कुछ दिन के लिए ब्रेक पर थे। अजित कुमार को लेकर प्रशांत नील के निर्देशन में बनने पहली फिल्म एक्शन ड्रामा हो सकती है। दूसरी फिल्म के बारे में जानकर आप चौंक सकते हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अजित कुमार केजीएफ 3 का हिस्सा बन सकते हैं। चर्चा है कि निर्देशक प्रशांत नील ने अपने दोनों प्रोजेक्ट के लिए अजित कुमार से तीन साल का समय भी मांगा है। संभावना जताई जा रही है कि दोनों फिल्मों का निर्माण होम्बले फिल्म्स द्वारा किया जा सकता है। प्रशांत नील के साथ अजित की पहली फिल्म को अस्थाई नाम एके 65 दिया जा सकता है, इसका काम अगले साल शुरू होगा और 2026 में फिल्म को रिलीज कर दिया जाएगा। वहीं, केजीएफ 3 उनकी 65वीं या 66वीं फिल्म हो सकती है।

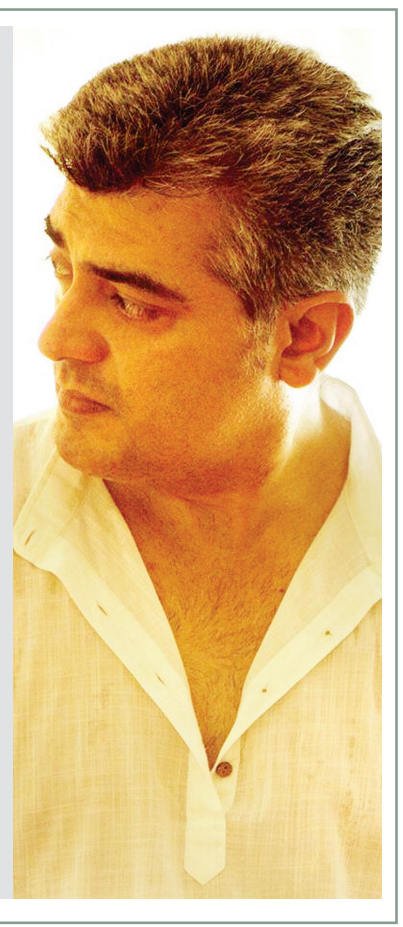

संक्षिप्त समाचार

ग्रीन स्टॉक की कीमतों में 14 प्रतिशत की उछाल, मिला है 14000 करोड़ रुपये का काम

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनी एसजेवीएन लिमिटेड के शेयरों में आज करीब 14 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह उछाल 14,000 करोड़ रुपये का नया ऑर्डर मिलने के बाद देखने को मिली है। कंपनी को यह काम नॉर्थ-ईस्टर्न स्टेट में मिला है। बता दें, बीएसई में कंपनी के शेयर 156.75 रुपये के लेवल पर खुला था। लेकिन कुछ ही मिनटों के बाद एसजेवीएन लिमिटेड के शेयर 13.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 159.60 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था।

क्या है पूरा काम- एसजेवीएन लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि मिजोरम सरकार ने दार्जो लुई पंप भंडारण का कंपनी को सौंपा है। कंपनी को यह काम तुईवई नदी पर करना है। एसजेवीएन लिमिटेड को 2400 मेगावाट का काम मिला है। बता दें, इस प्रोजेक्ट की कुल कीमत 13,947.50 करोड़ रुपये का मिला है। एसजेवीएन लिमिटेड ने कहा है कि उन्हें 72 महीने में यह काम पूरा करना है। 3 महीने में इस डील से जुड़ी पूरी प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। बता दें, इरेडा के साथ एसजेवीएन को 900 मेगावाट का हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का काम नेपाल में मिला है।

2024 में कंपनी के शेयरों का भाव 67 प्रतिशत बढ़ा- इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में इस साल अबतक 67 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 155 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बता दें, कंपनी में सरकार की कुल हिस्सेदारी 55 प्रतिशत की है। वहीं, पब्लिक के पास 11.83 प्रतिशत है।

मेटल कंपनियों के शेयर चमके, बैंकिंग स्टॉक लुढ़के

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में लगातार चल रही गिरावट पर आज ब्रेक के बीच मेटल कंपनियों के शेयर चमक रहे हैं। निफ्टी मेटल इंडेक्स 2.13 पर्सेंट ऊपर है और इसमें शामिल सभी 15 कंपनियों के शेयर हरे निशान पर हैं। वहीं, बैंक निफ्टी और प्राइवेट बैंक इंडेक्स लाल निशान पर हैं। ऑटो कंपनियों के शेयरों में उछाल की वजह से यह इंडेक्स 1.19 पर्सेंट ऊपर है। फाइनेंशियल सर्विसेज भी हरे निशान पर है। एनएडीसी इंडेक्स लीडर- मेटल कंपनियों की बात करें तो एनएडीसी इंडेक्स लीडर है। इसमें 3 फीसद से अधिक की बढ़त है। जिंदल स्टील, वेदांता, जेएसडब्ल्यू स्टील, वेलस्पन कॉर्प, सेल, टाटा स्टील, हिन्डाल्को और हिंद कॉपर में दो फीसद से अधिक की तेजी है। ऑटो कंपनियों की बात करें निफ्टी ऑटो इंडेक्स में शामिल 16 में से केवल 3 स्टॉक्स लाल है। अशोक लेलैंड इंडेक्स टॉपर है। इसमें 6 फीसद से अधिक की तेजी है। भारत फोर्ज में 4 फीसद से अधिक की उछाल है। टीवीएस मोटर्स में 2.76, आयशर मोटर्स में 2.25, बाल कृष्ण में 2.41 पर्सेंट की तेजी है।

बजट का असर ड्राई फ्रूट्स की कीमत पर भी

नईदिल्ली, एजेंसी। इन दिनों डॉलर के मुकाबले रुपया रिकार्ड लो स्तर पर है। कल ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपना रुपया गिरावट के साथ 63.72 रुपये पर बंद हुआ। इसका असर अन्य चीजों के अलावा ड्राई फ्रूट्स पर भी दिख रहा है। इस समय बाजार में काजू, किशमिश, बादाम, अखरोट, सभी के दाम भी बढ़ गए हैं। इसकी वजह से आने वाले दिनों में मिठाइयों के दाम बढ़ने के आसार हैं। जिससे त्योहारी सीजन में लोगों की जेब ढीली हो सकती है।

इन ड्राई फ्रूट्स के पीछे महंगा डॉलर- कारोबारियों के मुताबिक, विदेशी करंसी रुपया के मुकाबले महंगी हुई है। इसके अलावा ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई प्रभावित होने के चलते इनके दाम में तेजी आई है। उल्लेखनीय है दिल्ली के थोक ड्राई फ्रूट्स मार्केट खारी बावली में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों से ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई होती है।

काजू की बढ़ गई है डिमांड- एक कारोबारी ने बताया कि बीते 20 दिनों से काजू के साथ बादाम की डिमांड बढ़ गई है। सबसे ज्यादा डिमांड चार टुकड़े काजू की है। इसका इस्तेमाल मिठाइयों में किया जाता है। क्योंकि त्योहारी सीजन अब शुरू होने वाला है। बड़ी-बड़ी कंपनियों जो मिठाई बनाती हैं, उन्होंने खरीदारी शुरू कर दी है। इसकी वजह से काजू के दाम में बढ़ोतरी हुई है।

दक्षिण अफ्रीका से आता है काजू- दिल्ली किराना कमिटी के अध्यक्ष नंद किशोर बंसल ने बताया कि काजू की सप्लाई सबसे ज्यादा दक्षिण अफ्रीका से होती है। लेकिन कुछ दिनों से सप्लाई प्रभावित होने के चलते रॉ मटीरियल की कमी आई, जिससे काजू के दाम में बढ़ोतरी हुई है। ईरानी मामरा बादाम के दाम में भी बढ़ोतरी हुई है। इसके पीछे का कारण वहां करंसी में हुआ उतार-चढ़ाव है।

बाजार में क्या है भाव

रिटेल कारोबारी प्रवीन गोयल ने बताया कि इन बीते 20 दिन में 1,000 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिकने वाली काजू की कीमत 1,200 रुपये किलो हो गई है। ईरानी मामरा बादाम जो पहले 2,000 रुपये प्रति किलो बिकता था, उसकी कीमत अब 2,600 रुपये तक पहुंच गई है। सूत्रों का दावा है कि आने वाले दिनों में ड्राई फ्रूट्स के दाम में और तेजी आ सकती है।

रुपया कहां है

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया एक पैसे कमजोर होकर 83.72 (अस्थायी) के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मांग और भारत से विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक घरेलू मुद्रा में यह गिरावट भारतीय शेयर बाजार में गिरावट के बाद आई है। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा बजट में पूंजीगत लाभ पर कर की दर बढ़ाने की घोषणा के बाद शेयर बाजार नीचे आ रहे हैं।

यूनिवर्सल म्यूजिक स्टॉक को लगा बड़ा झटका, स्ट्रीमिंग और सब्सक्रिप्शन रेवेन्यू में आई कम

नईदिल्ली, एजेंसी। यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप को एक बड़ा झटका लगा है। कंपनी के शेयर में आज 24 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी ने खुलाया किया कि उनके स्ट्रीमिंग और सब्सक्रिप्शन सेवाओं से रेवेन्यू उम्मीद से काफी कम आया है। यह गिरावट ग्रुप के बाजार मूल्य में 16 बिलियन डॉलर (भारतीय मुद्रा के हिसाब से करीब 1600 करोड़) की गिरावट को दर्शाती है, जिसमें टेलर स्विफ्ट, ड्रेक, एडेल और बिली इलिश जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

जानें क्या है इस गिरावट का कारण- इस गिरावट का कारण इसकी स्ट्रीमिंग और सब्सक्रिप्शन रेवेन्यू के औसत परिणाम हैं। कंपनी की दूसरी तिमाही की सदस्यता आय में विदेशी मुद्रा (एफएक्स) को छोड़कर साल-दर-साल 6.9 फीसदी की वृद्धि हुई। यह पहली तिमाही में 12.5 प्रतिशत से कम है। तीसरी तिमाही में स्ट्रीमिंग राजस्व में 3.9 फीसदी की कमी देखने को मिली, जो त्त्था में दर्ज 10.3 प्रतिशत की वृद्धि से काफी रिवर्स है। इस कमी के लिए मुख्य विज्ञापन-आधारित प्लेटफॉर्म भागीदारों में वृद्धि में मंदी और सौदे के नवीनीकरण के समय से संबंधित कुछ प्लेटफॉर्म पर कमी को जिम्मेदार ठहराया गया।

मई में यूएमजी ने मेटा प्लेटफॉर्म्स के साथ अपनी साझेदारी समाप्त कर दी थी, जो कि फेसबुक के लिए प्रीमियम संगीत वीडियो का लाइसेंस दे रहा था। यूएमजी को नए लाइसेंसिंग समझौते को लेकर टिक टॉक के साथ हाई-प्रोफाइल लड़ाई के दौरान एक महीने के रेवेन्यू का भी नुकसान हुआ।

अडानी की नौ कंपनियों में विदेशी निवेशकों ने घटाई हिस्सेदारी, एलआईसी ने दो में बढ़ा दी

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी का फायदा उठाते हुए विदेशी निवेशकों ने जून तिमाही में जमकर मुनाफावसूली की। ताजा आंकड़ों के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने जून तिमाही में अडानी ग्रुप की दस कंपनियों में से नौ में अपनी हिस्सेदारी कम कर दी। इस दौरान देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी ने अंडरपरफॉर्म करने वाले अडानी ग्रुप के दो शेयरों अडानी एनर्जी और अडानी एंटरप्राइजेज में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई। इस साल अडानी ग्रुप के शेयरों में अडानी पोर्ट्स की प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। इस शेयर में इस कैलेंडर वर्ष में 45 प्रतिशत तेजी आई है। इसके अलावा अडानी पावर, अंबूजा सीमेंट्स और एसीसी ने भी अच्छा परफॉर्म किया है जबकि एनडीटीवी, अडानी टोटल गैस और अडानी विलमर ने निगेटिव रिटर्न दिया है।

अडानी ग्रुप के 10 शेयरों के शेयरहोल्डिंग पैटर्न पर नजर डालें तो जून तिमाही में एफआईआई ने अडानी एंटरप्राइजेज में अपनी

हिस्सेदारी 268 बेसिस पॉइंट कम की है। इसी तरह उन्होंने अडानी एनर्जी में 196 बीपीएस, अंबूजा सीमेंट्स में 150 बेसिस पॉइंट, अडानी पावर में 118 बीपीएस और अडानी ग्रीन एनर्जी में 124 बीपीएस हिस्सेदारी बेची है। विदेशी निवेशकों ने जून तिमाही में केवल अडानी पोर्ट्स में अपनी हिस्सेदारी में 21 बीपीएस का इजाफा किया है। इस कंपनी को अडानी ग्रुप की दुधारू गाय कहा जाता है।

एलआईसी ने किस पर लगाया दांव

दूसरी ओर देश की सबसे बड़ी संस्थागत निवेशक एलआईसी ने एसीसी, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी पोर्ट्स और अडानी टोटल गैस में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखी है। सरकारी बीमा कंपनी ने अंबूजा सीमेंट्स में अपनी हिस्सेदारी 62 बीपीएस घटाकर 5.07 प्रतिशत कर दी है। अडानी एनर्जी में एलआईसी की हिस्सेदारी 68 बीपीएस की बढ़ोतरी के साथ 3.68 प्रतिशत हो गई है जबकि अडानी एंटरप्राइजेज में यह 14 बीपीएस की बढ़ोतरी के साथ 4.07 प्रतिशत पहुंच गई है। अडानी एनर्जी का शेयर इस साल सपाट रहा है जबकि अडानी एंटरप्राइजेज में चार फीसदी की मामूली बढ़ोतरी हुई है। हालांकि म्यूचुअल फंड्स का अडानी ग्रुप के अधिकांश शेयरों पर भरोसा बना हुआ है। एसीसी में म्यूचुअल फंड्स की होल्डिंग जून तिमाही में 122 बीपीएस बढ़ गई। इसी तरह अडानी पोर्ट्स में उनकी हिस्सेदारी में 22 बीपीएस और अडानी एनर्जी में 16 बीपीएस बढ़ी है। हालांकि अंबूजा सीमेंट्स में उन्होंने अपनी हिस्सेदारी घटाई है। संयोग की बात है कि रिटेल इनवेस्टर्स ने भी इसी शेयर में अपनी हिस्सेदारी कम की है। इस दौरान छोटे निवेशकों ने अडानी ग्रुप के नौ शेयरों में हिस्सेदारी बढ़ाई। पांच कंपनियों अंबूजा सीमेंट्स, अडानी पावर, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी एनर्जी में प्रमोटर हिस्सेदारी में बढ़ोतरी हुई।

बारिश के मौसम में बालों में तेल लगाना फायदेमंद: डॉ. शिल्पा वोरा

नई दिल्ली, एजेंसी। बारिश का मौसम आने से हमें चिलचिलाती गर्मी से तो बेहद जरूरी राहत मिलती है, लेकिन हवा में नमी बढ़ने से बालों की देखभाल में कई चुनौतियां भी सामने आती हैं। मौसम में बदलाव से हमारे बाल अक्सर बेजान, रूखे और उलझे हुए हो जाते हैं, जिससे बालों का नुकसान होने लगता है। लगातार बारिश होने से सिर की त्वचा गीली और चिपचिपी हो जाती है, जिससे बालों का झड़ना बढ़ जाता है और बाल काफी रुखे, निस्तेज हो जाते हैं और उलझते हैं। मैरिको लिमिटेड में अनुसंधान और विकास विभाग की प्रमुख अधिकारी डॉ. शिल्पा वोरा ने बारिश के मौसम में बालों की देखभाल की अहमियत पर जोर देते हुए कहा, ''मॉनसून के दौरान बालों को हानि से बचाने के लिए उनकी नियमित रूप से तेल से मालिश करना जरूरी है। नियमित रूप से तेल लगाने से बाल जड़ों से मजबूत होते हैं और इससे बालों को कम से कम नुकसान पहुंचता है। सबसे अच्छे परिणाम पाने के लिए आप पैराशूट एडवांस्ड गोल्ड हेयर ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

वाहन क्षेत्र में पासा पलटने वाली होगी एआई इंटीग्रेशन एवं न्यू एज इन व्हीकल टेक्नोलॉजीज़

नई दिल्ली, एजेंसी। कनेक्ट वर्ल्डवाइड बिज़नेस मीडिया द्वारा आयोजित ईवी एंड ऑटो टेक इन्नोवेशन फोरम में एकत्रित हुए उद्योग विशेषज्ञों के मुताबिक, एडीएएस, एआई, सॉफ्टवेयर परिभाषित वाहनों, इलेक्ट्रिक वाहनों, इन-व्हीकल कनेक्टिविटी और कनेक्टेड व्हीकल जैसी उभरती प्रौद्योगिकियां वाहन उद्योग में पासा पलटने जा रही हैं। इस एक दिवसीय आयोजन में वाहनों का सॉफ्टवेयरीकरण या सॉफ्टवेयर परिभाषित वाहन (एसडीवी) ने भारत में वाहन उद्योग को लेकर चिंतन करने वाले नेताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस फोरम में प्रमुख उद्योगपतियों और भागीदारों ने प्रतिभाग किया और भारत में वाहन उद्योग की भावी रूपरेखा पर चर्चा की। इस फोरम के दौरान, उद्योग के नेताओं ने वाहन उद्योग में धमाल मचा रहे कनेक्टेड व्हीकल्स एवं ईवी में सॉफ्टवेयर

एकीकरण के साथ ही पैसेंजर कारों की कनेक्टेड मोबाइल टेक्नोलॉजीज़ में उभरते नवप्रवर्तन को लेकर गहन चर्चा की।

यह ईवी एंड ऑटोटेक इन्नोवेशन फोरम 2024, अगले एक दशक में दोपहिया वाहन के ऑटोटेक रुख, हार्डवेयर- सॉफ्टवेयर एकीकरण, ईवी बैटरी टेक्नोलॉजी में उभरती रूपरेखा और सॉफ्टवेयर परिभाषित वाहनों एवं एडीएएस के प्रमुख रुखों पर केंद्रित रहा। पैनल परिचर्चा में हिस्सा लेने वाले कुछ प्रमुख उद्योगपतियों में मीडियाटेक की ऑटोमोटिव प्लेटफॉर्म बिजनेस यूनिट के कॉरपोरेट उपाध्यक्ष डाक्टर माइक चांग, मारुति सुजुकी के वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं आईवीआई के प्रमुख अवनीश गोसांई, मीडियाटेक के उपाध्यक्ष (आईओटी बीयू) सीके वांग, जियो के उपाध्यक्ष एवं आईओटी के वर्टिकल हेड मोहन राजू, टीवीएस के उपाध्यक्ष (इंजीनियरिंग) पराग अशोक ईनामदार और वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज़ के उपाध्यक्ष (आटोमोटिव) बालाजी राघवन आदि शामिल रहे। 'हैलो वर्ल्ड, डिसरप्ट दि फ्यूचर' थीम पर दिनभर चले इस कार्यक्रम को विश्व की अग्रणी फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ने ऑटोटेक साझीदार के तौर पर सहयोग दिया। यह कंपनी सालाना करीब दो अरब कनेक्टेड डिवाइसेस को ताकत प्रदान कर रही है।

ईवी एंड ऑटोटेक इन्नोवेशन फोरम को संबोधित करते हुए मीडियाटेक के कॉरपोरेट उपाध्यक्ष एवं ऑटोमोटिव प्लेटफॉर्म बिजनेस यूनिट के महाप्रबंधक माइक चांग ने कहा, भारत विश्व के सबसे अग्रणी ऑटोमोटिव ग्रोथ हब्स में एक है और इस प्रकार से यह हमारे लिए एक प्रमुख बाजार है। दुनियाभर में वाहन परिदृश्य तेजी से बदल रहा है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 30 जून, 2024 को समाप्त अवधि में दर्ज किया 7,033 करोड़ रुपये का नया व्यवसाय प्रीमियम

मुंबई , एजेंसी। देश की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 30 जून, 2024 को समाप्त अवधि के दौरान 7,033 करोड़ रुपये का नया व्यवसाय प्रीमियम दर्ज किया, जबकि 30 जून, 2023 को समाप्त अवधि के दौरान यह 6,207 करोड़ रुपये था। 30 जून, 2023 को समाप्त इसी अवधि के मुकाबले नियमित प्रीमियम में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

SBI Life
Apne liye. Apno ke liye.

एसबीआई लाइफ के सुरक्षा (प्रोटेक्शन) पर स्पष्ट रूप से ध्यान देने के मद्देनजर, कंपनी का प्रोटेक्शन से संबद्ध नया व्यवसाय प्रीमियम, 30 जून, 2024 को समाप्त अवधि के दौरान 720 करोड़ रुपये रहा। प्रोटेक्शन इंडिविजुअल नया व्यवसाय प्रीमियम 30 जून, 2024 को समाप्त अवधि के लिए 150 करोड़ रुपये रहा। इंडिविजुअल नया व्यवसाय प्रीमियम 30 जून, 2023 को समाप्त इसी अवधि की तुलना में 17 प्रतिशत वृद्धि के साथ 4,749 करोड़ रुपये रहा।

एसबीआई लाइफ का कर पश्चात लाभ 30 जून, 2024 को समाप्त अवधि के दौरान 520 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का सॉल्वेंसी अनुपात 30 जून, 2024 को 2.01 के स्तर पर मज़बूत बना रहा, जबकि नियामक अनिवार्यता 1.50 है। एसबीआई लाइफ के एयूएम भी वृद्धि जारी रही और यह 30 जून, 2024 तक 26 प्रतिशत बढ़कर 4,14,772 करोड़ रुपये हो गया जो 30 जून, 2023 को 3,28,283 करोड़ रुपये था, जिसमें ऋण-इक्विटी मिश्रण 62-38 है। 95 प्रतिशत से अधिक ऋण निवेश, एएए और सॉवरेन इंस्ट्रूमेंट में है।

कंपनी के पास 3,27,038 प्रशिक्षित बीमा पेशेवरों का विविधीकृत वितरण नेटवर्क है और देश भर में 1,062 ऑफिस के साथ इसकी उपस्थिति व्यापक है, जिसमें मज़बूत बैंकेश्योरेंस चैनल, एजेंसी चैनल और कॉर्पोरेट एजेंट, ब्रोकर, पॉइंट ऑफ सेल पर्सन (पीओएस), बीमा मार्केटिंग फर्म, वेब एग्रीगेटर और प्रत्यक्ष व्यवसाय शामिल हैं।

जुलाई महीने में महिंद्रा ट्रक और बसों की 5 नई डीलरशिप का उद्घाटन

5 नई डीलरशिप से कुल मिलाकर 2.5 लाख वर्ग फीट का इन्फ्रास्ट्रक्चर और ग्राहक सेवा के लिए कार्यशालाओं में 37 बे जुड़ेंगे

पुणे , एजेंसी। वित्त वर्ष 24 में बिजनेस वॉल्यूम में 46 प्रतिशत की मजबूत 4 साल की सीएजीआर वृद्धि के बाद, महिंद्रा के ट्रक और बस डिवीजन (एमटीबीडी) ने जुलाई के महीने में भारत के चार राज्यों में अपनी 5 नई अत्याधुनिक डीलरशिप का उद्घाटन किया। इनमें 37 सर्विस बे शामिल हैं जो प्रतिदिन 75 से अधिक वाहनों की सर्विस कर सकते हैं, साथ ही ड्राइवर लॉजिंग, 24 घंटे ब्रेकडाउन सहायता और एडब्लू उपलब्धता भी प्रदान करते हैं। इस अवसर पर महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के बिजनेस हेड - कमर्शियल व्हीकल्स श्री जलज गुप्ता ने कहा, ''भारत के कमर्शियल व्हीकल्स के बाजार में महिंद्रा के ट्रक और बस डिवीजन (एमटीबीडी) की मजबूत उपस्थिति है, जिसने पहले ही कई क्षेत्रों और बाजारों में नंबर 3 स्थान हासिल कर लिया है। हमें विश्वास है कि हमारे नेटवर्क में इन 5 नई डीलरशिप के जुड़ने से हमारी पहुंच का विस्तार करने में मदद मिलेगी। नई डीलरशिप हमारे ग्राहकों को वाहनों की सर्विसिंग में मदद करेगी और उनके बेड़े को देखभाल के लिए अधिक समय प्रदान करेगी। हम आगे के अवसरों को लेकर उत्साहित हैं और अपने सम्मानित ग्राहकों को इनोवेटिव और बेहतर परिवहन समाधान प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।'' श्री गुप्ता ने महिंद्रा के वाहनों की बेहतर तकनीकी क्षमता के बारे में जोर देते हुए ठै6 व्ठक् प्प् रेंज के ट्रकों के लिए नई माइलेज गारंटी 'ज्यादा माइलेज नहीं तो ट्रक वापस' को भी लॉन्च किया, जो ट्रांसपोर्टरों के लिए लाभ के अवसरों को बढ़ाती है। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत डीलर भागीदारों के साथ मिलकर ये अत्याधुनिक 3एस सुविधाएं उच्च ग्राहक सेवा मानक स्थापित करेंगी और महिंद्रा के ट्रक और बस डिवीजन कारोबार का विस्तार करेंगी।

यूथ आइडियाथॉन 2024: सीबीएसई ने स्कूली विद्यार्थियों के लिए भारत की सबसे बड़ी उद्यमशीलता प्रतिस्पर्धा लांच की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी उद्यमशीलता शिक्षा प्लेटफॉर्म थिंकस्टार्टअप और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के अंतर्गत मैनेजमेंट आंत्रप्रिन्योरशिप प्रोफेशनल स्किल्स काउंसिल (एमईपीएससी) ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के साथ मिलकर यूथ आइडियाथॉन (वाईआई24) का चौथा संस्करण लांच करने की आज घोषणा की। इस प्रतिष्ठित स्कूल स्तरीय नवप्रवर्तन एवं उद्यमशीलता उत्सव का लक्ष्य देशभर में युवाओं में रचनात्मकता को तराशना और उद्यमशीलता की भावना पैदा करना है।

इस वर्ष के यूथ आइडियाथॉन की थीम है स्टार्टअप भारत के लिए अच्छी चीज़ है। पांच चरणों वाली यह प्रतिस्पर्धा शुरुआती चरणों में ऑनलाइन आयोजित की जाएगी और यह दो वर्गो- जूनियर (कक्षा 4 से कक्षा 8) और सीनियर (कक्षा 9

से कक्षा 12) में देशभर के सभी स्कूली विद्यार्थियों के लिए खुली है। विद्यार्थी अपने स्कूल से 3 से 5 सदस्यों की टीमों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह 6 अक्टूबर, 2024 को एक भव्य समारोह में संपन्न होगी। पिछले वर्ष के यूथ आइडियाथॉन ने 8000 से अधिक स्कूलों से 1.5 लाख से अधिक विद्यार्थियों को आकर्षित किया था और वर्ष 2024 में इसने 10,000 स्कूलों से 2 लाख से अधिक विद्यार्थियों के प्रतिभाग का लक्ष्य रखा है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत सीबीएसई के निदेशक (कौशल शिक्षा एवं प्रशिक्षण) डाक्टर बिस्वजीत साहा ने कहा, उद्यमशीलता इस नई शिक्षा नीति 2020 का एक आवश्यक स्तंभ है और भारत सरकार ने सभी विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की सोच पैदा करने के लिए कई कदम उठाए हैं। यूथ आइडियाथॉन प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों को साहस के साथ सोचने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने की सहूलियत देता है।

पेरिस ओलंपिक

हॉकी की नई नर्सरी बना मिट्ठापुर, आज मैच में जालंधर के खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

जालंधर (एजेंसी)। गांव को किसी समय में हाकी की नर्सरी कहा जाता था। यहां से कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकले थे। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में गांव मिट्ठापुर ने भारतीय हाकी टीम को कई ओलिंपियन और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं। इस कारण संसारपुर की जगह मि?ट्ठापुर लेता हुआ दिख रहा है और अब इसे हाकी की नई नर्सरी के रूप में जाना जा रहा है।

पिछले ओलिंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय हाकी टीम में कप्तान सहित तीन खिलाड़ी मिट्ठापुर गांव से ही संबंधित थे। इनमें तत्कालीन

कप्तान मनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह और वरुण कुमार शामिल थे। इनमें से मनप्रीत और मनदीप इस बार भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

मिट्ठापुर के कुछ खिलाड़ियों ने पिछले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। पहले गांव में स्थित दर्शन सिंह केपी हाकी स्टेडियम में कई वर्षों से टर्फ नहीं लगी थी। खिलाड़ी घास वाले मैदान में अभ्यास करते थे। तुब लोगों ने इसी गांव से निकले ओलिंपियन व तत्कालीन खेल मंत्री परगट सिंह के समक्ष टर्फ बिछाने की मांग उठाई थी। उस समय परगट सिंह ने भी युवाओं का जज्बा देखते हुए स्टेडियम में टर्फ बिछाने के लिए 6.85 करोड़ रुपये की ग्रांट जारी की थी। इस राशि से स्टेडियम की चारदीवारी और लाइटें भी लगाई जानी थीं। अब मैदान में टर्फ बिछ चुकी है और स्टेडियम का उद्घाटन होना है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान जल्द ही इसका उद्घाटन कर सकते हैं। पेरिस ओलिंपिक में मनप्रीत और मनदीप के अलावा जालंधर के गांव खुसरोपुर से हार्दिक सिंह व रामा मंडी के सुखजीत सिंह भी शामिल हैं।

केएससीए-टी-20 में राहुल द्रविड़ का बेटा मचाएगा धमाल

मैसूर (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच और कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 के आगामी सीजन के लिए मैसूर वॉरियर्स ने अपने साथ जोड़ लिया है। वॉरियर्स ने मध्यक्रम के बल्लेबाज और सीमर को 50,000 रुपए में मैसूर ने अपने साथ जोड़ा है। मैसूर प्रबंधन ने एक्स पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा कि उनका हमारी टीम में

होना अच्छा है क्योंकि उन्होंने केएससीए के लिए विभिन्न आयु वर्ग के टूर्नामेंटों में काफी संभावनाएं दिखाई हैं।

समित उस कर्नाटक अंडर-19 टीम का हिस्सा थे जिसने इस सीज़न की कूच बिहार ट्रॉफी जीती थी, और वह इस साल की शुरुआत में मेहमान लंकाशायर टीम के खिलाफ केएससीए इलेवन के लिए भी खेल चुके हैं। पिछले सीज़न के उपविजेता वॉरियर्स का नेतृत्व करुण नायर करेंगे और इसकी गेंदबाजी भारत के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की मौजूदगी से मजबूत होगी, जिन्हें 1 लाख रुपए में खरीदा गया था। नायर को फ्रैंचाइजी ने बरकरार रखा था।

विमेंस एशिया कप के फाइनल में पहुँचा भारत

दांबुला (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकतरफा बांग्लादेश को रौंदते हुए एशिया कप 2024 के खिताबी मुकाबले का टिकट कटा लिया। दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में उसने बांग्लादेश पर 10 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की। मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया और टीम 8 विकेट के नुकसान पर 80 रन ही बना पाई। जवाब में भारतीय टीम ने कमाल का प्रदर्शन किया। ओपनर शेफाली वर्मा ने 28 गेंदों में 2 चौके 37 रनों की पारी खेली, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना ने 39 गेंदों में 9 चौके और 1 छक्के के दम पर 55 रन ठोके। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम को अभी तक टूर्नामेंट में कोई हरा नहीं पाया है।

भारतीय टीम का जोरदार आगाज

छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने जोरदार आगाज किया। ओपनर शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने जमकर ठुकाई करते हुए 5 ओवरों में स्कोरकार्ड पर 45 रन टांग दिए। इस दौरान विपक्षी टीम एक भी विकेट नहीं ले सकी। शेफाली 13 गेंदों में 17 और मंधाना 17 गेंदों में 27 रन बनाकर नाबाद रहीं।

शेफाली वर्मा-स्मृति मंधाना के तूफान में उड़ा बांग्लादेश

बांग्लादेश की पारी 80 रनों पर हुई समाप्त

भारत के खिलाफ मुकाबले में बांग्लादेश की टीम पारी के आखिरी पांच ओवर में सिर्फ 31 रन ही बना पाई। इस तरह टीम ने निर्धारित 20 ओवर के खेल में 8 विकेट के नुकसान पर 80 रन का स्कोर खड़ा किया। बांग्लादेश की तरफ से सबसे ज्यादा निगार सुल्ताना ने 31 रनों का योगदान दिया। इसके अलावा सोरना अख्तर ने 19 रनों का योगदान दिया। बॉलिंग में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रेणुका सिंह और राधा यादव ने तीन-तीन विकेट लिए।

भारतीय गेंदबाजों के आगे बांग्लादेश की हालत खराब

भारत के खिलाफ मुकाबले में बांग्लादेश की हालत 10 ओवर के खेल तक और खराब हो गई। 10 ओवर की समाप्ति तक टीम ने सिर्फ 32 रन बनाए, जिसमें उन्होंने अपने चार विकेट गंवाए। इस समय तक टीम के लिए निगार सुल्ताना 10 रन और रबिया खान एक रन बनाकर उनका साथ दे रही थी।

5 ओवर के बाद बांग्लादेश: 21-3, सभी विकेट रेणुका सिंह के नाम

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी बांग्लादेश टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने शुरुआती 5 ओवरों में 3 विकेट खोकर सिर्फ 21 रन बनाए। उसके सभी 3 विकेट भारत की स्टार गेंदबाज रेणुका सिंह के नाम रहे। रेणुका सिंह की पहली शिकार दिलारा अख्तर बनीं, जिन्हें उमा छेत्री ने कैच किया। वह 4 गेंदों में 6 रन बना सकीं, जबकि तीसरे ओवर में रेणुका ने इश्मा तंजीम को 8 रन पर तनुजा के हाथों कैच आउट कराया। रेणुका सिंह की तीसरी शिकार मुर्शिदा खातुन बनीं, जिनका जबरदस्त कैच शेफाली वर्मा ने डाइव लगाकर लपका।

निगार सुल्ताना ने संभाला रखा है मोर्चा

15 ओवर की समाप्ति तक बांग्लादेश की महिला टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 49 रन बना लिए। टीम लगातार एक छोर से अपना विकेट गंवा रही है, लेकिन निगार सुल्ताना ने अकेले भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ मोर्चा संभाल रखा है। भारत की गेंदबाज लगातार बांग्लादेशी टीम पर अपना दबाव बनाए हुए है।

पेरिस ओलंपिक 2024

आज लगातार तीसरा पदक जीतने उतरेगी सिंधु, सात्विक-चिराग की निगाह गोल्ड पर

पेरिस (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ओलंपिक में शनिवार से शुरू होने वाली बैडमिंटन प्रतियोगिता के पुरुष युगल में स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी जबकि पीवी सिंधु लगातार तीसरा पदक जीत कर भारतीय खेलों में नया इतिहास रचने की कोशिश करेगी। सिंधु ने पिछले दो ओलंपिक खेलों में रजत और कांस्य पदक जीता था तथा पेरिस में हैट्रिक पूरी करने के लिए उन्हें बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने के अपने अनुभव का अच्छी तरह से इस्तेमाल करना होगा।

जहां तक सात्विक और चिराग का सवाल है तो पेरिस उनके लिए भाग्यशाली साबित हुआ है। उन्होंने इस साल फ्रेंच ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता था। अश्विनी पोनप्पा के लिए यह अंतिम ओलंपिक हो सकता है। वह महिला युगल में तनीषा क्रैस्टो के साथ मिलकर भारतीय चुनौती पेश करेगी। पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य से भी पहली बार ओलंपिक खेलों में अपनी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनों ने भी पदक को अपना लक्ष्य बनाया है। इन दोनों में से हालांकि एक ही पदक जीत सकता है क्योंकि ग्रुप चरण से आगे बढ़ने पर प्री क्वार्टर फाइनल में यह दोनों खिलाड़ी आमने-सामने होंगे।

भारत के एकल खिलाड़ियों का ओलंपिक से पहले प्रदर्शन उतार चढ़ाव वाला रहा लेकिन पुरुष युगल में सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन किया। इस साल वह चार प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंचे हैं और उन्होंने दो खिताब जीते हैं। सात्विक और चिराग को तीसरी वरीयता दी गई है। उन्हें इंडोनेशिया के मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन फजर अल्फियन और मुहम्मद रियान अर्दिआंतो, जर्मनी के मार्क लैम्सफस और मार्विन सेडेल तथा फ्रांस के लुकास कोरवी और रोनन लाबार के साथ ग्रुप सी में रखा गया है।

ओलंपिक से पहले सिंधु की फॉर्म अच्छी नहीं रही है लेकिन उन्होंने प्रकाश पादुकोण की निगरानी में पिछले कुछ महीनो से कड़ा अभ्यास किया है और वह ओलंपिक पदक की हैट्रिक पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सिंधु की पदक की राह में एन से यंग, चेन यू फी, ताई त्जु यिंग और कैरोलिना मारिन जैसी खिलाड़ी रोड़ा बन सकती हैं लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय खिलाड़ी बड़ी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करती रही है। ग्रुप चरण में उनका सामना एस्टोनिया की दुनिया की 75वें नंबर की खिलाड़ी क्रिस्टिन कुबा और मालदीव की 111वें नंबर की फातिमा रज्जाक से होगा।

नॉकआउट चरण में उनका सामना चीन की दो खिलाड़ियों

ही बिंगजियाओ और ओलंपिक चैंपियन चेन यू फेई से हो सकता है। पुरुष एकल में लक्ष्य को कोई वरीयता नहीं दी गई है। उन्हें अपने ग्रुप में इंडोनेशिया के तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी का सामना करना होगा जिनका भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ 4-1 का रिकॉर्ड है। लक्ष्य को नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए केविन कॉर्डन और बेल्जियम के जूलियन कैरागी को भी हराना होगा। प्रणय को ग्रुप के में वियतनाम के ले डुक फाट और जर्मनी के फैबियन रोथ जैसे कम रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के साथ रखा गया है। उन्हें आगे बढ़ने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अश्विनी और तनीषा को ग्रुप सी में जापान की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी चिहारू शिदा और नामी मात्सुयामा तथा दक्षिण कोरियाई किम सो यियोंग और कोंग ही योंग के साथ रखा गया है जिनसे उन्हें कड़ी चुनौती मिल सकती है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया की सेतियाना मापासा और एंजेला यू भी हैं।

गंभीर के लिए अपने खिलाड़ियों को समझना मुख्य चुनौती: रवि शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि अनुभव के बावजूद भारतीय टीम के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए अपने खिलाड़ियों को समझना बड़ी चुनौती होगी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रिव्यू कार्यक्रम के दौरान शास्त्री ने कहा, 'खिलाड़ियों का प्रबंधन कोच का प्रमुख काम है। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह इसे कैसे करता है। उसके पास ये सब करने का पर्याप्त अनुभव और साधन है। वह खिलाड़ियों को जल्द से जल्द समझने का प्रयास करेगा कि उनकी क्या विशेषता है, वे किस तरह के इंसान हैं, उनका व्यक्तित्व और स्वभाव कैसा है। एक इंसान को समझने के लिए कई तरह के मानक होते हैं।

उन्होंने कहा, 'वह समकालीन है और मेंटॉर के रूप में उसका पिछला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र अच्छा गया है। उसकी उम्र भी सही है और वह अभी युवा भी है। वह नए आइडियाज के साथ टीम में आएगा। इसके अलावा वह अधिकतर खिलाड़ियों को करीब से जानता है क्योंकि खिलाड़ी और मेंटॉर के रूप में वह अलग-अलग आईपीएल टीमों का हिस्सा रहा है। कुल मिलाकर यह बिल्कुल ही एक नया और तरोताजा कदम है।

उन्होंने कहा, 'हम गौतम के बारे में जानते हैं वह एक सीधा-सादा आदमी है। उसके पास अपने आइडिया भी होंगे। उसके लिए सबसे अच्छी बात यह है कि उसके पास एक परिपक्व और स्थिर टीम है। भले ही आपको लगता हो कि आप परिपक्व हैं, लेकिन आपको नए आइडियाज से लाभ हो सकता है। इसलिए मुझे लगता है कि यह दिलचस्प समय होगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह उसका सबसे महत्वपूर्ण कार्य होगा।

आज सूर्यकुमार और गंभीर के नए युग में दबदबा बरकरार रखने के लिए उतरेगा भारत

पालेकल (श्रीलंका) (एजेंसी)। गौतम गंभीर और सूर्यकुमार यादव की नवनियुक्त कोच और कप्तान की जोड़ी के साथ भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाली तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला में अपनी विशेष छाप छोड़ने की कोशिश करेगी। दो बार के विश्व कप विजेता गंभीर मुख्य कोच के रूप में जबकि टी20 के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक सूर्यकुमार खेल के इस छोटे प्रारूप में कप्तान के रूप में अपनी नई पारी शुरू करेंगे।

गंभीर आईपीएल में कप्तान और मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में काफी सफल रहे हैं। वह राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे जिनके कोच रहते हुए भारत ने अच्छी सफलताएं हासिल की थी। द्रविड़ के मुख्य कोच रहते हुए भारत ने आईसीसी प्रतियोगिताओं में तीनों प्रारूप के

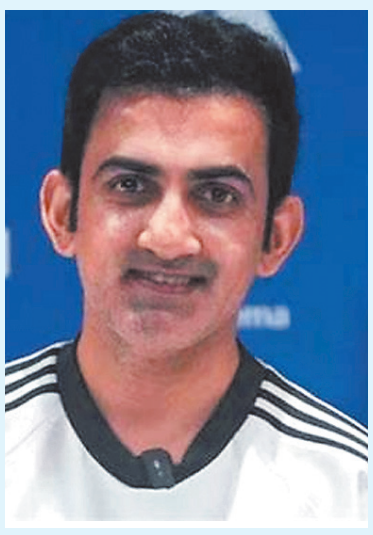

फाइनल में जगह बनाई तथा गंभीर को अब इन सफलताओं को नए मुकाम पर पहुंचाना होगा। सूर्यकुमार को कप्तान बनाना थोड़ा हैरानी भरा फैसला रहा क्योंकि रोहित शर्मा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद हार्दिक पंड्या को इस पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा था। चयन समिति ने सूर्यकुमार के कप्तान के रूप में कम अनुभव को नजरअंदाज करके उन्हें टीम की कमान सौंपी है। अगला टी20 विश्व कप 2026 में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा तथा चयनकर्ताओं के पास उसके लिए टीम तैयार करने के लिए अभी काफी समय है। भारतीय टीम में यह बदलाव पिछले महीने विश्व कप जीतने तथा रोहित, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आया है।

मैंने अलग-अलग कप्तानों से काफी कुछ सीखा है-सूर्यकुमार

भारतीय टी20 टीम के नवनियुक्त कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि उन्होंने मैदान पर नेतृत्व करने का पूरा लुत्फ उठाया है तथा पिछले कई वर्षों में अलग-अलग कप्तानों की अगुवाई में खेलते हुए उन्होंने काफी कुछ सीखा है। भारतीय टीम के विश्व चैंपियन बनने के बाद रोहित शर्मा ने सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद उनकी जगह सूर्यकुमार को कप्तान ने किया गया। उन्हें हार्दिक पांड्या पर प्राथमिकता दी गई जिन्हें पहले टी20 टीम की कप्तानी का दावेदार माना जा रहा था। सूर्यकुमार कप्तान के रूप में अपनी शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाली तीन मैच की टी20 श्रृंखला से करेंगे। मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने बीसीसीआई टीवी से कहां, 'भले ही मैं कप्तान नहीं था लेकिन मैंने हमेशा मैदान पर नेतृत्वकर्ता की भूमिका का लुत्फ उठाया है। मैंने हमेशा अलग-अलग कप्तानों से काफी कुछ सीखा है। यह अच्छा एहसास और बड़ी जिम्मेदारी है। नए कप्तान सूर्यकुमार और नए मुख्य कोच गौतम गंभीर की मौजूदगी में भारतीय टी20 टीम नए दौर की शुरुआत करेगी। सूर्यकुमार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की तरफ से 2014 में गंभीर की अगुवाई में इंडियन प्रीमियर लीग में खेल चुके हैं और इन दोनों के आपस में काफी अच्छे संबंध हैं।

संक्षिप्त समाचार

सुलतानपुर से लखनऊ के रास्ते राहुल गांधी ने जाना जनता का हाल, मोची की दुकान पर रुके

सुलतानपुर , एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी यूपी के सुलतानपुर में आज एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश होने पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले में राहुल गांधी सुल्तानपुर की एक अदालत में पेश हुए। राहुल गांधी ने सुलतानपुर में आम जनता से भी मुलाकात की। कोर्ट से वापस लौटते समय राहुल गांधी एक दुकान पर रुके और दुकान चलाने वाले मोची से उन्होंने बातचीत की। राहुल गांधी कोर्ट से वापस लखनऊ एयरपोर्ट जाते समय सुलतानपुर जिले के गुप्तार गंज कस्बे में सड़क किनारे एक मोची की दुकान पर रुके। राहुल कूरेभार थाना क्षेत्र के विधायक नगर चौराहे के पास रुके। राहुल गांधी ने मोची से जूते बनाने के बारे में जानकारी की। उन्होंने मोची से जूते बनाने से होने वाली आमदनी के बारे में भी पूछा। मोची रामचेत ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि राहुल ने उन्हें जूता सिलते हुए देखा और सिलने से जुड़ी जानकारी ली। राहुल गांधी ने सुलतानपुर से लखनऊ के रास्ते में लोगों से बातचीत की। उन्होंने अपनी गाड़ी रोककर रास्ते में मिले छात्रों से भी उनकी समस्याएं सुनीं। नीट के छात्रों से राहुल गांधी ने पेपर लीक पर भी चर्चा की और उनसे जाना की पेपर लीक का क्या हल है। इस पर छात्रों ने कहा कि दोबारा परीक्षा होना ही हल है। छात्रों ने ये भी कहा कि उन्हें लगता है कि पेपर लीक हुआ है। गौरतलब हो कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान 2018 में राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था। इस मामले में सुल्तानपुर भाजपा जिला उपाध्यक्ष विजय मिश्रा ने उनके खिलाफ परिवाद दायर की थी। विजय मिश्रा ने 2018 में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया। इस साल फरवरी में राहुल गांधी को कोर्ट से इस मामले में जमानत मिली थी।

केशव प्रसाद मौर्य दिल्ली की वाईफाई का पासवर्ड हैं

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता की। अखिलेश् यादव ने कहा कि मौर्य जी दिल्ली के मोहरा हैं। वह दिल्ली के वाई फाई के पासवर्ड हैं। अब आप दिल्ली के वाई फाई के इस पासवर्ड का खेल देखिए। वैसे हमारा विंटर ऑफर खुला है। वह कोटा को लेकर पत्र लिख कर दोहरी भूमिका निभाना चाहते हैं। अखिलेश ने कहा कि यूपी में टॉप पदों पर कौन लोग बैठे है। यह भी देखिए। लोग सपा को जातिवाद बता रहे हैं। भाजपा के नेता खुद कह रहे हैं कि आज जैसा भ्रष्ट्चार पहले कभी नहीं रहा। पुलिस एनकाउंटर का रेट लगाती है। हत्याओं का दौर चल रहा है। बीजेपी के लोग ही कानून व्यवस्था बिगाड़ रहे है। दिल्ली व लखनऊ मिल कर काम करते तो ना जाने यूपी कितनी प्रगति कर लेता है। अखिलेश ने कहा कि अग्निवीर व्यवस्था को समाजवादी पार्टी कभी स्वीकार नहीं कर सकती। मैं खुद मिलिट्री स्कूल से पढ़ा हूँ, मेरे कई मित्र सेना में हैं। आप 5 ट्रिलियन इकोनॉमी की बात करते हैं तो आप नौजवान को फौज को पक्की नौकरी नहीं दे सकते? भाजपा के लोग बहुत परेशान हैं इस समय,उन्हें नही पता क्या मुद्दे इस समय उठाया जाए। मदरसों में पढ़ाई अच्छी होनी चाहिए। उनकी जो व्यवस्था थी बोर्ड की उसपर सरकार को ज्यादा हस्तक्षेप नही करना चाहिए।

छत्तीसगढ़ में कुल 19 लाख रूपये के इनामी पांच नक्सलियों का आत्मसमर्पण

रायपुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सली मोर्चे पर तैनात सुरक्षाबलों को उस बड़ी कामयाबी मिली जब एक साथ 5 नक्सलियों ने उनके सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इन सभी नक्सलियों के सिर पर सामूहिक रूप से कुल 19 लाख रुपए का इनाम घोषित था। हथियार डालने वाले नक्सलियों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं।

इस बारे में जानकारी देते हुए सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि इन नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया और बताया कि वे वरिष्ठ नक्सलियों द्वारा किए गए अत्याचारों और अमानवीय तथा खोखली माओवादी विचारधारा से निराश हैं। साथ ही सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने यह भी कहा कि वे राज्य सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति और कल्याणकारी योजनाओं से भी बहुत प्रभावित हैं।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में कवासी दुला (25), सोधी बुधरा (27) और मड़काम गांगी (27 वर्षीय महिला) शामिल हैं, जो कि प्लाटून नंबर 30 में डिप्टी कमांडर, सेक्शन कमांडर और सेक्शन ए कमांड के रूप में सक्रिय थे और इन पर 5-5 लाख रुपए का इनाम घोषित था। चव्हाण ने बताया कि सरेंडर करने वाली दो अन्य महिला कैडर पोडियाम सोमदी (25) और मड़काम आयते (35) है, जो कि प्लाटून नम्बर 30 की पार्टी सदस्य और माओवादियों की किस्टाराम एरिया कमेटी की दर्जी टीम की सदस्य है। इन दोनों पर 2-2 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सुकमा पुलिस के नक्सल विरोधी सेल की खुफिया शाखा और पड़ोसी राज्य ओडिशा की पुलिस ने उनका आत्मसमर्पण कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ये पांचों नक्सली कथित तौर पर पुलिस टीमों पर हमले करने और सड़कों को नुकसान पहुंचाने के मामले में शामिल थे।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सरेंडर करने वाले पांचों नक्सलियों को 25-25 हजार रुपए की आर्थिक मदद राज्य सरकार की तरफ से दी गई है और आगे भी सरकार की नीति के अनुसार उनका पुनर्वास किया जाएगा। इससे पहले बुधवार को सुरक्षाबलों ने प्रदेश के कोंडागांव जिले में पांच-पांच किलोग्राम के दो आइइडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बरामद किए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के इरागांव थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने दो आइइडी बरामद किए। उन्होंने बताया कि जिले के इरागांव और धनोरा थाना क्षेत्र के सुरक्षाबलों को मंगलवार को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। दल में डीआरजी और जिला बल के जवान शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि एक दल जब इरागांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोटकोडो, तमोरा और किलेनार गांव के करीब था तभी उन्हें नक्सलियों द्वारा आइइडी लगाए जाने की सूचना मिली। अधिकारियों ने बताया कि बाद में बम निरोधक दस्ते ने पांच-पांच किलोग्राम के दो आइइडी बरामद कर उन्हें घटनास्थल पर ही नष्ट कर दिया गया।

उदयपुर में घर के सामने शिक्षक की तलवार से हत्या, पिता पर भी किया हमला

उदयपुर, एजेंसी।
राजस्थान के उदयपुर के सलूंबर जिले में एक शिक्षक की धारधार हथियार से हत्या कर दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंची है। मौके पर अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक जावरमाइंस थाना क्षेत्र के अदवास गांव में गुरुवार देर शाम एक शिक्षक की तलवार से हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम शिक्षक शंकरलाल (40) पुत्र डालचंद मेघवाल की घर के सामने अज्ञात हमलावर ने तलवार से हत्या कर दी। मौके पर बीच बचाव के दौरान मृतक के पिता डालचंद पर हमला किया गया, जिससे वे गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिला पुलिस अधीक्षक अरशद अली ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घायल को नजदीकी चिकित्सालय जावद पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हत्या के आरोपी को नामजद कर उसकी धरपकड़ को लेकर पुलिस दल गठित कर अलग-अलग स्थानों पर रवाना कर दिए गए। प्रारम्भिक जांच में हत्या के पीछे कारणों का पता नहीं चल पाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस के मुताबिक ज्यादा खून बहने से पिता की हालत अभी गंभीर बनी हुई है। वहीं मृतक बेटा प्राथमिक स्कूल में शिक्षक था। मृतक के तीन बच्चे हैं। वहीं घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस हमलावर की तलाश कर रही है। वहीं पुलिस लाइन से अतिरिक्त जाब्ता भी तैनात किया गया है। वहीं मृतक शिक्षक के छोटे भाई प्रकाश मेघवाल ने कहा कि घटना के वक्त घर के पास ही था। जब तक दौड़कर पहुंचा। तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

राजस्थान पीटीईटी काउंसलिंग प्रक्रिया में बदलाव

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान पीटीईटी काउंसलिंग प्रक्रिया में बड़ा बदलाव कर दिया है। इस कदम से काउंसलिंग में कॉलेज अलॉट होने के बाद कई ऐसे स्टूडेंट्स के चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी जो अपने पसंद का कॉलेज न मिलने से परेशान थे। इस साल पीटीईटी काउंसलिंग में पहले जहां अपवर्ड मूवमेंट प्रक्रिया होती थी, अब इसके बजाय अभ्यर्थियों से कॉलेज बदलने के लिए वापस फ्रेश चॉइस भरवाई जाएगी। इसके लिए आप 28 जुलाई से आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन कर सकेंगे। री चॉइस का लिंक तभी एक्टिवेट कर दिया जाएगा। इसके लिए वर्धमान महावीर खुला विवि कोटा ने काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान अपवर्ड मूवमेंट का लिंक अधिकारिक वेबसाइट से हटा दिया है। अभी तक के पीटीईटी के नियमों के अनुसार अपवर्ड मूवमेंट में अभ्यर्थी की काउंसलिंग में भरी गई कॉलेज चॉइस में से आवंटित कॉलेज से ऊपर की बची चॉइस को ही शामिल किया जाता है। ऐसे में बाहरी जिले आवंटित होने वाले अभ्यर्थियों के लिए अपवर्ड मूवमेंट में भी दिक्कतें पेश आ रही थी। ऐसे में वीएमओयू ने 21 से 26 जुलाई तक अपवर्ड मूवमेंट के लिंक को बंद कर दिया था।

ऑफिशियल नोटिफिकेशन के अनुसार उम्मीदवार को सीट अलॉटमेंट उनके द्वारा राजस्थान PTET 2024 परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा, किसी भी उम्मीदवार को सीट उनके जिले या फिर स्थान के हिसाब से आवंटित नहीं की जाएगी। कॉलेज अलॉटमेंट करते समय उम्मीदवार द्वारा भरी गई वरीयता, फैकल्टी, टीचिंग विषय और कॉलेज की च्वॉइस भी देखी जाएगी।

राजस्थान में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश

4 डिग्री गिरा तापमान; वीकेंड का जान लीजिए हाल

जयपुर , एजेंसी।
राजस्थान में मानसून की सक्रियता के चलते पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के पूर्वी हिस्सों में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश और ज्यादातर स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में भारी, जबकि कई अन्य स्थानों पर हल्की बारिश हुई। अगले चार से पांच दिनों में पूर्वी राजस्थान के कई हिस्सों और पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में बारिश जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बारिश की वजह से राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई।

कहां कितनी बारिश: जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, बीते 24 घंटों के दौरान दौसा में 20 सेंटीमीटर (सेमी), करौली में 13 सेमी, बसवा में 11 सेमी, सवाई माधोपुर के बौंली में नौ सेमी, अलवर के लक्ष्मणगढ़ में नौ सेमी और राज्य के अनेक स्थानों पर सात सेमी से एक सेमी तक बारिश दर्ज की गई। विभाग के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह से शाम साढ़े पांच बजे तक कोटा में 60.6 मिलीमीटर (मिमी), सीकर में 32 मिमी, राजधानी जयपुर में 25.8 मिमी और चित्तौड़गढ़-बीकानेर में बूंदाबांदी दर्ज की गई।

बीकानेर में गुरुवार को अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस, जैसलमेर में 38.5 डिग्री सेल्सियस, गंगानगर में 38.2 डिग्री सेल्सियस, हनुमानगढ़ के संगरिया में 38 डिग्री, पिलानी में 37.5 डिग्री, फलोदी में 37.4 डिग्री, धौलपुर में 37.2 डिग्री और अन्य स्थानों पर 35.8 डिग्री सेल्सियस से लेकर 29.6 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। वहीं राज्य के सभी स्थानों पर बीती रात का तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस से लेकर 24.4 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

जारी रहेगा बारिश का सिलसिला: जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम बना हुआ है, जिसके कारण मानसून की ट्रफ लाइन गंगानगर, जयपुर से होकर गुजर रही है। उन्होंने बताया कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के प्रभाव से अगले चार-पांच दिन में पूर्वी राजस्थान के कई हिस्सों और पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर के कुछ हिस्सों में बारिश जारी रहने की संभावना है।

एएसईएएन भारत की एक्ट ईस्ट नीति का आधार, लाओस में विदेश मंत्रियों की बैठक में बोले जयशंकर

वियनतियाने, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन भारत की एक्ट ईस्ट नीति और भारत-प्रशांत दृष्टिकोण का आधार है। उन्होंने इस संगठन के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने का भी आह्वान किया।

दरअसल, विदेश मंत्री जयशंकर आसियान बैठक में भाग लेने के लिए लाओस की राजधानी वियनतियाने में हैं। आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक के उद्घाटन सत्र में जयशंकर ने कहा कि आसियान के साथ वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए आसियान उसकी एक्ट इंडिया नीति और उसके हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण की आधारशिला है।

विदेश मंत्री ने कहा, आसियान के साथ मौजूदा राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही हमारी लोगों के बीच संपर्क भी सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसे हम लगातार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह देखना उत्साहजनक है कि भारत-आसियान साझेदारी हर गुजरते दिन के साथ और अधिक आयाम हासिल कर रही है। विदेश मंत्री जयशंकर की लाओस यात्रा काफी महत्वपूर्ण विदेश मंत्री जयशंकर की लाओस यात्रा काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इस साल भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक दशक पूरा होने जा रहा है। विदेश मंत्री ने लाओस यात्रा से पहले दिल्ली में जानकारी देते हुए कहा था कि एक्ट ईस्ट नीति की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में 9वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में की थी। बता दें कि एक्ट ईस्ट पॉलिसी अलग-अलग स्तरों पर एशिया-प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक, सामरिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक कूटनीतिक पहल है।

पेरिस ओलंपिक से पहले फ्रांस में रेल लाइनों पर हमला, बुरी तरह से प्रभावित हुआ ट्रेन नेटवर्क

पेरिस एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत गुरुवार से हो रही है। फ्रांस की राजधानी में खिलाड़ियों का जमावड़ा लग चुका है और सीन नदी पर ऐतिहासिक ओलंपिक सेरेमनी की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। इस बीच फ्रांस की हाई स्पीड रेलवे लाइनों पर हमला हुआ है। इसकी वजह से ओलंपिक शुरू होने से पहले पेरिस में रेल ट्रैफिक बुरी तरह से बाधित हुआ है।

फ्रांस की नेशनल रेल कंपनी एसएनसीएफ ने शुक्रवार को कहा कि हाई-स्पीड लाइनों पर कई संदिग्ध गतिविधियां हुई हैं। इसकी वजह से हाई रिस्क वाले ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह के दिन रेलवे ट्रैफिक में बाधा सामने आई।

फ्रांस के पश्चिम, उत्तर और पूर्व की रेल लाइनें प्रभावित

एसएनसीएफ ने घोषणा करते हुए कहा कि फ्रांस के पश्चिम, उत्तर और पूर्व की रेल लाइनें प्रभावित हुईं। फ्रांस के अधिकारियों ने पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह से कुछ घंटे पहले हुई इन घटनाओं की निंदा की। हालांकि, इन घटनाओं के ओलंपिक खेलों से जुड़े होने का तत्काल कोई संकेत नहीं मिला है।

इमरान को जेल से छुड़ाएगा अमेरिका, सीक्रेट दौरे पर पाक आएगा अमेरिकी दल

इस्लामाबाद, एजेंसी। इमरान खान को कुछ दिन पहले इद्दत केस में जमानत मिल गई थी। हालांकि, कुछ ही देर में उन्हें तोशाखाना से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार कर लिया गया था। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को 9 में से 5 कोर कमांडरों ने सुझाव दिया है कि पूर्व पीएम इमरान खान को जेल से बाहर आने दिया जाए। ऐसा करके दुनियाभर के निवेशकों को सकारात्मक संकेत मिलेगा और देश में राजनीतिक स्थिरता आएगी।

अभी जनरल असीम मुनीर अड़े हुए हैं और उन्हें पता है कि जेल से बाहर आने के बाद इमरान को नियंत्रित करना असंभव हो जाएगा क्योंकि इमरान उन पर निशाना साधेंगे। मौजूदा हालातों को देखते हुए माना जा रहा है कि इमरान जेल से बाहर आ सकते हैं लेकिन यह सिर्फ न्यायपालिका, पाक सेना या शहबाज शरीफ के बूते नहीं होगा। यह पाकिस्तान से हजारों मील दूर से होगा क्योंकि इमरान की रिहाई के समझौते में अमेरिका का हाथ होगा। अगले हफ्ते एक अमेरिकी प्रतिनिधि पाकिस्तान आ रहा है। सूत्रों ने बताया कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल सरकार और सेना के साथ इस संबंध में कोई गुप्त समझौता भी कर सकता है।

कैदी नंबर 804, कभी ना माने हार : इमरान खान के समर्थन में पाकिस्तान में सॉन्ग एलबम भी जारी हो रहे हैं। इनमें मशहूर सिंग सारा अल्ताफ का एलबम कैदी नंबर 804 सबसे पॉपुलर है। इसके बोल हैं- कैदी नंबर 804, कभी ना माने हार। इमरान की पार्टी पीटीआई ने इसे अपना ऑफिशियल सॉन्ग बनाया है। एक अन्य एलबम नाक दा कोका में भी पीएम इमरान की कैद का जिक्र किया गया है। इन दोनों एलबमों को अभी तक 5 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। उधर, इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने ऐलान किया है कि पूर्व प्रधानमंत्री की रिहाई के लिए संसद के बाहर भूख हड़ताल की जाएगी।

क्यों जरूरी है इमरान की रिहाई : पाकिस्तीनी सेना मुश्किल में है क्योंकि शहबाज शरीफ सरकार काम करने में नाकाम रही है। वहीं, पीएमएलएन-पीपीपी मिलकर भी इमरान की लोकप्रियता का मुकाबला नहीं कर पा रही है। जेल से ही इमरान ने शरीफ-भुट्टो परिवार के गठबंधन को बड़ी जीत से रोक दिया। सरकार ने हताशा में घोषणा कर दी कि सरकार पीटीआई पर प्रतिबंध लगा सकती है, लेकिन इसका इतना बुरा असर हुआ कि कदम पीछे खींचने पड़े।

9 मई हिंसा के 12 केस में इमरान की रिमांड की मांग खारिज : जेल में बंद इमरान खान को बड़ी राहत देते हुए लाहौर हाईकोर्ट (एलएचसी) ने गुरुवार को पिछले साल 9 मई को हुए दंगों से संबंधित 12 नए मामलों में उनकी भौतिक रिमांड को खारिज कर दिया। इससे पहले, बुधवार को 9 मई की हिंसा के केस में पुलिस जेल में बंद इमरान के पॉलीग्राफ और वॉयस टेस्ट के लिए पहुंची थी लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इन मामलों में इमरान की गिरफ्तारी इद्दत मामले में बरी होने के बाद हुई। जब वे जेल से रिहा होने वाले थे तो इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ नया तोशाखाना केस दर्ज कर लिया गया। जिसे उन्होंने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी है। बता दें कि इमरान पिछले एक साल से किसी न किसी मामले में जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ 3 बड़े केस तोशाखाना, साइफर और गैर-कानूनी निकाह थे। कोर्ट ने इमरान को तीनों केसों में बरी किया तो नए केस दर्ज कर दिए गए। पाक सेना इमरान पर 9 मई को हिंसा भड़काने का केस चलाना चाहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा मामला किसी कोर्ट में नहीं चलेगा और सेना के पास उन्हें जेल में रखने की कोई वजह नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129